बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन-100

सत्र–2022–23

शेखावाटी मिशन : 100

इतिहास (कक्षा : 12)

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

संयोजक कार्यालय - संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

सत्र–2022–23

शेखावाटी मिशन – 100 मार्गदर्शक

पितराम सिंह
संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्त्ता टीम – इतिहास

साकेत कुमार दुलड़
रा.उ.मा.वि. भारू, झुंझुनूं
मो. 9462235808

सुभाषसिंह बिजारणिया
रा.उ.मा.वि. मंढा (मदनी), पलसाना

डॉ. अनुराग यादव
रा.उ.मा.वि. लखीपुरा, सीकर

विकास आर्य
रा.उ.मा.वि. बजावा सुरे का, झुंझुनूं

लिखमाराम
रा.उ.मा.वि. दूधवा, दांतारामगढ़

राजेन्द्र घठाला
रा.उ.मा.वि. तपीपल्या, खण्डेला

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, संयुक्त निदेशक कार्यालय – चूरू संभाग, चूरू (राजस्थान)

प्रश्न–पत्र की योजना

कक्षा – 12
विषय – इतिहास
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.स.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	26	32.50
2.	अवबोध	34	42.50
3.	अभिव्यक्ति / ज्ञानोपयोग	15	18.75
4.	मौलिकता / कौशल	05	06.25
योग		80	100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	12	1	15.00	24.49	16
2.	अतिलघूत्तरात्मक	17	1	21.25	34.69	23
3.	लघूत्तरात्मक– I	13	2	32.50	26.53	35
4.	दीर्घउत्तरीय	04	3	15.00	08.16	45
5.	निबंधात्मक	02+1	4+5	10.00+06.25	04.08+02.04	60+16
	योग	49		100%	100	195

विकल्प योजना : आन्तरिक

विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.स.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	हड़प्पा सभ्यता–ईंटें मनके तथा अस्थियां	6	7.50
2	आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं–राजा किसान और नगर	5	6.25
3	आरम्भिक समाज–बन्धुत्व जाति तथा वर्ग	5	6.25
4	सांस्कृतिक विकास–विचारक, विश्वास और इमारतें	6	7.50
5	यात्रियों के नजरिए–समाज के बारे में उनकी समझ	5	6.25
6	भक्ति–सूफी परम्पराएं–धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रृद्धा ग्रंथ	6	7.50
7	एक साम्राज्य की राजधानी–विजय नगर	5	6.25
8	किसान, जमींदार और राज्य–कृषि समाज और मुगल साम्राज्य	5	6.25
9	शासक और इतिवृत्तः मुगल दरबार	4	5.00
10	उपनिदेशवाद और देहात–सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	4	5.00
11	विद्रोही और राज–1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान	4	5.00
12	औपनिवेशवाद शहर–नगरीकरण, नगर योजना, स्थापत्य	5	6.25
13	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन–सविनय अवज्ञा और उससे आगे	5	6.25
14	विभाजन को समझना–राजनीति, स्मृति, अनुभव	5	6.25
15	संविधान का निर्माण–एक नये युग की शुरूआत	5	6.25
16	मानचित्र कार्य	5	6.25

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 12 विषय :– इतिहास पूर्णांक – 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति					कौशल/मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अति लघु	लघूत्तरात्मक	दीर्घ–उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघु	लघूत्तरात्मक	दीर्घ–उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघु	लघूत्तरात्मक	दीर्घ–उत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति लघु	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	
1	हड़प्पा सभ्यता–ईंटें मनके तथा अस्थियां	(1)1											(1)1			(1)4						**(3)6**
2	आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं–राजा किसान और नगर				(1)3			(1)1				(1)1										**(3)5**
3	आरम्भिक समाज–बन्धुत्व जाति तथा वर्ग		(1)1				(1)1	(1)1	(1)2													**(4)5**
4	सांस्कृतिक विकास–विचारक, विश्वास और इमारतें			(1)2					(1)2					(1)2								**(3)6**
5	यात्रियों के नजरिए–समाज के बारे में उनकी समझ			(1)2				(1)1						(1)2								**(3)5**
6	भक्ति–सूफी परम्पराएं–धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रृद्धा ग्रंथ		(1)1				(1)1	(1)1							(1)3							**(4)6**
7	एक साम्राज्य की राजधानी–विजय नगर	(1)1	(1)1				(1)1		(1)2													**(4)5**
8	किसान, जमींदार और राज्य–कृषि समाज और मुगल साम्राज्य			(1)2			(1)1		(1)2													**(3)5**
9	शासक और इतिवृतः मुगल दरबार	(1)1	(1)1	(1)2																		**(3)4**
10	उपनिदेशवाद और देहात–सरकारी अभिलेखों का अध्ययन			(1)2					(1)2													**(2)4**
11	विद्रोही और राज–1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान	(1)1								(1)3												**(2)4**
12	औपनिवेशवाद शहर–नगरीकरण, नगर योजना, स्थापत्य		(1)1					(1)1		(1)3												**(3)5**
13	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन–सविनय अवज्ञा और उससे आगे		(1)1								(1)4											**(2)5**
14	विभाजन को समझना–राजनीति, स्मृति, अनुभव		(1)1					(1)1	(1)2			(1)1										**(4)5**
15	संविधान का निर्माण–एक नये युग की शुरूआत	(1)1	(1)1				(1)1	(1)1					(1)1									**(5)5**
16	मानचित्र कार्य																				(1)5	**(1)5**
		(5)5	**(8)8**	**(5)10**	**(1)3**		**(5)5**	**(7)7**	**(6)12**	**(2)6**	**(1)4**	**(2)2**	**(2)2**	**(2)4**	**(1)3**	**(1)4**					**(1)5**	
		(19)26					**(21)34**					**(8)15**					**(1)5**					**(49) 80**

विकल्पों की योजना :– प्र.सं. 21 से 23 में एक आंतरिक विकल्प है नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

निर्देश :– प्रश्न सं. 1 में 12 प्रश्न, प्रश्न सं. 2 में 5 प्रश्न, प्रश्न सं. 3 में 12 प्रश्न समाहित हैं।

हस्ताक्षर

सत्र–2022–23

अध्याय–1 मनके तथा अस्थियां   अंकभार (6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. .... हड़प्पा अथवा सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है।

(अ) हड़प्पा मोहर (ब) मृदभांड (स) आभूषण (द) औजार उत्तर (अ)

2. विशिष्ट प्रकार की काली मिट्टी की परत चढ़ा हड़प्पाई मर्तबान .... से मिला है।

(अ) ओमान (ब) मेसोपोटामिया (स) बहरीन (द) मिश्र उत्तर उत्तर (अ)

3. हड़प्पा सभ्यता में बाट सामान्यतः .... नामक पत्थर से बनाई जाती थी।

(अ) सेलखड़ी (ब) चर्ट (स) शिप (द) शंख उत्तर (ब)

4.हड़प्पा काल के बाट आमतोर पर किसी भी तरह के निशान से रहित .... होते थे।

(अ) घनाकार (ब) वर्गाकार (स) आयताकार (द) बेलनाकार उत्तर (अ)

5. एक मूर्ति जिसे ''पुरोहित राजा'' की संज्ञा दी गई है प्राप्त हुई है।

(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो (स) बनावली (द) धोलावीरा उत्तर (ब)

6. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल थे।

(अ) जनरल कनिंघम (ब) व्हीलर (स) जॉन मार्शल (द) जीएफ डील्स उत्तर (अ)

7. .... भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल आर0इ0एम0 व्हीलर बने।

(अ) 1944 (ब) 1957 (स) 1947 (द) 1924 उत्तर (अ)

8. .... पुरातत्व की पद्धति में एक सैनिक शुद्धता का समावेश किया।

(अ) कनिंघम (ब) व्हीलर (स) जॉन मार्शल (द) एस एन राव उत्तर (ब)

9. मोहनजोदड़ो की सबसे विस्तृत इमारत है–

(अ) राज प्रसाद (ब) स्नानागार (स) मालगोदाम (द) निम्न में से कोई नहीं उत्तर (स)

10. हड़प्पा सभ्यता सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि के संबंध में सत्य कथन है।

(अ) यह एक भाव चित्रात्मक लिपि थी व सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह है।

(ब) ये लिपि दाई से बाई ओर लिखी जाती थी तथा लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी

(स) इसमें चित्रों की संख्या अधिक है लगभग 375 से 400

(द) उपरोक्त सभी उत्तर (द)

शेखावाटी मिशन–100

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्नः–

1. हड़प्पा की मोहर किससे बनाई जाती थी?

उत्तरः– सेलखड़ी नामक पत्थर से

2. हड़प्पाई मुहरो पर क्या उत्कीर्ण किया गया है?

उत्तरः– जानवरों के चित्र तथा एक लिपि के चिन्ह जिन्हें अभी तक पढ़ा नहीं जा सका।

3. हड़प्पा क्षेत्र में बसे लोगों के जीवन के विषय में हमें किस प्रकार जानकारी मिलती है/ किन पूरा वस्तुओं से जानकारी मिलती है/पुरातात्विक साक्ष्य कौन–कौन से हैं?

उत्तरः– उनके आवास, मृदभांड, आभूषण, औजार तथा मोहरे आदि।

4. पुरातत्वविद आहार संबंधी आदतों के विषय में जानकारी प्राप्त करने में किस प्रकार सफल हो पाए?

उत्तरः– जले अनाज के दानों तथा बीजों की खोज से।

5. पूरा वनस्पतिज्ञ कौन होते हैं?

उत्तरः– जो प्राचीन वनस्पति के अध्ययन के विशेषज्ञ होते हैं।

6. खेतों को जोतने के लिए किसका प्रयोग होता था?

उत्तरः– बैलों तथा हल का।

7. मिट्टी के हल के प्रतिरूप कहां से मिले हैं?

उत्तरः–बनावली हरियाणा तथा चोलीस्तान पाकिस्तान से।

8. किस स्थान से पुरातत्वविदों को जूते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं।

उत्तरः– कालीबंगन राजस्थान।

9. किस स्थान से नहरो के अवशेष मिले हैं।

उत्तरः– अफगानिस्तान में शोर्तुघई।

10. जलाशय/तालाब के साक्ष्य किस स्थल मिले हैं।

उत्तरः– गुजरात मे स्थित धोलावीरा से।

11. सिंधु घाटी सभ्यता में अनाज पीसने का प्रमुख साधन था।

उत्तरः–अवतल चक्कियाँ।

12. चक्कियाँ किससे निर्मित होती थी?

उत्तरः–स्थूलता, कठोर, कंकरिले, अग्निज अथवा बलुआ पत्थर से।

13. चक्कियाँ कितने प्रकार की मिली हैं।

उत्तरः–दो प्रकार की।

14. बाजरे के दाने कहां से प्राप्त हुए हैं।

उत्तरः–गुजरात से

15. हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशेषता क्या थी।

उत्तरः– नियोजित जल प्रणाली।

16. सड़कों तथा गलियों को किस पद्धति में बनाया गया था।

उत्तरः– ''ग्रीड'' पद्धति में यह एक दूसरे को समकोण पर काटती थी।

17. हड़प्पा कालीन भवनों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियों की अनुपस्थिति किस बात की ओर इशारा करती है।

उत्तरः–हड़प्पाई लोगों द्वारा अपनी एकांतता को दिए जाने वाले महत्व को।

18. मोहनजोदड़ो की ऐसी सार्वजनिक सूचनाएं कौनसी हैं जिनका प्रयोग विशिष्ट सार्वजनिक प्रयोजन के लिए किया जाता था।

उत्तरः–माल गोदाम और विशाल स्नानागार।

19. सामाजिक भिन्नता को पहचानने हेतु किस विधि का उपयोग पुरातत्वविद द्वारा किया जाता है।

उत्तरः–पूरा वस्तुओं का अध्ययन उपयोगी तथा विलास की वस्तुओं में वर्गीकृत करके

20. जलाशय की किनारों को जलबद्ध किस प्रकार किया जाता था।

उत्तरः–ईंटो को जमाकर तथा जिप्सम के गारे के प्रयोग द्वारा।

21.फ़यॉन्स क्या हैं।

उत्तरः–घीसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाए गए पदार्थ जिनसे कीमती छोटे पात्र बनाए जाते थे।

शेखावाटी मिशन–100

22. कार्नेलियन का लाल रंग किस प्रकार प्राप्त किया जाता था।

उत्तरः–पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनको को आग में पकाकर।

23. पूरी तरह से शिल्प उत्पादन में संलग्न बस्ती कौनसी थी।

उत्तरः– चन्हुदड़ों

24. शिल्प कार्यों में प्रमुख रूप से क्या शामिल थे।

उत्तरः–मनके बनाना, शंख की कटाई, धातु कर्म, मोहर निर्माण तथा बाट बनाना।

25. मनको के निर्माण में प्रमुख रूप से प्रयुक्त पदार्थ कौनसे थे।

उत्तरः– कार्नेलियन सुंदर लाल रंग का, जैस्पर, स्फटिक तथा सेलखड़ी जैसे पत्थर तांबा कॉसा तथा साने जैसी धातुएं तथा शंख फयान्स और पक्की मिट्‌टी आदि।

26. मनको में छेद करने के उपकरण कहां से मिले है।

उत्तरः–चन्हूदड़ो, लोथल तथा धोलावीरा में

27. समुद्र तट के समीप स्थित बस्तियां [कौनसी थी/क्यों स्थापित की]/शंख से बनी वस्तुओं के निर्माण के विशिष्ट केन्द्र कौन से था।

उत्तरः–नागेश्वर तथा बालाकोट में शंख आसानी से उपलब्ध था इसलिए वहां बस्तियां स्थापित की।

28. शंख से कौनसी वस्तुएं बनाई जाती थी तथा कहां बनाई जाती थी।

उत्तरः–शंख से चूड़िया, करछियां तथा पच्चीकारी की वस्तुऐं नागेश्वर और बालाकोट में बनाई जाती थी।

29. उत्पादन केन्द्रों की पहचान पुरातत्विदो द्वारा किस प्रकार की जाती है?

उत्तरः–प्रस्तर पिंड, पूरे शंख तथा तांबा अयस्क जैसे कच्चे माल औजार अपूर्ण वस्तुएं त्याग दिया गया माल और कूड़ा करकट की खोज द्वारा।

30. लाजवर्द मणि का सबसे अच्छा स्रोत था।

उत्तरः–सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुधई के निकट।

31. कार्नेलियन कहां से प्राप्त किया जाता था।

उत्तरः–गुजरात के भडौच में स्थित लोथल से।

32. हड़प्पा काल में मोहर निर्माण हेतु सेलखड़ी कहां से प्राप्त की जाती थी।

उत्तरः–दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से।

33. खेतड़ी क्षेत्र में मिले साक्ष्यों को पुरातत्वविदो ने क्या नाम दिया है/तांबे की असाधारण संपदा कहां से मिली है।

उत्तरः–गणेश्वर जोधपुर संस्कृति खेतड़ी क्षेत्र।

34. हड़प्पा वासी तांबा कहां से प्राप्त करते थे?

उत्तरः–खेतड़ी क्षेत्र के गणेश्वर जोधपुरा से तथा अरब प्रायद्वीप के दक्षिण पूर्वी छोर पर स्थित ओमान से।

35. मेसोपोटामिया के लेखों में मगान का उल्लेख हुआ हैं?

उत्तरः–ओमान के लिए तांबे के आगमन के संदर्भ में।

36. मेसोपोटामिया के लेख में दिलमून शब्द का प्रयुक्त हुआ है?

उत्तरः–बहरीन द्वीप के लिए।

37. मेसोपोटामिया मेलूहा शब्द का प्रयुक्त हुआ हैं?

उत्तरः–हड़प्पा सभ्यता के लिए।

शेखावाटी मिशन–100

38. पुरातत्वविदों के अनुसार मेलूहा का हाजा पक्षी था?

उत्तरः–मोर।

39. मेसोपोटामिया के लेख मेलूहा के कौन–कौन से उत्पादों का उल्लेख करते हैं?

उत्तरः–कार्नेलियन, लाजवर्द मणि, तांबा, सोना तथा विविध प्रकार की लकड़ियां।

40. मेसोपोटामिया के लेखों में नाविकों का देश कहा गया है?

उत्तरः–मेलूहा [हड़प्पा/सिंधु सभ्यता] को।

41. लंबी दूरी के संपर्कों को सुविधाजनक बनाने के लिए उपयोग होता था?

उत्तरः–मोहरो तथा मुद्राकन का।

42. किन वस्तुओं पर हड़प्पा लिपि की लिखावट मिलती हैं?

उत्तरः–मोहरे, तांबे के औजार, मर्तबानो के अंवठ, तांबे तथा मिट्टी की लघु पट्टिकाएं आभूषण, अस्थि छड़ें तथा एक प्राचीन सूचना पट पर।

43. ''उत्तर हड़प्पा'' तथा ''अनुवर्ती संस्कृतियों'' किन्हें कहा गया है?

उत्तरः–पूरा वस्तुएं तथा बस्तियां हड़प्पा संस्कृति/सिंधु घाटी संस्कृति में एक ग्रामीण जीवन शैली की ओर संकेत करती है इन्हीं संस्कृतियों को उत्तर हड़प्पा अथवा अनुवर्ती संस्कृति कहा गया है।

44. हड़प्पा सभ्यता के पतन की कौनसी व्याख्याएं दी गई है।

उत्तरः–जलवायु, परिवर्तन वनो की कटाई, अत्यधिक बाढ़, नदियों का सूख जाना या मार्ग बदल लेना तथा भूमि का अत्यधिक उपयोग।

45. हड़प्पा काल की बाटो के मानदंड क्या थे।

उत्तरः–निचले मानदंड द्विआधारी जबकि ऊपरि मानदंड दशमलव प्रणाली पर आधारित थे।

46. ऋग्वेद में उल्लेखित पुर शब्द का अर्थ है?

उत्तरः–प्राचीन किला या गढ़।

47. पुरंदर किसे कहा गया हैं?

उत्तरः–आर्यों के युद्ध के देवता इन्द को पुरंदर अर्थात गढ़ विध्वंसक कहा गया है।

48. आरंभिक बस्तियों की पहचान के लिए जनरल कनिघंम ने किसका प्रयोग किया?

उत्तरः–चौथी से सातवीं शताब्दी ईस्वी के बीच उपमहाद्वीप में आए चीनी बौद्ध तीर्थ यात्रियों के वृतांत का।

49. हड़प्पा के समान मोहरे मोहनजोदड़ो से किस पुरातत्वविद ने खोजी?

उत्तरः–राखलदास बनर्जी।

50. पूरे विश्व के समक्ष नवीन सभ्यता के रूप में सिंधु घाटी की खोज की घोषणा कब व किसके द्वारा की गई?

उत्तरः–1924 में जॉन मार्शल द्वारा।

51. खुदाई में एक समान क्षैतिज इकाइयों के बजाय नई तकनीक टिले के स्तर विन्यास का अनुसरण का आरंभ किसके द्वारा किया गया?

उत्तरः–**r.e.m.** व्हीलर द्वारा।

52. मातृ देवी की संज्ञा किसे दी गई है?

उत्तरः–आभूषणों से लदी भी नारी मृण मूर्तियां जिनमें से कुछ के सिर पर विस्तृत प्रसाधन थे को मातृ देवी की संज्ञा दी गई है।

शेखावाटी मिशन–100

53. वेदियों के साक्ष्य कहां से मिले हैं?
उत्तरः–कालीबंगा और लोथल से।

54. किन संरचनाओं को अनुष्ठान के महत्व का माना गया हैं?
उत्तरः–मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार तथा कालीबंगा, लोथल की वेदियों को।

55. ऋग्वेद का संकलन काल कब माना गया है?
उत्तरः–लगभग 1500 ईपू से 1000 ईसा पूर्व।

सत्र–2022–23

निंबधात्मक प्रश्नः–

1. हड़प्पा सभ्यता/सिंधु सभ्यता में शिल्प उत्पादन के विषय में जानकारी दीजिए/प्रकाश डालिए/वर्णन कीजिए?

उत्तरः– उन्नत शिल्प उद्योग हड़प्पा सभ्यता की एक प्रमुख विशेषता थी। शिल्प कार्यों में मुख्य रूप से मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मोहर निर्माण तथा बाट बनाना सम्मिलित थे। चन्हूदरो एक ऐसी बस्ती थी जो लगभग पूरी तरह से शिल्प उत्पादन में संलग्न थी। मनकों के निर्माण में प्रयुक्त पदार्थों की पर्याप्त विविधता थी कार्नेलियन, सुंदर लाल रंग का, जैस्पर, स्फिटिक, क्वाट्र्ज, सेलखड़ी जैसे पत्थर तांबा कांसा तथा सोने जैसी धातु तथा शंख फयान्स और पक्की मिट्टी, सभी का प्रयोग मनके बनाने में होता था। कुछ मनके दो या दो से अधिक पत्थरों का आपस में जोड़कर बनाए जाते थे और कुछ सोने के टॉप वाले पत्थर के होते थे। इनको विभिन्न आकारों में बनाया जाता था जैसे चक्राकार, बेलनाकार, ढोलाकार तथा खंडित कुछ को उत्कीर्णन या चित्रकारी के माध्यम से सजाया भी गया था और कुछ पर रेखाचित्र उकेरे गए थे। मनके बनाने की तकनीकों में प्रयुक्त पदार्थों के अनुसार भिनताएं थी। सेलखड़ी एक मुलायम पत्थर था जिस पर आसानी से कार्य हो जाता था। कुछ मनके सेलखड़ी चूर्ण के लेप को सांचे में ढालकर तैयार किए जाते थे। इससे ठोस पत्थरों से बनने वाले ज्यामितीय आकार के विपरीत विविध आकारों के मन के बनाए जाते थे कार्नेलियन का लाल रंग पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनको को आग मे पकाकर प्राप्त किया जाता था पत्थर के टुकडों के अपरिष्कृत खंडो को तोड़ने के पश्चात सल्क निकालकर अंतिम रूप दिया जाता था। घीसाई पोलिस और उनमें छेद करने के साथ यह प्रक्रिया पूर्ण होती थी चन्हुदड़ो, लोथल और धोलावीरा में मनका निर्माण के विशेष उपकरण मिले हैं साथ ही समुद्र तटीय बस्तियां जैसे नागेश्वर, बालाकोट आदि शंख से बनी वस्तुओं के विशिष्ट केन्द्र थे यहांसे तैयार माल को मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे बड़े शहरों में पहुंचाया जाता था। प्रस्तर पिंड, शंख, तांबा अयस्क जैसे कच्चे माल औजार अपूर्ण वस्तुएं तथा त्याग दिए माल के आधार पर इन केन्द्रों की पहचान की गई है हड़प्पा काल में शिल्प उत्पादन उन्नत अवस्था में था तथा यहां की वस्तुएं समकालीन सभ्यताओं जैसे सुदूर ओमान तक प्राप्त हुई हैं।

2. सिंधु घाटी सभ्यता में शिल्प उद्योग हेतु माल प्राप्त करने की नीतियों/अथवा व्यापार पर प्रकाश डालिए।

उत्तरः–हड़प्पा वासी शिल्प उत्पादन हेतु कई तरीकों से माल प्राप्त करते थे तथा तैयार माल को बाहर भेजते थेः कुछ कच्चा माल जैसे मिट्टी स्थानिय स्तर पर पत्थर, लकड़ी, धातु, जलोढ़ मैदान से बाहर के क्षेत्रों से तथा समुद्र तटीय नागेश्वर और बालाकोट में जहां शंख आसानी से उपलब्ध था वहां बस्तियों की

शेखावाटी मिशन–100

स्थापना कर तथा सुदूर अफगानीस्तान में शोर्तुघई के निकट से नीले रंग की लाजवर्द मणी, लोथल से कार्नेलियन दक्षिणी राजस्थान, उत्तरी गुजरात से सेलखड़ी तथा राजस्थान के खेतड़ी अंचल से तांबा तथा दक्षिणी भारत से सोना। इसके अतिरिक्त स्थानिय समुदायों से संपर्क स्थापित कर कच्चा माल प्राप्त किया जाता था जिसके संकेत उन स्थानों में मिलने वाली हड़प्पाई पूरावस्तुएं है। खेतड़ी अंचल की गणेश्वर जोधपुरा संस्कृति से तांबा प्राप्त किया जाता था यहां तांबे की ऐसा असाधारण संपदा मिली है साथ ही विदेशों अरब प्रायद्वीप के दक्षिणपुर्व छोर स्थित ओमान से भी तांबा मंगवाने के साक्ष्य मिले हैं। हड़प्पा सभ्यता का समकालीन अन्य सभ्यताओं के साथ व्यापार उन्नत अवस्था में था। समकालीन सभ्यता स्थलों पर मिली हड़प्पाई पुरावस्तुएं जैसे मुहरें, बाट पास, मनके आदि तथा मेसोपोटिमिया के लेखों में हड़प्पा के उत्पाद कार्नेलियन, लाजवर्द, मणी, तांबा, सोना तथा विविध प्रकार की लकड़ियां हड़प्पा का ''मेलुहा'' नाविकों के देश के रूप में किया गया उल्लेख तथा मोहरों पर जहाजों तथा नाव का चित्रांकन इस बात की पुष्टि करते हैं कि हड़प्पा काल में व्यापार उन्नत अवस्था में था।

3. पुरातत्वविद खोजों का वर्गीकरण की समस्या को किस प्रकार हल करते हैं।

उत्तरः–पूरा वस्तुओं की प्राप्ति पुरातात्विक उद्यम का आरंभ मात्र है, इसके बाद पुरातत्वविद अपनी खोजों को वर्गीकृत करते हैं। वर्गीकरण का एक सामान्य सिद्धान्त प्रयुक्त पदार्थों जैसे पत्थर, मिट्टी, धातु, अस्थि, हाथी दांत आदि के संबंध में होता है। दूसरा ओर अधिक जटिल, उनकी उपयोगिता के आधार पर होता है पुरातत्वविदों को यह तय करना पड़ता है कि कोई पुरावस्तु औजार है, या आभूषण या फिर दोनों अथवा अनुष्ठानिक प्रयोग की कोई वस्तु। किसी पूरा वस्तु की उपयोगिता की समझ अक्सर आधुनिक समय में प्रयुक्त वस्तुओं से उनकी समानता के आधार पर भी होती है। मनके, चक्किया, पत्थर के फलक तथा पात्र इसके स्पष्ट उदाहरण है। पुरातत्वविद किसी वस्तु की उपयोगिता को समझने का प्रयास उस संदर्भ के परीक्षण के माध्यम से भी करते हैं जिसमें वह मिली है जैसे कि किस स्थल से प्राप्त हुई है घर से नाले में कब्र में या फिर भट्टी में। कभी–कभी पुरातत्वविदों को अप्रत्यक्ष साक्ष्यो का भी सहारा लेना पड़ता है, जैसे कुछ हड़प्पा स्थलों से कपास के टुकड़े मिले हैं पर पहनावे के विषय में जानने के लिए हमें अप्रत्यक्ष साक्ष्यों जैसे मूर्तियों में चित्रण आदि पर निर्भर रहना पड़ता है। पुरातत्वविदों को संदर्भ की रुपरेखाओं को ही संदर्भ में विकसित करना पड़ता है। सांस्कृतिक अनुक्रम में जिसमें पुरावस्तु मिली उसकी तुलना समकालीन अन्य सभ्यताओं में हुई खोजों से करके उनका आपस में संबंध स्थापित किया जाता है। इसी प्रकार प्राप्त पुरावस्तुओं व वर्तमान में विभिन्न समाजों में प्रचलित रुढियों व प्रथाओं से साम्यता के आधार पर धार्मिक प्रथाओं का पुनर्निर्माण में किया जाता है।

4. हड़प्पा सभ्यता की धार्मिक प्रथाओं/विश्वासों की व्याख्या किस प्रकार की गई है।

उत्तरः–सबसे अधिक चुनौतियाँ धार्मिक प्रथाओं के पुनर्निर्माण में आती हैं। आरंभिक पुरातत्वविदों द्वारा कुछ वस्तुएं जो असामान्य अथवा अपरिचित प्रतीत होती हैं उन्हें धार्मिक महत्व का मान लिया जाता था। इनमें आभूषणों से लदी हुई नारी मृण्मूर्तियाँ मूर्तियां जिनमें से कुछ के शीर्ष पर विस्तृत प्रसाधन थे, शामिल है। जिन्हे मातृ देवी की संज्ञा दी गई है। पुरुषों की दुर्लभ पत्थर से बनी मूर्तियां जिनमें वे एक लगभग मानकीकृत मुद्रा में बैठे हैं, को ''पुरोहित राजा'' की संज्ञा के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इसी प्रकार अन्य संरचनाओं को अनुष्ठानिक महत्व का माना गया है। जिनमें विशाल स्नानागार तथा कालीबंगन तथा लोथल से प्राप्त वेदियां सम्मिलित हैं। कुछ मुहरो पर भी अनुष्ठान के दृश्य बने है, के परीक्षण से धार्मिक

शेखावाटी मिशन–100

आस्थाओं तथा प्रथाओं के पुनर्निर्माण का भी प्रयास किया गया है। कुछ अन्य जिन पर पेड़ पौधे उत्कीर्ण है, मान्यता अनुसार प्रकृति की पूजा की संकेत देते हैं और कुछ पर बनाए गए जानवर, जैसे कि एक सींग वाला जानवर जिसे आमतौर पर एकश्रृंगी कहा जाता है कल्पित तथा संश्रि्लष्ट लगते हैं। कुछ मोहरों पर एक आकृति जिसमें पालथी मारकर योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है और कभी–कभी जिसे जानवरों से घिरा दर्शाया गया है, को ''आद्य शिव'' अर्थात हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक के आंरभिक रूप में संज्ञा दी गई है। इसके अतिरिक्त पत्थर की शंक्वाकार वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हड़प्पाई धर्म के कई पुनर्निर्माण इस आधार पर किए गए हैं कि आरंभिक तथा बाद की परंपराओं में समानताऐं होती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अधिकांश से पुरातत्वविद ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ते हैं अर्थात वर्तमान से अतीत की ओर। हालांकि यह नीति पत्थर की चक्कीयों तथा पात्रों के संगत में संबंध में युक्तिसंगत हो सकती है लेकिन ''धार्मिक'' प्रतीक के संदर्भ में अधिक संदिग्ध रहती है। उदाहरण स्वरूप ''अद्यशिव'' की मोहर। आरंभिक धार्मिक ग्रंथ ऋग्वेद में रूद्र के रूप में मिलता है जो बाद की पौराणिक परंपराओं में शिव के लिए प्रयुक्त हुआ है। लेकिन शिव के विपरीत रुद्र को ऋग्वेद में पशुपति सामान्य रूप से जानवर और विशेष रूप से मवेशियों के स्वामी और न ही योगी के रूप में दिखाया गया है। दूसरे शब्दों में यह चित्रण ऋग्वेद में में दिए गए विवरण से मेल नहीं खाता है। कई पुनर्निर्माण अभी भी संदिग्ध है।

5. हड़प्पा संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए
अथवा उन तथ्यों पर प्रकाश डालिए जो यह इंगित करते हैं कि हड़प्पा सभ्यता सिंधु घाटी सभ्यता में एक शासन प्रणाली मौजूद थी।
अथवा हड़प्पा समाज में शासक वर्ग द्वारा किए जाने वाले संभावित कार्य।

उत्तरः–<u>सुनियोजित नगर निर्माणः–</u> हड़प्पा सभ्यता से हमें विस्तृत तथा सुनियोजित नगर रचनाएं प्राप्त होती हैं। इस सभ्यता में कई विशिष्ट भवन मिलते हैं, जो सभ्यता के उत्कृष्ट नगर नियोजन को दर्शाते हैं। जिनमें मोहनजोदड़ो का माल गोदाम विशाल स्नानागार, धोलावीरा का जलाशय, लोथल का गोदिबाड़ा, हड़प्पा का विशाल अन्ना गार।

<u>सुनियोजित जल निकास प्रणालीः–</u> आधुनिक नगर निगम सुविधाओं की तरह सभी बड़े स्थलो पर एक सुनियोजित जल निकास प्रणाली इसे न केवल समकालीन सभ्यताओं में सर्वश्रेष्ठ बनाती है, बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता को अभिव्यक्त करता है।

<u>सामाजिक जीवन व संगठित श्रमः–</u> स्थलों से प्राप्त किलेबंदी तथा दूर्ग से केवल सुरक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं। बल्कि समाज में एक सामाजिक विभेद, शासक वर्ग तथा जनसामान्य को भी इंगित करते हैं, साथ ही विशाल संरचनाऐं मालगोदाम, विशिष्ट भवन, स्नानागार आदि निर्माण कार्य एक संगठित श्रर्म की तरफ भी इशारा करते हैं। साथ ही प्राप्त पूरावस्तुओं से मातृ सत्तात्मक समाज होने का लक्षण दिखाई देते हैं आभूषण, मृदभांड तथा शवाधान भी सामाजिक विभेद व जीवन पर पर्याप्त प्रकाश डालते हैं।

<u>सड़क तथा नाली निर्माणः–</u> नगरों की सड़कें व नालियां एक निश्चित योजना ''ग्रीड पद्धति'' पर बनाई जाती थी जो एक दूसरी को समकोण पर काटती थी। सड़कें पर्याप्त चौड़ी थी व उनमें एक अद्वितीय एकरूपता सभी हड़प्पाई स्थलों पर देखी गई है।

<u>मुहर निर्माणः–</u> हड़प्पा सभ्यता से पर्याप्त संख्या में प्राप्त मुहरे, इनकी एकरूपता तथा समकालीन सभ्यता

शेखावाटी मिशन-100

SHEKHAWATI MISSION 2022

स्थलों से इनकी प्राप्ति, बताती है कि ये मोहरे नागरिकों तथा व्यापारियों की सुविधा के लिए निर्मित की गई थी।

<u>व्यापारः–</u> हड़प्पा सभ्यता में जल और थल दोनों ही व्यापार उन्नत थे तथा विदेशों ओमान बहरीन तथा मेसोपोटामिया से व्यापारिक संबंध की पुष्टि भी समकालीन पुरातात्विक साक्ष्यों व समकालीन सभ्यताओं के लेखों में हुए उल्लेखों से होती है।

<u>बाट व मापः–</u> हड़प्पा सभ्यता में समरूप माप तोल हेतु चर्ट बने बाटों के एक समान मानदंड का प्रयोग किया जाता था। सभी स्थलों पर एक जैसे बाट मिले हैं। निचले मानदंड द्विआधारी व ऊपरी मानदंड दशमलव पद्धति आधारित थे।

<u>लिपिः–</u> हड़प्पा सभ्यता में भाव चित्रात्मक लिपि प्रचलित थी जिसमें चिन्हों का प्रयोग किया जाता था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह लिपि दाएं से बाएं और लिखी जाती थी। यह अभी तक अपठित है।

<u>धार्मिक जीवनः–</u> हड़प्पा से प्राप्त ''पुरोहित राजा'' एवं मातृदेवी की मृण्मूर्तियां तथा मोहरों से आद्य शिव की उपासना के संकेत मिलते हैं। इसके अतिरिक्त प्रकृति पूजा एवं पशु पक्षियों की पूजा तथा विशाल स्नानागार जैसी रचनाओं से सामूहिक अनष्ठान एवं जल पूजा के भी साक्ष्य मिलते हैं।

<u>राजनीतिक व्यवस्थाः–</u> उपरोक्त विशेषताओं को देखने से यह प्रतीत होता है कि जटिल निर्णय लेने एवं लागू करने, विशाल निर्माण, बड़े पैमाने पर श्रमिकों को संगठित करने के लिए एक संगठित सत्ता का अस्तित्व अवश्य ही रहा होगा। जबकि कुद पुरातत्वविद इन तथ्यों को नकारते हैं, वहीं कुछ का मानना है कि संपूर्ण सभ्यता में एक ही राज्य था जो अभी तक सबसे अधिक प्रमाणिक मत माना जाता है जो एक सुगठित शासन व्यवस्था की तरफ इशारा करता है।

6. एक नियोजित शहरी केन्द्र के रूप में मोहनजोदड़ो की विशेषताऐ बताइए अथवा

एक नियोजित शहर के रूप में मोहनजोदड़ो आधुनिक शहरी व्यवस्था से कहीं आगे था टिप्पणी कीजिए

अथवा

मोहनजोदड़ो की अपने नगर नियोजन की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

उत्तरः–मोहनजोदड़ो अपने नगर नियोजन में सबसे विशिष्ट एवं प्रसिद्ध पुरास्थल था, जिसे निम्न बिंदुओ से समझा जा सकता हैः–

<u>एक नियोजित शहरः–</u> दो भागो में विभाजित मोहनजोदड़ो एक नियोजित शहरी केन्द्र था जिसमें छोटा भाग जो ऊँचाई पर बनाया गया था, दूर्ग कहलाता था तथा दूसरा भाग निचला शहर था। पुरातात्विक उत्खनन से यह प्रतीत होता है की पहले शहर की विस्तृत निर्माण योजना बनाई गई तत्पश्चात निर्माण कार्य किया गया। निर्माण कार्य हेतु निश्चित अनुपात की ईंटें जिन्हे धूप में सुखा एवं पका कर तैयार किया गया का उपयोग लिया गया था।

<u>दुर्गः–</u> दुर्ग पर सार्वजनिक उपयोग की विशाल रचानाएं जैसे, विशाल स्नानागार एवं अन्ना गार प्राप्त हुई हैं तथा सुरक्षा की दृष्टि से दुर्ग को चारों तरफ से दीवार द्वारा किलेबंदी की गई थी।

<u>निचला शहरः–</u> निचले शहर को चबूतरो पर बनाया गया था। जो सुरक्षा के साथ–साथ नींव का कार्य भी करते थे। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से निचले शहर को भी दीवार से घेरा गया था जो सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण को उजागर करता है।

<u>सड़के व सुनियोजित जल निकास प्रणालीः–</u> आज की नगर निगम संस्थाओं की तरह की तरह मोहनजोदड़ो में प्रर्याप्त चौड़ी सड़कों के साक्ष्य मिले हैं जो ''ग्रीड पद्धति'' पर बनाई गई थी। साथ ही ऐसा

शेखावाटी मिशन–100

प्रतीत होता है पहले सड़कों व नालियों का निर्माण किया गया तत्पश्चात उसके आसपास घरों का निर्माण किया गया। घरों के गंदे पानी को गलियों की नालियों से जोड़ने के लिए प्रत्येक घर की कम से कम एक दीवार का गली से सटा होना आवश्यक था जो सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की ओर नागरिकों की उच्च महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित करता है।

<u>कुऐंः–</u> हड़प्पा के अधिकांश आवासों में वे मौजूद थे जो एसे कक्ष मे बनाए गए थे, जिसमें बाहर से आया जा सकता था अर्थात जिनका प्रयोग राहगीरों द्वारा किया जा सकता था। विद्वानों के अनुसार मोहनजोदड़ों में लगभग 700 क्यों कुऐं थे।

<u>गृह स्थापत्यः–</u> मोहनजोदड़ो की निचले शहर में आवासीय भवन थे। हर घर का ईटों का बना फर्श, अपना एक स्नानघर होता था जिसकी नालियां दीवार के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी होती थी। भवनों में स्नानागार व छत पर जाने हेतु सीढ़ियां इत्यादि का निर्माण किया गया था। कई आवासों में एक आंगन था जिसके चारों और कमरे बने हुए थे। भूमि तल पर दीवारो में खिड़कियों की अनुपस्थिति व्यक्तिगत जीवन में निजता एवं एकांत को दिए जाने वाले महत्व को बताती है।

<u>विशाल स्नानागारः–</u> दुर्ग से प्राप्त संरचनाओं में सार्वजनिक प्रयोजन हेतु विशाल स्नानागार आंगन मे बना एक आयताकार जलाशय है। जो चारों तरफ गलियारे से गिरा हुआ है तथा जलाशय को जलबद्ध करने हेतु उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया है जो मोहनजोदड़ो की सामुदायिक स्वच्छता के प्रति जागरूकता को प्रदर्शित करता है। आदि विशेषताएं यह प्रदर्शित करती हैं कि मोहनजोदड़ो अपने समकालीन सभ्यता स्थलो से नगर नियोजन में कहीं आगे ही नहीं था वरन उसकी प्रासंगिकता वर्तमान समय के शहरी नियोजन से कमतर नहीं थी।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय –2 राजा नगर और किसान अंक भार (5)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी जेम्स प्रिंसेप के शोध संबंध में सत्य कथन है
(अ) जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपि का अर्थ निकाला
(ब) अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर पियदस्सी यानी मनोहर मुखाकृति वाले राजा का नाम लिखा है
(स) कुछ अभिलेखों पर राजा का नाम अशोक भी लिखा है
(द) उपरोक्त सभी **उत्तर – (द)**

2. छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व के संबंध में सत्य कथन है
(अ) भारतीय इतिहास में इसे एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल माना जाता है
(ब) इसे आरंभिक राज्य नगरो तथा लोहे के बढ़ते प्रयोग और सिक्कों के विकास के साथ जोड़कर देखा जाता है
(स) इसी काल में बौद्ध व जैन सहित विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ
(द) उपरोक्त सभी **उत्तर – द**

3. मेगास्थनीज ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और उप समितियों का उल्लेख किया है –
(अ) 5 (ब) 6 (स) 8 (द) 10 **उत्तर – ब**

4. दक्कन और उसे दक्षिण के क्षेत्र में स्थित तमिलकम में किन सरदारों का उद्भव हुआ।
(अ) चोल (ब) चेर (स) पाण्डेय (द) उपरोक्त सभी **उत्तर – द**

5. शासकों ने अपने नाम के आगे देवपुत्र की उपाधि लगाई है
(अ) कुषाण (ब) मौर्य (स) गुप्त (द) सातवाहन **उत्तर – अ**

6. शासक की प्रतिमा और नाम के साथ सबसे पहले सिक्के शासकों ने जारी किए थे
(अ) मौर्य (ब) हिंदू यूनानी (स) गुप्त (द) कुषाण **उत्तर – ब**

7. सोने के सिक्के बड़े पैमाने पर प्रथम शताब्दी ईस्वी में .... ने जारी किए थे
(अ) मौर्य (ब) कुषाण (स) गुप्त (द) वाकाटक **उत्तर – ब**

8. आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त लगभग सभी लिपियों का मूल.....................है
(अ) ब्राह्मी लिपि (ब) खरोष्ठी (स) अरमईका (द) यूनानी **उत्तर – अ**

9. पश्चिमोत्तर अभिलेखों में प्रयुक्त.................................लिपि है
(अ) खरोष्ठी (ब) प्राकृत (स) पाली (द) संस्कृत **उत्तर – अ**

<u>अति लघु उत्तर आत्मक प्रश्नः–</u>

1 ....के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में कई लोगों का समूह शासन करता था
उत्तर – गण और संघ

2 भगवान महावीर और भगवान बुद्ध.................................से संबंधित थे
उत्तर – गणों

3 छठी शताब्दी ईसा पूर्व से संस्कृत में ब्राह्मणों ने ....नामक ग्रंथों की रचना शुरु की।
उत्तर – धर्मशास्त्र

शेखावाटी मिशन–100

4 मौर्य साम्राज्य के संस्थापक....................का शासन पश्चिमोत्तर.......................तक फैला था

उत्तर चंद्रगुप्त मौर्य, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान।

5. धर्म के प्रचार के लिए अशोक ने..........................नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

उत्तर – धम्म महामात्त।

6. सरदारों का विवरण किस से प्राप्त होता है।

उत्तर प्राचीन तमिल संगम ग्रंथों की कविताओं से

7.राजा और सरदार राजस्व जुटाते थे

उत्तर लंबी दूरी के व्यापार द्वारा।

8. सिलप्पादिकारम..................... है।

उत्तर तमिल महाकाव्य।

9. कुषाण शासकों की विशालकाय मूर्तियां..........................लगाई गई थी।

उत्तर उत्तर–प्रदेश में मथुरा के पास माट में

10. कुषाण शासको को प्रेरित करने वाले चीनी शासक स्वयं को...............कहते थे।

उत्तर स्वर्ग–पुत्र

11. गुप्त शासकों का इतिहास किन की सहायता से लिखा गया है।

उत्तर साहित्य सिक्कों और अभिलेखों तथा कवियों द्वारा अपने राजा या स्वामी की प्रशंसा में लिखी गई प्रशस्तियों की सहायता से।

12. इलाहाबाद स्तंभ लेख ....के नाम से प्रसिद्ध है।

उत्तर – प्रयाग प्रशस्ति।

13. हरिषेण कौन था।

उत्तर समुद्रगुप्त का राजकवि जिसने प्रयाग प्रशस्ति की रचना संस्कृत भाषा में की।

14. सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण किसने करवाया।

उत्तर शक शासक रुद्रदामन ने।

15. जातक कथाएं कब व किस भाषा में लिखी गई थी

उत्तर जातक कथाएं पहली सहस्त्राब्दी ईसवी के मध्य में पाली भाषा में लिखी गई थी।

16. कुटिल राजा की कहानी जिससे प्रजा दुखी रहती थी किस जातक में बताई गई है

उत्तर गंदतिन्दु जातक में।

17. किसान खासतौर पर क्यों त्रस्त रहते थे

उत्तर क्योंकि शासक अपने राजकोष को भरने के लिए बड़े.बड़े करो की मांग करते थे।

18. उपज बढ़ाने का एक तरीका ....प्रचलन था

उत्तर हल का।

19. पाली भाषा में गणपति का प्रयोग किसके लिए किया जाता है।

उत्तर छोटे किसानों और जमीदारों के लिए।

20. आरंभिक तमिल संगम साहित्य में गांव के किन वर्गों का उल्लेख है

उत्तर वेल्लालर या बड़े जमीदारय हलवाहा या उल्वर और दास अणिमई जैसे वर्गों का।

21. मनुस्मृति क्या है।

उत्तर आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधि ग्रंथ जिसे संस्कृत भाषा में दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व और दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच लिखा गया।

22. जातक कथाओं के अनुसार करो के बचने के लिए जनता क्या उपाय करती थी।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर इससे बचने के लिए एक उपाय जंगल की ओर भाग जाना होता था

23. भूमि दान क्या थे

उत्तर वे साधारण तौर पर धार्मिक संस्थाओं या ब्राह्मणों को दिए गए दान थे

24. प्रभावती गुप्ता कौन थी।

उत्तर आरंभिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण शासक चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री ।

25. हर्षचरित क्या है

उत्तर संस्कृत में लिखी कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी

26. हर्षचरित के लेखक कौन थे

उत्तर हर्षवर्धन के राज्य कवि बाणभट्ट।

27. किन लोगों पर अधिकारियों सामंतों का नियंत्रण नहीं था

उत्तर पशुपालक संग्राहक शिकारी मछुआरे शिल्पकार घुमक्कड़ तथा एक ही स्थान पर रहने वाले और जगह.जगह घूम कर खेती करने वाले लोग लोगों पर।

28. उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र किसे कहा गया है

उत्तर उत्कृष्ट श्रेणी के मिट्टी के कटोरे और थालियां जिन पर चमकदार कलाई चढ़ी है

29. श्रेणी क्या थी

उत्तर उत्पादकों और व्यापारियों के संघ

30. मसत्थुवन सत्थवाह और सेट्टी कौन थे।

उत्तर बड़े, सफल और धनी व्यापारी।

31. सबसे पहले कौन से सिक्के प्रयोग में लाए गए

उत्तर चांदी और तांबे के आहत सिक्के

32. पंजाब और हरियाणा जैसे क्षेत्रों में ....ने भी अपने सिक्के जारी किए थे

उत्तर यौधेय कबायली गणराज्यों।

33. प्राचीनतम अभिलेख वस्तुतः ....मे थे

उत्तर प्राकृत।

34. प्रतिवेदक कौन थे इनकी नियुक्ति किसने आरंभ की।

उत्तर सम्राट अशोक द्वारा नियुक्त लोगों के समाचार राजा तक पहुंचाने वाले संवादाता

35. अशोक के धर्म के सिद्धांत .... थे

उत्तर सरल और सार्वभौमिक।

36. प्रभावती गुप्त का दंगुन गांव अभिलेख कब और किसके द्वारा उत्कीर्ण किया गया।

उत्तर शासन के 13 वें वर्ष चक्रदास द्वारा

37. प्रभावती गुप्त द्वारा दंगुन गांव का दान किसे किया गया।

उत्तर आचार्य चनालस्वामी को।

38. कुटुंबिन कौन होते थे।

उत्तर गांव के गृहस्थ और कृषक।

39. दंगुन गांव में कौन.कौन सी वस्तुएं पैदा की जाती थी अथवा ग्रामीणों द्वारा राज्य/राजा को कौन–कौन सी वस्तुएं एवं कर दिए जाते थे। अथवा/प्रभावती गुप्त द्वारा दंगुन।

40. गांव के किन अधिकारों का त्याग किया गया।

उत्तर शासकीय अधिकारियों को घास आसन हेतु जानवरों की खाल कोयला खनिज पदार्थ, खदीर वृक्ष के उत्पाद फूल और दूध साथ ही संपत्ति व अन्य छोटे–बड़े कर।

मिशन–100

41. मौर्यकालीन सैनिक और प्रशासनिक संगठन के बारे में विस्तृत विवरण मिलते हैं
उत्तर अर्थशास्त्र में (चाणक्य/कौटिल्य द्वारा लिखित)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. मगध के शक्तिशाली राज्य के रूप में उदय के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः– छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व में आधुनिक बिहार स्थित मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद बना क्योंकि मगध क्षेत्र में उर्वरता के कारण उपज अच्छी होती थी। लोहे की खदानों (आधुनिक झारखंड) के भी समीप होने से उपकरण और हथियार बनाना सुलभ हो गया था। यहां आस–पास के जंगली क्षेत्रों में हाथी उपलब्ध थे जो सेना के एक महत्वपूर्ण अंग थे। गंगा और इसकी उप नदियों से आवागमन सस्ता एवं सुलभ था साथ ही जैन और बौद्ध लेखकों के अनुसार मगध की महता का प्रमुख कारण विभिन्न शासकों की नीतियों को बताया गया है जिनमें बिंबिसार, अजातशत्रु और महापदम नंद जैसे प्रसिद्ध एवं अति महत्वकांक्षी शासक तथा उनकी नीतियों को लागू करने वाले उनके योग्य मंत्री थे। जिनके परिणाम स्वरूप मगध का उदय एक शक्तिशाली महाजनपद के रूप में हुआ।

2. मसहाजनपदों की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए?

उत्तरः– छठी शताब्दि ईस्वी पूर्व से अस्तित्व मे आये अधिकांश महाजनपद राजा द्वारा शासित होते थे लेकिन कुछ महाजनपदों में गण और संघ के नाम से समूह शासन भी होता था। भूमि सहित अनेक आर्थिक स्रोतों पर राजा गण का सामूहिक नियंत्रण होता था प्रत्येक महाजनपद की किले बंद राजधानी होती थी जिसमें सुरक्षा एवं राज्य कार्य हेतु से सेना व व्यवस्थित नौकरशाही होती थी। उस काल से रचित धर्मशास्त्रों के अनुसार राजा क्षत्रिय वर्ण से ही होना चाहिए था तथा अन्य सभी के लिए नियम निर्धारित थे। आर्थिक स्रोत के रूप में राजा द्वारा किसानों व्यापारियों और शिल्प कारों से कर वसूलते थे तथा पड़ोसी राज्यों पर आक्रमण भी संपत्ति जुटाने का एक वैद्य उपाय माना जाता था। कुछ महाजनपदों में स्थाई सेनाएं थी जबकि कुछ राज्य अभी कृषक वर्ग से वाली सहायक सेना पर निर्भर थे।

3. अभिलेख किसे कहते हैं? तथा उनका का ऐतिहासिक महत्व बताइए।

उत्तरः– वे प्राचीन लेख जो पत्थर धातु या मिट्टी जैसी कठोर सतह पर खुदे होते हैं या लिखे होते हैं अभिलेख कहलाते हैं। अभिलेख इतिहास जानने के प्रमुख स्रोत होते हैं। इन के माध्यम से शासक अपनी उपलब्धियों तथा राजाज्ञाओं को प्रजा तक पहुंचाते थे एवं शासक अपनी सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों को अभिलेखों के माध्यम से ही प्रकाशित करवाते थे। अभिलेखों द्वारा हमें तत्कालीन समय की सामाजिक राजनीतिक, धार्मिक एवं आर्थिक क्रियाकलापों के बारे में जानकारी मिलती है उदाहरण स्वरूप सम्राट अशोक के अभिलेख की तात्कालिक इतिहास लेखन में महती भूमिका रही है।

4. अशोक ने अपने साम्राज्य को एकजुट रखने के लिए क्या किया?

उत्तरः–अशोक मौर्य वंश का सबसे प्रतापी शासक था तथा उसने एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की जिसे एकजुट रखने के लिए अशोक ने साम्राज्य में विभिन्न स्थानों पर शिलालेख लगवा कर नागरिकों से संपर्क किया। प्रतिवेदकों के माध्यम से जनता की सूचना एकत्र करने की व्यवस्था की। युद्ध नीति का त्याग कर ध ाम्म नीति का अनुसरण किया।जनता के लिए कल्याणकारी कार्य किए एवं धम्म प्रचार के लिए धम्म महामात्त नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की तथा अपने धम्म के प्रचार के माध्यम से साम्राज्य को अखंड बनाए रखने का प्रयास किया।

अभ्यासिका मिशन–100

5. मौर्य काल में सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए नियुक्त उपसमितियों की भूमिका बताइए।
उत्तरः—मौर्य काल में सैनिक गतिविधियों संचालन हेतु एक समिति व 6 उसमितियों का उल्लेख मेगस्थनीज द्वारा किया गया है। इनमें से एक का काम नौसेना का संचालन करना तो दूसरी यातायात और खानपान का संचालन करती थी, तीसरी का काम पैदल सैनिकों का संचालन, चौथी का अश्वारोहीयों, पांचवीं का रथारोहियों तथा छठी का दायित्व हाथियों का संचालन करना था। दूसरी समिति का दायित्व भिन्न प्रकार का था जिसमें उपकरणों को ढोने के लिए बैल गाड़ियों की व्यवस्था, सैनिकों के लिए भोजन जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करना तथा सैनिकों की देखभाल के लिए सेवकों एवं शिल्पकारों की नियुक्ति करना था।

6. भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन मैं जेम्स प्रिंसेप के शोध कार्यों का योगदान बताइए।
उत्तरः—जेम्स प्रिंसेप एक ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिकारी था एजिसने 1838 में अशोक कालीन ब्राह्मी लिपि का अर्थ निकाला तथा शिलालेख प्राप्त किए जिनमें सम्राट अशोक का वर्णन था एवं बौद्ध ग्रंथों के सर्वाधिक लोकप्रिय शासक अशोक देवाना पियदस्सी के साथ उनका संबंध स्थापित किया। उनके शोध कार्य से भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन को नई दिशा मिली क्योंकि विद्वानों ने प्रमुख राजवंशों की वंशावली की पुनर्रचना के लिए और अन्य भाषाओं के अभिलेखों तथा ग्रंथों के अध्ययन को उपयोग किया ।जिसके परिणाम स्वरूप बीसवीं शताब्दी तक भारत के इतिहास की राजनीतिक रूप रेखा स्पष्ट होकर हमारे सामने आई।

गुग्वाती मिशन–100

7. अशोक की धम्म नीति क्या थी।
उत्तरः—नागरिकों के नैतिक उत्थान हेतु अशोक ने धम्म नीति लागू की । अशोक के धम के सिद्धांत बहुत ही साधारण एवं सार्वभौमिक थे जिसके अनुसार लोगों का जीवन इस संसार में और इसके बाद के संसार में अच्छा रहेगा तथा इसका उद्देश्य लोगों के जीवन को कल्याणकारी बनाना था। जिसमें मुख्य रूप से शामिल थे बड़ों का आदर करना, सन्यासियों तथा ब्राह्मणों के प्रति उदारताए सेवक और दासों के साथ उदार व्यवहार, दूसरे के धर्मों के प्रति सहिष्णुता एवं परंपराओं का आदर एवं धम्म महामात्त की नियुक्ति की। साथ ही कई इतिहासकारों का यह भी मानना है कि अशोक ने अपने धम्म के प्रचार से साम्राज्य को अखंड बनाए रखने का प्रयास किया।

8. छठी शताब्दी ईस्वी में सोने के सिक्कों की कम उपलब्धता क्या संकेत करती है?
उत्तर इतिहासकारों के अनुसार छठी शताब्दी ईस्वी से मे कम सिक्के मिलने का कारण उस काल में पैदा हुआ आर्थिक संकट था। कुछ के अनुसार रोमन साम्राज्य के पतन के बाद दूरवर्ती व्यापार में कमी आई जिससे उन राज्यों, समुदायों और क्षेत्रों की संपन्नता पर असर पड़ा जिन्हें दूरवर्ती व्यापार से लाभ मिलता था। अन्यों के अनुसार इस काल में नए नगरों और व्यापार के नवीन तंत्रों का उदय होने लगा जिनका यह भी मानना है कि यद्यपि इस काल में सोने के सिक्कों का मिलना तो कम हो गया लेकिन अभिलेख और ग्रंथों में सोने के सिक्कों का उल्लेख होता रहा है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि सिक्के इसलिए कम मिलते हैं क्योंकि वे प्रचलन में थे तथा उनका किसी के द्वारा सिक्कों का संग्रह नहीं किया गया था।

9. छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी तक कृषि के क्षेत्रों में आए मुख्य परिवर्तनों पर चर्चा कीजिए?
उत्तरः छठी शताब्दी ई. पूर्व से छठी शताब्दी ई. सन् मे उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लोहे के फल वाले हल का प्रयोग गंगा की घाटी में धान की रोपाई, सिंचाई के लिए कुओं तालाबों, नहरों का निर्माण। पंजाब और

राजस्थान जैसे अर्ध शुष्क जमीन वाले क्षेत्रों में खेती के लिए कुदाल का प्रयोग। उपज बढ़ाने के साधनों पर नियंत्रण के कारण बड़े–बड़े जमीदार और ग्राम प्रधान अधिक शक्तिशाली हो गए तथा किसानों पर अधिक नियंत्रण स्थापित हुआ। शासक वर्ग ने भूमि दान के द्वारा कृषि को नए क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने की अपनाई नीति आदि वे महत्वपूर्ण परिवर्तन थे जो इस काल में दृष्टिगोचर होते हैं।

10. मौर्य वंश के बारे में जानकारी प्राप्त करने के स्रोत बताइए?

उत्तरः– मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्रचना के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है जिनमें पुरातात्विक प्रमाणों में विशेष रूप से मूर्ति कला तथा समकालीन रचनाएं भी मूल्यवान स्रोत है जैसे चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी राजदूत मेगास्थनीज द्वारा लिखा गया वर्णन जिसके कुछ अंश ही आज उपलब्ध है एक अन्य स्रोत जिसका उपयोग किया जाता है वह है अर्थशास्त्र जिसके संभवत कुछ भागों की रचना कौटील्य जिसे चाणक्य भी कहा जाता था जो चंद्रगुप्त का मंत्री था के द्वारा की गई। साथ ही मौर्य शासकों का उल्लेख परवर्ती जैन, बौद्ध और पौराणिक ग्रंथों तथा संस्कृत वाडमय में भी मिलता है। ये सभी साक्ष्य बहुत उपयोगी हैं लेकिन पत्थरों और स्तंभ पर मिले अशोक के अभिलेख सबसे श्रमकक स्रोत माने जाते हैं।

11. आरंभिक इतिहासकारों के लिए मौर्य साम्राज्य क्यों महत्वपूर्ण था।

अथवा

मौर्य साम्राज्य का महत्व बताइए।

अथवा

बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने अशोक को प्रेरणा स्रोत क्यों माना।

उत्तरः– इतिहासकारों ने जब भारत के आरंभिक इतिहास की रचना शुरू की तो मौर्य साम्राज्य को इतिहास का एक प्रमुख काल माना गया। इस समय भारत ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन एक औपनिवेशिक देश था ।उन्नीसवीं और आरंभिक बीसवीं सदी के भारतीय इतिहासकारों को प्राचीन भारत में एक ऐसे साम्राज्य की स्थापना की संभावना बहुत चुनौतीपूर्ण तथा उत्साहवर्धक लगी साथ ही प्रस्तर मूर्तियों सहित मौर्यकालीन सभी पुरातत्व एक अद्भुत कला के प्रमाण थे जो साम्राज्य की पहचान माने जाते थे। अभिलेखों पर लिखें संदेश से इतिहासकारों को अनुभव हुआ की अन्य राजाओं के अपेक्षा अशोक एक बहुत शक्तिशाली और परिश्रमी तथा लोक कल्याणकारी शासक था। साथ ही अन्य राजाओं की अपेक्षा विनीत भी था जो अपने नाम से बड़ी–बड़ी उपाधियां जोड़ते थे। यही कारण है कि बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने भी अशोक को प्रेरणा का स्रोत माना।

12 भूमि दान क्या थे अथवा भूमि दान क्योंकि जाते थे।

उत्तरः– भूमि दान के प्रचलन से राज्य तथा किसानों के बीच संबंध की झांकी मिलती है। भूमि दान के विषय में विद्वानों में अलग.अलग मत हैं। कुछ के अनुसार भूमि दानशासक वर्ग द्वारा कृषि को नए क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने की रणनीति थी जबकि कुछ का कहना है कि वह भूमिदान दुर्बल होते राजनीतिक प्रभुत्व का संकेत मिलता है अर्थात राजा का शासन सामंतों पर दुर्बल होने लगा तो उन्होंने भूमि दान के माध्यम से अपने समर्थक जुटाने प्रारंभ कर दिए उनका यह भी मानना है कि राजा स्वयं को उत्कृष्ट स्तर के मानव के रूप में प्रदर्शित करना चाहते थे उनका नियंत्रण ठीला होता जा रहा था इसलिए वे भूमिदान के माध्यम सेअपनी शक्ति का आडंबर प्रस्तुत करना चाहते थे।

शेखावाटी मिशन–100

13 दंगुन अभिलेख के अनुसार बताइए अग्रहारो को क्या रियायतें दी जाती थी।

अथवा

भूमिदान में क्या रियायतें सुविधाओं दी जाती थी।

उत्तर उस गांव में पुलिस या सैनिकों का प्रवेश नहीं होता था। दौरे पर आने वाले शासक के अधिकारों अधिकारियों को यह गांव घास देने और आसन में प्रयुक्त होने वाले जानवरों की खाल और कोयला देने के दायित्व से मुक्त थे। साथ ही मदिरा खरीदने और नमक हेतु खुदाई करने की राशि अधिकार को कार्यान्वित किए जाने से मुक्त से इन गांवों को खनिज पदार्थ और खदिर वृक्ष के उत्पाद व फल और दूध देने से भी छूट थी तथा इन गांव का दान इसके भीतर की संपत्ति और बड़े छोटे सभी करों सहित किया गया था।

14. छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व के व्यापारिक मार्गों के बारे में बताइए।

उत्तरः– छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व से ही उपमहाद्वीप में नदी मार्गों और वो मार्गों का जाल बिछ गया था और यह कई दिशाओं में फैल गए थे मध्य एशिया और उससे आगे तक व्यापारिक मार्ग थे ।तक्षशिला और उज्जैनी दोनों लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित थी। मथुरा जैसे अनेक व्यवसायिक सांस्कृतिक और राजनीतिक गतिविधियों के जीवंत केंद्र थे। पुहार जैसे समुद्र तट पर बने बंदरगाहों से जलमार्ग अरब सागर से होते हुए उत्तरी अफ्रीका पश्चिम एशिया तक फैल गया था और बंगाल की खाड़ी से यह मार्ग चीन और दक्षिण पूर्व एशिया तक चल गया था शासक प्राय इन मार्गों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करते थे और वह इन मार्गों पर व्यापारियों की सुरक्षा के बदले उनसे धन लेते थे।

15. साक्ष्य के रूप में अभिलेखों की क्या सीमाएं होती हैं स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः– अभिलेखों में अक्षरों को कभी.कभी हल्के ढंग से उत्किर्ण किया जाता है जिन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है साथ ही अभिलेख नष्ट हो जाते हैं जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं इसके अलावा अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान सदैव नहीं हो पाता क्योंकि कुछ अर्थ किसी विशेष स्थान या समय से संबंधित होते हैं यह जरूरी नहीं है कि जिसे हम आज राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण मानते हैं उन्हें अभिलेखों में अंकित किया ही गया हो क्योंकि प्रायः अभिलेख बड़े और विशेष अवसरों का वर्णन करने हैं तथा अभिलेख हमेशा उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते हैं जो उन्हें बनवाते थे। आमजन के विषय में इनसे ज्यादा जानकारियां प्राप्त नहीं होती हैं तथा अभी तक जो अभिलेख प्राप्त हुए हैं वह संभवत कुल अभिलेखों के अंश मात्र ही हैं अंश मात्र ही हैं।

प्रमुख नगर

मगध – आधुनिक बिहार सबसे शक्तिशाली महाजनपद

राजगाह – राजाओं का घर (आधुनिक बिहार के राजगीर का प्राकृत नाम)

मौर्य साम्राज्य के राजनीतिक केंद्र राजधानी पाटलिपुत्र (गंगा के रास्ते पर) – पटना :

स्वर्ण गिरी–सोने का पहाड़ (कर्नाटक) कलिंग–आधुनिक उड़ीसा उज्जयिनी (आधुनिक मध्यप्रदेश)

तक्षशिला–लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित पुहार समुद्र तट पर तमिल कम–तमिलनाडु आंध्र–प्रदेश और केरल के कुछ हिस्से :

माट. मथुरा के पास उत्तर प्रदेश।

–समाप्त

अध्याय–3 बंधुत्व, जाति और वर्ग:– आरंभिक समाज अंकभार (5)

सत्र–2022–23

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:–

1. संस्कृत ग्रंथों में .... शब्द का प्रयोग परिवार के लिए और .... का बांधवों के बड़े समूह के लिए होता है।

उत्तर:– कुल, जाति

2. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने में कितना समय लगा?

उत्तर:–47 वर्ष

3. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने का कार्य कब व किसके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ?

उत्तर:–1919 ई0 में प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी0 एस0 सुकथांकर के नेतृत्व में

4. महाभारत का युद्ध किन दो दलों के मध्य हुआ और क्यों हुआ? या महाभारत की मुख्य कथा किनके मध्य हुए युद्ध का चित्रण करती हैं?

उत्तर:– महाभारत का युद्ध कुरु जनपद के कुरु वंश से संबंधित दो दलों कौरव और पांडवों के बीच भूमि और सत्ता/शासन को लेकर हुआ।

5. कौरव और पांडव किस वंश से संबंधित है?

उत्तर:– कुरु वंश से

6. महाभारत की मूल भाषा कौनसी है?

उत्तर:–संस्कृत

7. इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषयवस्तु को किन दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं:?

उत्तर:–इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषयवस्तु को दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं:–

(1) आख्यान:– इसमें कहानियों का संग्रह है।

(2) उपदेशात्मक:– इसमें सामाजिक आचार–विचार के मापदण्डों का चित्रण हैं।

8. महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश कौनसा हैं?

उत्तर:–महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश भगवतगीता है, जहां कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते है।

9. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा कौनसी है?

उत्तर:–महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रौपदी से पांडवों के विवाह की है।

10. चाण्डालों के कर्तव्य की सूची किस ग्रन्थ से मिलती है?

उत्तर:–मनुस्मृति से

11. चाण्डाल किसे कहते हैं?

उत्तर:–शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को चाण्डाल कहा जाता था।

12. लगभग पांचवी शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस बौद्ध भिक्षु का कहना था कि अस्पृश्यों को सड़क पर चलते हुए करताल बजाकर अपने होने की सूचना देनी पड़ती थी?

उत्तर:–फा–शिएन

13. लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस चीनी तीर्थयात्री ने कहा कि वधिक और सफाई करने वालो को नगर से बाहर रहना पड़ता था?

उत्तर:–श्वैन–त्सांग ने

शेखावाटी मिशन–100

14. बहिर्विवाह पद्धति से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः–अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते है।

15. मनुस्मृति का संकलन कब और किस भाषा में हुआ?

उत्तरः–लगभग 200 ई0पू0 से 200 ईस्वी के बीच संस्कृत भाषा में।

16. 1951–52 में किस पुरातत्ववेत्ता ने मेरठ जिले (उत्तरप्रदेश) के हस्तिनापुर नामक गांव में उत्खनन का कार्य किया?

उत्तरः–बी0बी0 लाल ने

17. किस राजवंश में राजाओं के नाम से पूर्व माताओं (मातृनाम) का नाम लिखा जाता था?

उत्तरः–सातवाहन राजवंश मे राजाओं को उनके मातृनाम से चिन्हित किया जाता था।

18. स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला किस शासक ने बताया और वह किस राजवंश से संबंधित है?

उत्तरः–सातवाहन राजवंश के सबसे प्रसिद्ध शासक गोतमी–पुत सिरि–सातकनि ने कहा।

19. किस सातवाहन शासक ने यह दावा किया कि उसने चार वर्णों के बीच विवाह संबंध होने पर रोक लगाई?

उत्तरः–गोतमी–पुत सिरि–सातकनि ने

20. सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम (माता के नाम से उदभूत) से चिन्हित किया जाता था, तो क्या सातवाहन राजवंश में राज सिंहासन का उत्तराधिकार पितृवंशिक ही होता था।

उत्तरः–नहीं। सातवाहन राजाओं में राज सिंहासन का उत्तराधिकार पितृवंशिक ही होता था।

21. स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए?

उत्तरः–विवाह के समय मिलें उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था, इसे स्त्रीधन की संज्ञा दी जाती थी।

22. लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी मे सुदर्शन झील/सरोवर का जीर्णोद्धार किस शक शासक ने करवाया था?

उत्तरः–रुद्रदमन/रुद्रदामन ने

23. शास्त्रों के अनुसार चार वर्णों में से किस वर्ण का व्यक्ति ही राजा बन सकता था?

उत्तरः–क्षत्रिय वर्ण से ही राजा हो सकते थे।

24. लगभग पांचवी शताब्दी ईस्वी के किस अभिलेख से रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का वर्णन मिलता है?

उत्तरः–मंदसौर (मध्यप्रदेश) अभिलेख से

25. महाभारत का प्रथम पर्व/अध्याय कौनसा हैं?

उत्तरः–महाभारत का प्रथम अध्याय आदिपर्वन् है।

26. पुरुषसूक्त कहां से लिया गया है?

उत्तरः–पुरुषसूक्त ऋग्वेद के दसवें मण्डल से लिया गया हैं।

27. लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी में सुदर्शन सरोवर का जीर्णोद्धार किस शासक ने करवाया?

उत्तरः–शक शासक रुद्रदामन ने।

28. दशपुर के नाम किसे जाना जाता था?

उत्तरः–मंदसौर को

शेखावाटी मिशन–100

29. मंदसौर अभिलेख के अनुसार मंदसौर (मध्यप्रदेश) आयी रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः कहां की निवासी थी?

उत्तरः–रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः लाट (गुजरात) प्रदेश के निवासी थे और वहां से मंदसौर चले गए थे। मंदसौर को उस समय दशपुर के नाम से जाना जाता था।

30. ब्राह्मण ऋग्वेद के पुरुषसुक्त को वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताने के लिए बहुधा/प्रायः क्यों प्रयोग करते थे?

उत्तरः–अपनी मान्यता को प्रमाणित करने के लिए ब्राह्मण बहुधा ऋग्वेद के पुरूषसुक्त को इसलिए उध्दृत करते थे क्योंकि यह सुक्त उनकी श्रेष्ठता को प्रमाणित करता था। सूक्त के अनुसार ब्राह्मणों की उत्पति ब्राह्मा के मुख से हुई इसलिए वह अन्य तीनों वर्णों से श्रेष्ठ है।

31. ब्राह्मणों द्वारा स्थापित दैवीय व्यवस्था में वर्ण कौन–कौन से थे–

उत्तरः– चार वर्ण थेः– (1) ब्राह्मण (2) क्षत्रिय (3) वैश्य (4) शूद्र

32. कुरुओं की राजधानी का नाम बताइए?

उत्तरः–हस्तिनापुर

33. पांडवों की पत्नी द्रौपदी किसकी पुत्री थी?

उत्तरः–पांचाल नरेश द्रुपद की।

34. ''कुंती ओ निषादी'' लघुकथा के लेखक कौन हैं–

उत्तरः–बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी।

35. कौरव किसके पुत्र थे?

उत्तरः–कौरव धृतराष्ट्र एवं गांधारी के पुत्र थे।

36. पांडव किसके पुत्र थे?

उत्तरः–पांडव पांडु एवं कुंती, माद्री के पुत्र थे।

37. चारों वर्णों की उत्पति का उल्लेख किस वैदिक ग्रंथ से मिलता है?

उत्तरः–सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद से (ऋग्वेद के 10 वें मंडल के पुरुषसुक्त में चार वर्णों की उत्पति का उल्लेख है)

38. आरम्भिक संस्कृत परम्परा में महाभारत को किस श्रेणी में रखा जाता है?

उत्तरः–आरम्भिक संस्कृत परम्परा में महाभारत को इतिहास की श्रेणी में रखा जाता है?

39. सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम किन गोत्रों से उदभूत थे?

उत्तरः–सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि उनके नाम गौतम और वशिष्ठ गोत्रों से उदभूत थे जो उनके पिता के गोत्र थे।

40. विशाल महाकाव्य महाभारत में वर्तमान में कितने श्लोक है?

उत्तरः–एक लाख श्लोक से अधिक

41. कुरु जनपद के दो दलों कौरव और पांडवों के बीच महाभारत का युद्ध क्यों हुआ?

उत्तरः–भूमि और सत्ता को लेकर

42. कौरवों में ज्येष्ठ/गांधारी का ज्येष्ठ पुत्र कौन था?

उत्तरः–दुर्योधन

शेखावाटी मिशन–100

43. गोत्र प्रणाली कब प्रचलन में आयी?

उत्तरः–1000 ई0 पू0 के बाद।

44. किस सातवाहन शासक ने शक शासक रुद्रदमन/रुद्रदामन के परिवार से विवाह संबंध स्थापित किए।

उत्तरः–सातवाहन शासक गोतमी–पुत सिरी–सातकनि ने

45. मज्झिमनिकाय किस भाषा में रचित है और किस धर्म से संबंधित हैं?

उत्तरः–पालि भाषा में रचित है, बौद्ध धर्म से संबंधित है।

46. किस बौद्ध ग्रंथ से राजा अवन्तिपुत्र और बुद्ध के अनुयायी कच्चन के बीच हुए संवाद का उल्लेख मिलता हैं?

उत्तरः–बौद्ध ग्रंथ मज्झिमनिकाय में

लघूत्तरात्मक प्रश्न........................

1. बहिर्विवाह पद्धति, अंतर्विवाह पद्धति से किस प्रकार भिन्न है? या बहिर्विवाह पद्धति और अंतर्विवाह पद्धति में अंतर स्पष्ट कीजिए?

उत्तरः–अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं, जबकि अंतर्विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने ही गोत्र, कुल में स्थापित होते हैं।

2. बहिर्विवाह पद्धति की कोई दो विशेषताएं बताइयें?

उत्तरः– **(i)** इस विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने गोत्र से बाहर स्थापित किए जाते हैं।

(ii) इस विवाह पद्धति में कन्यादान अर्थात विवाह में कन्या की भेंट को पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना गया।

3. मनुस्मृति में उल्लेखित पहली और चौथी विवाह पद्धति को समझाइये?

उत्तरः–पहली विवाह पद्धति– ब्रह्य विवाहः– इसमें पिता वर को घर बुलाकर अपनी कन्या को सौंप देता था।

दूसरी विवाह पद्धति– प्रजापत्य विवाहः– इस विवाह के अन्तर्गत कन्या का पिता वर को कन्या प्रदान करते हुए यह आदेश देता था कि दोनों साथ–साथ मिलकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें।

4. मनुस्मृति में उल्लेखित पाँचवी और छठीं विवाह पद्धति को समझाइये?

उत्तरः–पाँचवी विवाह पद्धति– असुर विवाहः– यह विक्रय विवाह था। इसमें कन्या का पिता वर से कन्या का मूल्य लेकर बेच देता था।

–छठीं विवाह पद्धति– गंधर्व विवाहः यह प्रेम विवाह था। इसमें स्त्री और पुरूष के बीच अपनी इच्छा से संयोग होता था।

शेखावाटी मिशन–100

5. धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं। इनमें से कौन–से विवाह उत्तम तथा कौनसे विवाह निन्दित माने गए हैं?

उत्तरः–धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं।

–विवाह के आठ प्रकारों में से प्रथम चार– ब्रह्म विवाह, दैव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह–उत्तम मानें जाते थे।

अंतिम चार– असुर विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, पैशाच विवाह–को निन्दित माना गया।

6. गोत्र व्यवस्था को समझाइये?

उत्तरः–1000 ई0पू0 के लगभग गोत्र प्रणाली प्रचलन में आयी।

इसमें लोगों को वैदिक ऋषियों के नाम पर अलग–अलग गोत्रों में बांटा गया।

गोत्र प्रणाली/गोत्रों के दो नियम महत्वपूर्ण थे–

(1) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जाता था।

(2) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे (यानि बहिर्विवाह पद्धति)

7. क्या अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे? इस प्रणाली में क्या विभिन्नताएं थी

उत्तरः–हाँ, अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली (लगभग छठी शताब्दी ई0पू0 से) का अनुसरण करते थे

–पितृवंशिकता प्रणाली में विभिन्नताऐंः– हालांकि इस प्रथा में विभिन्नता थी कभी पुत्र के न होने पर एक भाई दूसरे का उतराधिकारी हो जाता था तो कभी बंधु–बांधव सिंहासन पर अपना अधिकार जमाते थे। कुछ विशेष परिस्थितियों में स्त्रियों जैसे प्रभावती गुप्त सत्ता का उपयोग करती थी।

8. गोत्र प्रणाली के दो नियमों का उल्लेख कीजिए–

उत्तरः–(1) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र माना जाता था।

(2) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे (यानि बहिर्विवाह पद्धति)

9. क्या विवाह के समय गोत्र नियमों का पालन अनिवार्यतः होता था?

उत्तरः–नहीं।

उदाहरणः– सातवाहन राजाओं ने गोत्र प्रणाली के नियमों का पालन नहीं किया।

सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम से जाना जाता था।

सातवाहन राजाओं की रानियों ने विवाह के बाद भी अपने पिता के गोत्र को कायम रखते हुए अपने पति कुल के गोत्र को ग्रहण नहीं किया।

सातवाहन राजाओं की कुछ रानियां एक ही गोत्र से थी, यानि उनका अंतर्विवाह हुआ था।

10. महाभारत काल में वर्ण व्यवस्था के नियमों का पालन करवाने के लिए ब्राह्मणों ने कौनसी नीतियां/रणनीतियां अपनाई?

उत्तरः–(1) वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताया।

(2) शासकों को अपने राज्य में वर्ण व्यवस्था के नियमों को लागू करवाने हेतु कहते।

(3) लोगों को उन्होंने विश्वास दिलाया कि उनकी प्रतिष्ठा जन्म पर आधारित है।

शेखावाटी मिशन–100

11. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में चारों वर्णों के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः–**(i)** ब्राह्मण–अध्ययन करना, वेदों की शिक्षा, यज्ञ करना व करवाना, दान–दक्षिणा लेना

(ii) क्षत्रिय–युद्ध करना, लोगों को सुरक्षा प्रदान करना, न्याय करना, वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान–दक्षिणा देना

(iii) वैश्य–वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान–दक्षिणा देना, कृषि, गौ–पालन, व्यापार करना।

(iv) शुद्र–तीनों उच्च वर्णों की सेवा करना।

12. क्या आरंभिक राज्यों में शासक निश्चित रूप से क्षत्रिय ही होते थे? या क्या आरंभिक राज्यों में राजत्व क्षत्रिय कुल में जन्म लेने पर ही निर्भर करता था?

उत्तरः–नहीं।

शास्त्रों के अनुसार केवल क्षत्रिय राजा हो सकते थे। किन्तु अनेक महत्वपूर्ण राजवंशों की उत्पति अन्य वर्णों से भी हुई थी।

जैसे– मौर्य शासकों को ब्राह्मणीय शास्त्र निम्न कुल का मानते है।

शुंग और कण्व शासक ब्राह्मण थे।

मध्य एशिया से आये शक शासकों को ब्राह्मण मलेच्छ, बर्बर मानते थे।

इन उदाहरणों को देखकर लगता है कि राजनीतिक सत्ता का उपयोग हर वह व्यक्ति कर सकता था जो समर्थन और संसाधन जुटा सके।

13. वर्ण और जाति में कोई दो अंतर बताइए?

उत्तरः–

वर्ण	जाति व्यवस्था
(i) वर्णों की संख्या चार है।	**(i)** वर्ण मात्र चार थे, परंतु जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं थी।
(ii) वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था माना गया।	**(ii)** जाति जन्म पर आधारित व्यवस्था थी।

14. मनुस्मृति में चाण्डालों के कौन–कौन से कर्तव्य बताये गए हैं?

उत्तरः–**(i)** उन्हें गांव के बाहर रहना पड़ता था।

(ii) रात्रि में गांव और नगरों में चल–फिर नहीं सकते थे।

(iii) वे फेंके हुए बर्तनों का इस्तेमाल करते थे।

(iv) मरे हुए लोगों के वस्त्र पहनते थे।

(v) लोहे के आभूषण पहनते थे।

(vi) वधिक (जल्लाद) के रूप में कार्य करते थे।

15. चाण्डालों को वर्ण व्यवस्था वाले समाज में सबसे निम्न कोटि/निचली श्रेणी में क्यों रखा जाता था?

उत्तरः–चाण्डालों को शवों की अंत्येष्टि करने तथा मृत पशुओं को छूने के कारण दूषित माना जाता था तथा उनके स्पर्श को भी अपवित्र माना जाता था। इस कारण उन्हे समाज की सबसे निचली श्रेणी में रखा जाता था।

शेखावाटी मिशन–100

16. मनुस्मृति में पुरूषों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीको का वर्णन है? उल्लेख कीजिए।
उत्तरः–मनुस्मृति के अनुसार पुरूष सात तरीके से धन अर्जित कर सकता है– विरासत, खोज, खरीद, विजित करके, निवेश, कार्य द्वारा, सज्जनों द्वारा दी भेंट आदि

17. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं? उल्लेख कीजिए।
उत्तरः–मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियां छः तरीकों से धन अर्जित कर सकती हैं-**i.** वैवाहिक अग्नि के सामने मिली भेंट, **ii.** वधूगमन के समय मिली भेंट, **iii** स्नेह के प्रतीक के रूप में प्राप्त उपहार **iv.** भ्राता, माता–पिता द्वारा दिया गया उपहार **v.** परवर्ती काल में मिली भेंट **vi.** अनुरागी पति से प्राप्त

18. नए नगरों के उद्भव से सामाजिक जीवन अधिक जटिल हुआ, इस सामाजिक जीवन की जटिलता का किस प्रकार समाधान किया गया?
उत्तरः–नए नगरों के उद्भव से सामाजिक जीवन अधिक जटिल हुआ। नगरों में व्यापार–वाणिज्य व अन्य कारणों से लोगों का मेल–मिलाप हुआ, जिससे नये विचारों का आदान–प्रदान हुआ। संभवतः इस वजह से आरंभिक विश्वासों और व्यवहारों पर प्रश्नचिन्ह लगाए गए। इस चुनौती के जवाब में ब्राह्मणों ने समाज के लिए विस्तृत आचार संहिताएं तैयार कीं। ब्राह्मणों को इन आचार संहिताओं का भाषा पालन करना होता था किन्तु बाकी समाज को भी इसका अनुसरण करना होता था। लगभग 500 ई0पू0 से इन मापदंडों का संकलन धर्मसूत्र व धर्मशास्त्र नामक संस्कृत ग्रंथों में किया गया।

19. इतिहासकार किसी ग्रंथ का/साहित्यिक स्रोत का विश्लेषण करते समय अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं। उन पहलुओं का उल्लेख कीजिए?
उत्तरः–**(i)** ग्रंथ की भाषा– इतिहासकार इस बात का परीक्षण करते हैं कि ग्रंथ किस भाषा में लिखा गया है। क्या ग्रंथ आम लोगों की भाषा पालि, प्राकृत, तमिल में रचित है या पुरोहित व उच्च वर्ग द्वारा प्रयोग में लायी जाने वाली संस्कृत भाषा में।

(ii) ग्रंथ की विषयवस्तु–क्या ग्रंथ अनुष्ठान के समय प्रयोग आने वाले मंत्रों का संग्रह है या कथा ग्रंथ है।

(iii) लेखक की जानकारी–इतिहासकार लेखक के बारे में भी जानने का प्रयास करते हैं, जिनके दृष्टिकोण और विचारों ने ग्रंथों को रुप दिया।

(iv) ग्रंथ का रचनाकाल–इतिहासकार ग्रंथ के संभावित संकलन और उसकी रचना भूमि का भी विश्लेषण करते हैं।

20. महाभारत कालीन स्त्रीयों की विभिन्न समस्याएं थीं, उनका उल्लेख कीजिए?

उत्तरः–**(i)** स्त्री को भोग की वस्तु समझा जाता था।

(ii) स्त्रियां पैतृक सम्पति में हिस्सेदारी की मांग नहीं कर सकती थी।

(iii) स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से निम्न थी।

शेखावाटी मिशन–100

(iv) पत्नी को पति की संपति के रूप में माना जाता था।

(v) स्त्रियों को सीमित अधिकार ही प्राप्त थे।

21. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रौपदी के बहुपति विवाह के संबंध में इतिहासकारों के विभिन्न मत हैं। किन्ही दो मतों का उल्लेख कीजिए?

उत्तरः–**(i)** विशिष्ट शासक वर्ग में बहुपति प्रथा का प्रचलित होना।

(ii) हिमालय क्षेत्र में आज भी बहुपति प्रथा का प्रचलन होना।

(iii) युद्ध के समय स्त्रियों की कमी के कारण बहुपति प्रथा को अपनाया गया हो।

22. पितृवंशिकता एवं मातृवंशिकता में अंतर बताईए?
उत्तरः– वह वंश परम्परा जो पिता के बाद पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है, उसे पितृवंशिकता कहते है।

मातृवंशिकता का अर्थ है वह वंश परम्परा, जो माँ से जुड़ी होती हैं।

23. 600 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी तक के मध्य आर्थिक और राजनीतिक जीवन में हुए अनेक परिवर्तनों ने समकालीन समाज पर क्या प्रभाव छोड़ा?

उत्तरः–**(i)** वन क्षेत्रों में कृषि का विस्तार हुआ जिससे वहां रहने वाले लोगों की जीवनशैली में परिवर्तन हुआ।

(ii) शिल्प विशेषज्ञों के एक विशिष्ट समाजिक समूह का उदय हुआ।

(iii) संपत्ति के असमान वितरण ने सामाजिक विषमताओं को अधिक प्रखर बनाया।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–4 (सांस्कृतिक विकास–विचारक, विश्वास और इमारतें) (अंकभार–6)

1. बौद्ध एवं जैन धर्म में समानता बताइए ? (कोई दो)

(1) दोनों ही धर्म कर्मवाद एवं पुनर्जन्मवाद में विश्वास करते हैं।

(2) दोनों ही धर्म यज्ञों, बहुदेववाद और कर्मकाण्डों का विरोध करते हैं।

(3) दोनों ही धर्म निवृतिमार्गी हैं और संसार त्याग पर बल देते हैं।

2. जैन एवं बौद्ध धर्म में क्या असमानताएँ हैं ?

जैन धर्म	**बौद्ध धर्म**
(1) यह आत्मवादी हैं।	(1) यह अनात्मवादी हैं।
(2) जैन धर्म के साहित्य को आगम कहते हैं।	(2) इसके साहित्य को त्रिपिटक कहते हैं।
(3) यह धर्म अहिंसावादी हैं।	(3) यह धर्म मध्यमार्गी हैं।

3. त्रिपिटक पर टिप्पणी लिखिए ?

बौद्धो के धार्मिक सिद्धान्त तीन ग्रन्थों में संकलित हैं जिन्हें त्रिपिटक कहा गया हैं।

(1) विनय पिटक–बौद्ध भिक्षु व भिक्षुणियों के आचरण सम्बन्धी नियम।

(2) सुत्त पिटक–महात्मा बुद्ध की शिक्षाएँ।

(3) अभिधम्मपिटक–बौद्ध दर्शन से जुड़े विषय।

4. हीनयान एवं महायान में अन्तर बताइए ?

हीनयान	**महायान**
(1) यह प्राचीन, रूढ़िवादी तथा मूल मत हैं।	(1) यह बौद्ध मत का संशोधित व सरल रूप हैं।
(2) यह बुद्ध की स्तुति प्रतीकों के माध्यम से करता हैं।	(2)जबकि यह मूर्तिपूजा में विश्वास करता हैं।
(3) यह ज्ञान को महत्व देता हैं।	(3) यह करूणा को महत्व देता हैं।

5. जैन धर्म के पाँच व्रतों का उल्लेख कीजिए।

(1) हत्या न करना

(2) चोरी नहीं करना

(3) झूठ न बोलना

(4) ब्रह्मचर्य

(5) धन संग्रह न करना

6. थेरीगाथा पर टिप्पणी लिखिए ?

यह बौद्ध ग्रंथ सुत्तपिटक का हिस्सा हैं। इसमें भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदो का संकलन किया गया हैं। इसमें महिलाओं के सामाजिक और आध यात्मिक अनुभवों के बारे में अंतदृष्टि मिलती हैं।

7. बौद्ध धर्म के शीघ्र प्रसार के दो कारण बताइए ?

(1) लोग समकालीन धार्मिक प्रथाओं से असन्तुष्ट थे।

(2) बौद्ध धर्म सामाजिक समानता पर बल देता था।

8. बुद्ध के जीवन से जुड़े चार स्थानों का उल्लेख कीजिए ?

(1) लुम्बिनी (बुद्ध का जन्म स्थान)

(2) बौधगया (ज्ञान प्राप्त होना)

(3) सारनाथ (प्रथम उपदेश)

(4) कुशीनगर (निर्वाण प्राप्त करना)

शेखावाटी मिशन 100

9. स्तूप की संरचना के प्रमुख भागों का उल्लेख कीजिए ?

(1) अंड (मिट्टी का टीला)
(2) हर्मिका (छज्जे जैसा ढाँचा)
(3) यष्टि (हर्मिका से निकला मस्तूल)
(4) वेदिका (टीले के चारों ओर बनी वेदिका)

10. कैलाशनाथ मंदिर स्थापत्य पर टिप्पणी लिखिए ?

Ans. आठवीं शताब्दी में निर्मित शिव मंदिर हैं जो एलोरा महाराष्ट्र में स्थित हैं। यह मंदिर एक चट्टान को काटकर निर्मित किया गया हैं।

11. उपनिषद् क्या थे ? इनसे हमें क्या पता चलता है ?

Ans. उपनिषद् जीवन, मृत्यु एवं परब्रह्म से सम्बन्धित विचारों वाले ग्रंथ थे। इनसे हमें पता चलता हैं कि लोग जीवन का अर्थ, मृत्यु के पश्चात् जीवन की सम्भावना एवं पुनर्जन्म के बारे में जानने को उत्सुक थे।

12. सिद्धार्थ ने सन्यास का रास्ता अपनाने का निश्चय क्यों किया ? कारण बताइए।

Ans. वृद्ध, बीमार एवं मृतक व्यक्ति को देखकर सिद्धार्थ (बुद्ध) जान गए थे कि समस्त विश्व दुःखों का घर हैं। इसके पश्चात् उन्होंने एक सन्यासी को देखा जो चिन्ताओं से मुक्त व शान्त था। इसलिए सिद्धार्थ ने सन्यास का मार्ग अपनाने का फैसला किया।

13. बौद्ध संघ की संचालन पद्धति को बताइए।

Ans. बौद्ध संघ की संचालन पद्धति गणों एवं संघों की परम्परा पर आधारित थी जिसके तहत लोग किसी निर्णय पर बातचीत के माध्यम से एकमत होने का प्रयास करते थे। यदि ऐसा होना सम्भव नहीं हो पाता था तो मतदान द्वारा निर्णय किया जाता था।

14. भिक्षु, भिक्षुणियों के लिए क्या नियम बने हुए थे? कोई दो का उल्लेख कीजिए।

(1) जब कोई भिक्षु/भिक्षुणी नया कम्बल या गलीचा बनाएगा तो उसे इसका प्रयोग कम से कम छह वर्षों तक करना होगा।

(2) यदि कोई भिक्षु किसी गृहस्थ के घर जाता हैं और उसे वहाँ पका भोजन दिया जाता हैं तो वह केवल तीन कटोरा भोजन ही स्वीकार करेगा।

(3) यदि कोई भिक्षु किसी विहार में ठहरा हुआ है तो विहार छोड़ने से पहले अपने बिस्तर को समेटना/समेटवाना होगा।

15. बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य पर टिप्पणी लिखिए?

(1) दुःख–यह संसार दुःखमय हैं। संसार में सर्वत्र दुःख ही दुःख हैं।

(2) दुःख समुदय–दुःखों और कष्टों का कारण तृष्णा हैं।

(3) दुःख निरोध–तृष्णा नष्ट कर देने से दुःखों से मुक्ति प्राप्त हो सकती हैं।

(4) दुःख निरोध का मार्ग– तृष्णा के विनाश के लिए अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।

16. प्रारम्भिक मंदिर निर्माण शैली के मूल तत्वों का उल्लेख कीजिए?

(1) गर्भगृह
(2) शिखर
(3) भित्तिचित्र उत्कीर्णन
(4) विशाल सभास्थल
(5) ऊँची दीवारें व तोरण द्वार
(6) जलापूर्ति व्यवस्था
(7) पहाड़ियों को काटकर गुफामंदिर बनाए जाना।

17. अजन्ता चित्रकारी की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

Ans. (1) अजन्ता (महाराष्ट्र) की चित्रकारी में गुफाओं की दीवारों पर चित्र मिले हैं जिनमें जातकों की कथाएँ चित्रित हैं।

(2) इनमें राजदरबार का जीवन, शोभायात्रएँ, काम करते हुए स्त्री पुरूष और त्योहार मनाने के चित्र दिखाए गए हैं।

शेखावाटी मिशन 100

18. बुद्ध के संदेश भारत के बाहर किन–किन देशों में फैले ? नाम दीजिए।

Ans. चीन, कोरिया, जापान, श्रीलंका, थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया व म्यांमार में।

19. ''वैष्णवाद में अनेक अवतारो के इर्द–गिर्द पूजा पद्धतियाँ विकसित हुई।'' व्याख्या कीजिए।

Ans. वैष्णवाद में कई अवतारों को मूर्तियों के रूप में दिखाया गया हैं। अन्य देवताओं की मूर्तियों का भी निर्माण हुआ। शिव को उनके प्रतीक लिंग के रूप में बनाया जाता था परन्तु उन्हें कई बार मनुष्य के रूप में भी दिखाया गया है। ये समस्त चित्रण देवताओं से जुड़ी हुई मिश्रित अवधारणाओं पर आधारित थे उनकी खुबियों या प्रतीकों को उनके शिरोवस्त्र, आभूषण, आयुधों तथा बैठने की शैली से दर्शाया जाता था।

20. जैन धर्म के अहिंसावादी स्वरूप के विषय में आप क्या जानते हैं? स्पष्ट कीजिए।

Ans. हॉपकिन्स नाम विद्वान ने जैन धर्म के अहिंसावादी स्वरूप की व्याख्या करते हुए बताया कि जैन धर्म कीट–पतंगो का पोषण भी करता हैं अर्थात् जैन धर्म में अहिंसा पर अत्यधिक बल दिया गया हैं। विश्व के अस्तित्व के लिए प्रत्येक अणु महत्वपूर्ण हैं इसके लिए जैन दार्शनिकों ने मत दिए कि व्यक्ति को मन, कर्म तथा वचन से पूर्णतया अहिंसावादी होना चाहिए।

21. उन्नीसवीं शताब्दी के यूरोपीय विद्वान यूनानी शैली से प्रभावित भारतीय मूर्तियों से क्यों प्रभावित हुए।

Ans. उन्नीसवीं शताब्दी के यूरोपीय विद्वानों ने मूर्तियों की तुलना प्राचीन यूनान की कला परम्परा से की। वे बुद्ध और बोधिसत्तों की मूर्तियों की खोज से काफी उत्साहित हुए। इसका कारण यह था कि ये मूर्तियाँ यूनानी मूर्तिकला से प्रभावित थी। ये मूर्तियाँ यूनानी परम्परा से परिचित थे, इसलिए उन्होने इन्हे भारतीय मूर्तिकला का सर्वश्रेष्ठ नमूना माना।

22. साँची के प्रतीक लोक–परम्पराओं से जुड़े हुए थे। स्पष्ट कीजिए।

Ans. साँची की मूर्तियों में प्राप्त उत्कीर्णन में लोक परम्परा से जुड़े हुए बहुत से प्रतीकों का चित्रण किया गया है मूर्तियों को आकर्षक और सुन्दर बनाने के लिए विविध प्रतीकों जैसे हाथी, घोड़ा, बन्दर, गाय, बैल आदि जानवरों का उत्कीर्णन जीवन्त रूप से किया गया हैं। हाथी को शक्ति तथा ज्ञान का प्रतीक माना हैं इसी प्रकार एक स्त्री तोरणद्वार के किनारे एक पेड़ पकड़कर झूल रही हैं। यह शाल भंजिका की मूर्ति हैं लोक परम्परा में शाल भंजिका को शुभ प्रतीक माना जाता हैं।

होशियार मिशान 100

अध्याय- 5
यात्रियों के नजरिए (अंकभार- 05)

प्र-1 चिकित्सक मनूकी कहां का निवासी था ?

उत्तर- इटली का

प्र-2 फ्रांस्वा बर्नियर ने अपनी प्रमुख कृति को किसको समर्पित किया था ?

उत्तर- फ्रांस के शासक सम्राट लुई 14 वें को

प्र-3 अल बिरूनी का जन्म कब और कहां हुआ था ?

उत्तर- 973 ई. में, उज़्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में ।

प्र-4 अल बिरूनी किस शासक के साथ गजनी आया था ?

उत्तर- महमूद गजनवी।

प्र-5 1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् किस शासक ने अल बिरूनी को अपने साथ अपनी राजधानी गजनी ले आया ?

उत्तर- महमूद गजनवी।

प्र-6 जौहरी ज्यौं - बैप्टिस्ट तैवर्नियर कहां का निवासी था, जिसने कम से कम ....भारत की यात्रा की ।

उत्तर- फ्रांस का। छः बार ।

प्र-7 अल बिरूनी द्वारा कौनसी पुस्तक लिखी गई ? उसकी भाषा कौनसी हैं ?

उत्तर- किताब - उल - हिन्द, अरबी भाषा। (अल बिरूनी ने अपने लेखन में अरबी भाषा का ही प्रयोग किया है)

प्र-8 अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब-उल-हिन्द कितने अध्यायों में विभाजित हैं ?

उत्तर- 80 अध्यायों में।

प्र-9 इब्न बतूता का यात्रा वृत्तांत किस नाम से जाना जाता है, उसकी भाषा कौनसी हैं ?

उत्तर- रिहला, अरबी भाषा में।

प्र-10 ....के रास्ते होकर इब्न बतूता सन् 1333 में स्थल मार्ग से .... पहुँचा।

उत्तर- मध्य एशिया, सिंध।

प्र-11 इब्न बतूता किस शासक के समय भारत आया ?

उत्तर- मुहम्मद बिन तुगलक के समय ।

प्र-12 सती प्रथा को विस्तृत वर्णन के लिए किस विदेशी यात्री ने चुना ?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने।

प्र-13 मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा किस विदेशी यात्री को दिल्ली का काजी नियुक्त किया गया था ?

उत्तर- इब्न बतूता को।

प्र-14 इब्न बतूता के निवास स्थान का नाम लिखिए ?

उत्तर- तैंजियर - मोरक्को (उत्तरी अफ्रीका) में।

प्र-15 इब्न बतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए किसे नियुक्त किया गया था ?

उत्तर- इब्न जुजाई।

प्र-16 इब्न बतूता दिल्ली के अलावा किस स्थान पर भी काजी के पद पर रहा ?

उत्तर- मालद्वीप।

प्र-17 सबसे प्रसिद्ध यूरोपीय लेखकों में एक नाम......... का है जिसने ....के व्यापार और समाज का एक विस्तृत विवरण लिखा।

उत्तर- दुआर्ते बरबोसा, दक्षिण भारत

प्र-18 मुहम्मद बिन तुगलक ने 1342 ई. में किस विदेशी यात्री को मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत

के रूप में चीन जाने का आदेश दिया ?

उत्तर- इब्न बतूता को।

प्र-19 बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं/असमानताओं में से दो कौन-सी हैं ?

उत्तर- (i) बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था, जबकि यूरोप में यह मुख्य रूप से विद्यमान था ।

(ii) बर्नियर के अनुसार भारत में केवल दो ही वर्ग थे- अमीर व गरीब और मध्यम वर्ग का अभाव था।

प्र-20 चीन के विषय में किस विदेशी यात्री के वृत्तांत की तुलना मार्कोपोलो के वृत्तांत से की जाती हैं ?

उत्तर- इब्नबतूता के वृत्तांत की ।

प्र-21 यदि आप इब्न बतूता के स्थान पर होते तो अपने विवरण में किन दो भारतीय वानस्पतिक उपजों का वर्णन करना पसंद करते ? या इब्न बतूता कौनसी दो वानस्पतिक उपजों का वर्णन करता हैं ?

उत्तर- नारियल और पान का ।

प्र-22 कौनसा विदेशी यात्री भारत में जो कुछ देखता था उसकी तुलना यूरोप से करता था ?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर।

प्र-23 ताराबबाद क्या हैं ?

उत्तर- इब्न बतूता के विवरण अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते हैं ।

प्र-24 बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया गया ?

उत्तर - शिविर नगर।

प्र-25 कौनसा विदेशी यात्री भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता को देखकर चकित हुआ ?

उत्तर- इब्न बतूता।

प्र-26 इब्न बतूता के अनुसार भारत में कितने प्रकार की डाक व्यवस्था थी ? उनका नाम लिखिए।

उत्तर- दो प्रकार की-

(i) अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था (उलुक)

(ii) पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

प्र-27 जब ....सिंध पहुँचा तो उसने........ के लिए भेंट स्वरूप घोड़े, ऊँट तथा दास खरीदें ।

उत्तर- इब्नबतूता, मुहम्मद बिन तुगलक।

प्र-28 इब्न बतूता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार/दरवाजे थे ? इनमें से सबसे विशाल दरवाजा कौनसा हैं?

उत्तर- 28 द्वार/दरवाजा हैं। सबसे विशाल दरवाजा- बदायूँ दरवाजा।

प्र-29 किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन कारखानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत वर्णन किया हैं ?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने।

प्र-30 दासों के बारे में विस्तृत वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया हैं ?

उत्तर- इब्न बतूता ने।

प्र-31 ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर किसकी रचना हैं ?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर की।

प्र-32 बर्नियर किस देश का निवासी था ?

उत्तर- फ्रांस का।

प्र-33 फ्रांस्वा बर्नियर कौन था ?

उत्तर- फ्रांस का रहने वाला फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा इतिहासकार था ।

शेखावाटी मिशन 100

शुभवाहिनी मिशन 100

प्र–34 किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर कहा।

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने।

प्र–35 कौनसा विदेशी यात्री विशेष रूप से भारत की व्यापारिक स्थितियों से प्रभावित था और उसने भारत की तुलना ईरान और आंटोमन साम्राज्य से की ?

उत्तर- जौहरी ज्यौं- बैप्टिस्ट तैवर्नियर। (फ्रांसीसी यात्री)

प्र–36 फ्रांस्वा बर्नियर किस अवधि तक (कितने समय तक) भारत में रहा ? उस अवधि में भारत में किस राजवंश (किस शासक का शासन था) का शासन था ?

उत्तर- 1656 ई. से 1668 ई. तक (बारह वर्ष तक)। मुगल वंश का शासन था। (मुगल शासक शाहजहां के समय भारत आया था)

प्र–37 किस विदेशी यात्री ने लिखा कि हालाँकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थीं, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता था ?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने

प्र–38 उस इतालवी चिकित्सक का नाम बताइए, जो भारत आने के बाद कभी भी यूरोप वापस नहीं गया और भारत में ही बस गए ?

उत्तर- मनूकी

प्र–39 बर्नियर के अनुसार मुगल काल में भूमि का मालिक कौन था ?

उत्तर- बर्नियर के अनुसार मुगल काल में सम्राट सारी भूमि का स्वामी था।

लघुतरात्मक प्रश्न–

प्र–1 उलुक और दावा क्या हैं अथवा उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए ? अथवा इब्न बतूता भारत में कितने प्रकार की डाक प्रणाली का उल्लेख करता है, संक्षिप्त वर्णन कीजिए ?

उत्तर- इब्न बतूता के विवरण अनुसार भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था थी । अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था को उलुक कहा जाता था, जबकि पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था ।

अश्व डाक व्यवस्था में प्रति चार मील की दूरी पर एक अवस्थान होता था जबकि पैदल डाक व्यवस्था में प्रति एक मील पर तीन अवस्थान होते थे।

प्र–2 इब्न बतूता भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर चकित क्यों हुआ ? उल्लेख कीजिए । अथवा इब्न बतूता के अनुसार भारतीय डाक प्रणाली की दो विशेषताएं लिखिए ?

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहां सिंध से दिल्ली की यात्रा में 50 दिन लगते थे, वहीं गुप्तचरों की खबरें सुल्तान तक इस डाक व्यवस्था के माध्यम से मात्र 5 दिन में पहुंच जाती थी ।

डाक प्रणाली से व्यापारियों के लिए न केवल लंबी दूरी तक सूचना भेजना और उधार प्रेषित करना संभव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी ।

इब्न बतूता के विवरण अनुसार भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था थी । अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था को उलुक कहा जाता था, जबकि पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था ।

अश्व डाक व्यवस्था में प्रति चार मील की दूरी पर एक अवस्थान होता था जबकि पैदल डाक व्यवस्था में प्रति एक मील पर तीन अवस्थान होते थे।

प्र–3 बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों दोनों के लिए हानिकारक/विनाशकारी क्यों माना। तीन कारण या दोष बताईए ? या भूस्वामित्व पर बर्नियर के विचारों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए?

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था ।

बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों, दोनों के लिए हानिकारक माना।

(i) बर्नियर के अनुसार भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे इसलिए वे उत्पादन के स्तर को बनाए रखने

के प्रति उदासीन थे ।

(ii) राजकीय भूस्वामित्व ने बेहतर भूधारकों के वर्ग के उदय को रोका, जो भूमि के रखरखाव व बेहतरी के प्रति सजग रहते ।

(iii) राजकीय भूस्वामित्व के कारण खेत झाड़ीदार तथा घातक दलदल से भरें हुए थे ।

(iv) इसके कारण कृषि का समान रूप से विनाश, किसानों का असीम उत्पीड़न तथा समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में अनवरत पतन की स्थिति उत्पन्न हुई ।

प्र-4 बर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को किन - किन समस्याओं से जूझना पड़ता था ? तीन समस्याओं का उल्लेख कीजिए ।

उत्तर- (i) उपजाऊ कृषि क्षेत्र बहुत ही सीमित थे अधिकांश भूमि बंजर तथा रेतीली थी ।

(ii) कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा भाग श्रमिकों के अभाव में कृषि विहिन रह जाता है ।

(iii) गवर्नर श्रमिकों पर अत्यधिक अत्याचार करते हैं और इस अत्याचार के कारण श्रमिकों की मौत हो जाती थी ।

(iv) गरीब लोग अपने लालची स्वामियों की मांगों को पूरा करने में असमर्थ हो जातें हैं, तो उन्हें जीविका के साधनों के साथ-साथ अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता हैं । उनके बच्चों को दास बना लिया जाता हैं ।

प्र-5 फ्रांस्वा बर्नियर किस प्रकार मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा? या फ्रांस्वा बर्नियर का संक्षिप्त परिचय दीजिए ?

उत्तर- बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था ।

- बर्नियर मुगलकाल में भारत आया वह 1656 ई. से 1668 ई. तक भारत में 12 वर्ष तक रहा।

- बर्नियर मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा, पहले सम्राट शाहजहां के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में और बाद में मुगल दरबार के एक आर्मीनियाई अमीर दानिशमंद खान के साथ एक बुद्धिजीवी तथा वैज्ञानिक के रूप में ।

प्र-6 अल बिरूनी द्वारा वर्णित फारस के चार सामाजिक वर्णों का उल्लेख कीजिए ? या फारस के सामाजिक वर्गों का उल्लेख करने के पीछे अल बिरूनी का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर- (i) घुड़सवार और शासक वर्ग

(ii) खगोलशास्त्री तथा अन्य वैज्ञानिक

(ii) भिक्षु, आनुष्ठानिक पुरोहित तथा चिकित्सक

(iv) कृषक तथा शिल्पकार

अल बिरूनी यह दिखाना चाहता था कि ये सामाजिक वर्ग भारत तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि ये अन्य देशों में भी थे ।

प्र-7 किताब-उल-हिन्द पर टिप्पणी कीजिए ?

उत्तर- अरबी में लिखी गई अल बिरूनी की कृति किताब-उल-हिन्द की भाषा सरल और स्पष्ट है । किताब-उल-हिन्द 80 भागों में विभाजित हैं किताब-उल-हिन्द एक विस्तृत ग्रंथ है, जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया (रसायनशास्त्र में कृत्रिम सोना बनाने की विधि) कानून, सामाजिक जीवन आदि विषयों से संबंधित है ।

प्र-8 इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के कौनसे दो शहरों का दौरा किया, जिनका वर्णन अपने यात्रा वृत्तांत में किया हैं ? अथवा इब्नबतूता ने भारतीय शहरों के सम्बन्ध में जो लिखा है, उस पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार भारतीय शहर उन लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर थे, जिनके पास आवश्यक इच्छा, संसाधन तथा कौशल है । इब्न बतूता के अनुसार शहर घनी आबादी वाले, समृद्ध, सम्पन्न थे।

(i) दिल्ली - इब्न बतूता दिल्ली को एक बड़ा शहर, विशाल आबादी वाला तथा भारत में सबसे बड़ा शहर बताता है।

इसके अनुसार शहर के चारों ओर बनी प्राचीर की चौड़ाई 11 हाथ है।

दिल्ली शहर के 28 द्वार/दरवाजा है और इनमें से बदायूँ दरवाजा सबसे विशाल है ।

(ii) दौलताबाद (महाराष्ट्र) - इब्न बतूता के अनुसार दौलताबाद (महाराष्ट्र में) भी कम नहीं था और आकार में दिल्ली को चुनौती देता था ।

इसके अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते है । यह सबसे विशाल और सुंदर बाजारों में से एक है ।

प्र-9 इब्न बतूता एक हठीला यात्री था। कथन की व्याख्या कीजिए । अथवा इब्न बतूता ने अपने निवास स्थान मोरक्को जाने से पूर्व किन - किन क्षेत्रों की यात्राएं की, बताइए ।

उत्तर- इब्न बतूता एक हठीला यात्री था जिसने उत्तर - पश्चिमी अफ्रीका में अपने निवास स्थान मोरक्को वापस जाने से पूर्व कई वर्ष उतरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, मध्य एशिया के कुछ भाग, भारतीय उपमहाद्वीप तथा चीन की यात्रा की थी इन यात्राओं से ना तो उसे घबराहट हुई और ना ही थकान।

प्र-10 इब्न बतूता के अनुसार दासों में काफी विभेद था। स्पष्ट कीजिए। अथवा इब्न बतूता ने दास-दासियों का वर्णन किस प्रकार किया हैं ?

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार बाजारों में दास किसी भी अन्य वस्तु की तरह खुले आम बेचे जाते थे और नियमित रूप से भेंट स्वरूप दिए जाते थे।

इब्न बतूता के विवरण से प्रतीत होता है कि दासों में काफी विभेद था। सुल्तान की सेवा में कार्यरत कुछ दासियां संगीत गायन में निपुण थीं। सुल्तान अपने अमीरों पर नजर रखने के लिए दासियों को भी नियुक्त करता था। दासों को सामान्यतः घरेलू श्रम के लिए ही इस्तेमाल किया जाता था । दासों की कीमत, विशेष रूप से उन दासियों की जिनकी आवश्यकता घरेलू श्रम के लिए थी, बहुत कम होती थी ।

प्र-11 सती प्रथा के कौनसे तत्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा ? संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर- बर्नियर ने सती प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना। उसने लिखा कि हालांकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता हैं । बर्नियर के अनुसार यह क्रुर प्रथा थी, जिसमें पति की मृत्यु होने पर विधवा स्त्री को जीवित ही अग्नि में भेंट चढ़ा दिया जाता था, इस प्रक्रिया में ब्राह्मण व घर की बड़ी महिलाएं भी भाग लेती थी। सती होने वाली विधवा के हाथ-पैर बाँध दिये जाते थे ताकि वह सती स्थल से भाग न सकें ।

प्र-12 अल बिरूनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? अथवा अल बिरूनी गजनी किस प्रकार पहुंचा ?

उत्तर- जन्म - 973 ई. में, उज़्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में।

1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् महमूद गजनवी ने अल बिरूनी को अपने साथ अपनी राजधानी गजनी ले आया । अल बिरूनी ने 70 वर्ष की आयु में अपनी मृत्यु तक बाकी जीवन गजनी में ही बिताया। अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब - उल - हिन्द 80 अध्यायों में विभाजित हैं ।

प्र-13 अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों/यात्रियों के मुकाबले इब्न बतूता किन बातों में अलग था ?

उत्तर- अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों के विपरित, इब्न बतूता पुस्तकों के स्थान पर यात्राओं से अर्जित अनुभव को ज्ञान का अधिक महत्त्वपूर्ण स्त्रोत मानता था । उसे यात्राएं करने का बहुत शौक था और वह नए - नए देशों और लोगों के विषय में जानने के लिए दूर- दूर के क्षेत्रों तक गया ।

प्र-14 मॉन्टेस्क्यू कौन था ? इसका प्राच्य निरंकुशता का सिद्धांत क्या था ?

उत्तर- मॉन्टेस्क्यू एक फ्रांसीसी दार्शनिक था, जिसने बर्नियर के वृत्तांत का प्रयोग कर प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत को विकसित किया। मॉन्टेस्क्यू के प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत के अनुसार एशिया (प्राच्य अथवा पूर्व) में शासक अपनी असीमित शक्तियों का प्रयोग करके प्रजा को दासता और गरीबी की स्थितियों में रखते है। इस तर्क का आधार यह था कि सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था तथा निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी। इस दृष्टिकोण के अनुसार राजा और उसके अमीर वर्ग को छोड़ प्रत्येक व्यक्ति मुश्किल से गुजर-बसर कर पाता था।

प्र-15 भारत का वृत्तांत लिखने में अल बिरूनी के समक्ष आयीं किन्हीं दो बाधाओं को बताइए ।

उत्तर- (i) भाषा- अल बिरूनी के अनुसार संस्कृत भाषा अरबी व फारसी भाषा से इतनी भिन्न थी कि विचारों और सिद्धान्तों को एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करना सरल नहीं था।

(ii) धार्मिक अवस्था व प्रथाएँ - भारत में विभिन्न धार्मिक विश्वास व प्रथाएँ प्रचलित थीं जिन्हें समझने के लिए उसे वेदों व ब्राह्मण ग्रन्थों का सहारा लेना पड़ा।

प्र-16 फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था । कथन को स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत ग्रामीण समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था । वास्तव में 16वीं व 17वीं शताब्दी में ग्रामीण समाज में बड़े पैमाने पर सामाजिक व आर्थिक विभेद पाया जाता था। एक ओर बड़े जमींदार थे तो दूसरी ओर अस्पृश्य भूमिहीन श्रमिक थे, इन दोनों के बीच में बड़े किसान थे, जो किराए के श्रम का उपयोग करते थे और उत्पादन में जुटे रहते थे। कुछ छोटे किसान भी थे, जो बड़ी मुश्किल से अपने जीवनयापन लायक उत्पादन कर पाते थे।, जबकि बर्नियर के अनुसार भारत में दो ही वर्ग थे- अमीर और गरीब और भारत में मध्यम वर्ग का अभाव था।

प्र-17 अल बिरूनी के लेखन कार्य की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- अल बिरूनी के लेखन कार्य की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

(i) अल बिरूनी ने अपने लेखन कार्य में अरबी भाषा का प्रयोग किया ।

(ii) अल बिरूनी द्वारा लिखित ग्रन्थों की लेखन शैली के विषय में उसका दृष्टिकोण आलोचनात्मक था।

प्र-18 इब्न बतूता के समय यात्राएं अति दुष्कर थीं, स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर- इब्न बतूता चौदहवीं शताब्दी में यात्राएं कर रहा था, जब आज की तुलना में यात्रा करना अधिक कठिन तथा जोखिम भरा कार्य था। कई प्रकार की कठिनाइयाँ यात्रा में व्यवधान डालती थीं। यात्रा में चोर, लुटेरों, समुद्री डाकुओं, जंगली जीवों, बीमारियों का भय रहता था तथा यात्रा के साधन भी नहीं थे। इब्न बतूता के अनुसार मुल्तान से दिल्ली की यात्रा में चालीस और सिन्ध से दिल्ली की यात्रा में लगभग पचास दिन का समय लगता था। दौलताबाद से दिल्ली की दूरी चालीस, जबकि ग्वालियर से दिल्ली की दूरी दस दिन में तय की जा सकती थी । जब वह मुल्तान से दिल्ली की यात्रा पर था तो रास्ते में डाकुओं ने उसके कारवाँ पर हमला बोल दिया, इब्न बतूता बुरी तरह घायल हो गया और कई सहयात्रियों की डाकुओं ने हत्या कर दी।

प्र-19 अल बिरूनी ने ब्राह्मणवादी व्यवस्था की अपवित्रता की मान्यता को क्यों अस्वीकार कर दिया ?

उत्तर- अल-बिरूनी ने जाति व्यवस्था के संबंध में ब्राह्मणवादी व्याख्या को तो स्वीकार कर लिया, किंतु वह अपवित्रता की मान्यता को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुआ। उसकी मान्यता थी कि प्रत्येक वह वस्तु जो अपवित्र हो जाती है, अपनी पवित्रता की मौलिक स्थिति को पुनः प्राप्त करने का प्रयत्न करती है और इसमें उसे सफलता भी प्राप्त होती है। उदाहरण देते हुए उसने लिखा कि सूर्य हवा को स्वच्छ बनाता है और समुद्र में विद्यमान नमक पानी को गन्दा होने से बचाता है। उसने अपने तर्क पर बल देते हुए कहा कि ऐसा न होने की स्थिति में पृथ्वी पर जीवन सम्भव नहीं हो पाता। उसका विचार था कि जाति व्यवस्था में विद्यमान अपवित्रता की अवधारणा प्रकृति के नियमों के अनुकूल नहीं थी।

प्र-20 बर्नियर की पूर्व और पश्चिम की तुलना से आप कितने सहमत हैं ? संक्षेप में समझाइए। अथवा बर्नियर अपने ग्रंथ ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर में भारत को पश्चिम जगत की तुलना में अल्प विकसित व निम्न श्रेणी का दर्शाना चाहता था। स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' में बर्नियर की भारतीय उपमहाद्वीप की यात्राओं का वर्णन है। यह ग्रन्थ बर्नियर की गहन आलोचनात्मक चिन्तन दृष्टि का उदाहरण है, लेकिन बर्नियर का यह दृष्टिकोण पूर्वाग्रह से प्रेरित हैं तथा एकपक्षीय है। बर्नियर ने मुगलकालीन इतिहास को भारत की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में न रखकर एक वैश्विक ढाँचे में ढालने का प्रयास किया। वह यूरोप के परिप्रेक्ष्य में मुगलकालीन इतिहास की तुलना निरन्तर करने का प्रयास करता रहा। बर्नियर के अनुसार यूरोप की प्रशासनिक व्यवस्था, यूरोप की सामाजिक- आर्थिक स्थिति भारत से कहीं बेहतर है। वास्तव में उसका भारत चित्रण पूरी तरह पक्षपात पर आधारित आधारित है । मैं बर्नियर की इस प्रकार की तुलना से सहमत नहीं हूँ ।

अध्याय-6
भक्ति-सूफी परम्पराएं (अंकभार- 06)

शेखावाटी मिशन 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर स्थित है-
(अ) अजमेर (ब) पुरी (स) तंजौर (द) बोधगया (ब)

2. संत कवि अप्पार संबदंर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएं शिव मंदिर में स्थापित करवाने वाला चोल शासक था-
(अ) परान्तक प्रथम (ब) राजेन्द्र प्रथम (स) राजराज प्रथम (द) विजयालय (अ)

3. गरीब नवाज उपनाम से प्रसिद्ध सूफी संत हैं -
(अ) अमीर खुसरो (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया
(स) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (द) सलीम चिश्ती (स)

4. मुगल शहजादी जिसने ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी 'मुनिस अल अखाह (आत्मा की विश्वस्त)' रचना की-
(अ) रोशनआरा (ब) जहांआरा (स) गौहारा बेगम (द) गुलबदन बेगम (ब)

5. पद्मावत ग्रन्थ की रचना की -
(अ) अमीर खुसरो (ब) तुलसीदास
(स) कबीर (द) मलिक मुहम्मद जायसी (द)

6. सूफी संत जिसे अनुयायी 'सुल्तान-उल-मशेख' (शेखों में सुल्तान) कहकर संबोधित करते थे -
(अ) अमीर खुसरो (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया
(स) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (द) सलीम चिश्ती (ब)

7. शेख सलीम चिश्ती की दरगाह स्थित है -
(अ) अजमेर (ब) अजोधन (स) दिल्ली (द) फतेहपुर सीकरी (द)

8. खालसा पंथ की स्थापना की -
(अ) गुरू नानक (ब) गुरू अंगद देव (स) गुरू गोविन्द सिंह (द) गुरू अर्जुन देव (स)

9. मीराबाई के गुरू थे -
(अ) अमीर खुसरो (ब) रामानन्द (स) रैदास (द) तुलसीदास (स)

10. भारत का सबसे प्रभावशाली सूफी सिलसिला माना जाता है -
(अ) चिश्ती (ब) कादिरी (स) सुहरावर्दी (द) नक्शबंदी (अ)

11. मुगल सम्राट जिसने जीवनकाल में चौदह बार अजमेर दरगाह की जियारत की -
(अ) शाहजहां (ब) जहांगीर (स) अकबर (द) औरंगजेब (स)

12. निम्नांकित में से नयनार महिला संत है -
(अ) मीराबाई (ब) अंडाल (स) करइक्काल अम्मइयार (द) राबिया (स)

13. कौनसा ग्रन्थ तमिल वेद के रूप में जाना जाता है -
(अ) तवरम् (ब) बीजक (स) नलयिरादिव्यप्रबंधम् (द) कीर्तनघोष (स)

14. कीर्तनघोष काव्य ग्रन्थ की रचना की -
(अ) अमीर खुसरो (ब) कबीर (स) रैदास (द) शंकरदेव (द)

15. ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह स्थित है -
(अ) अजमेर (ब) अजोधन (स) दिल्ली (द) लाहौर (अ)

16. अलवार संत किस मत से संबंधित थे -

(अ) वैष्णव (ब) शैव (स) जैन (द) बौद्ध (अ)

17. नयनार संत किस मत से संबंधित थे -

(अ) वैष्णव (ब) शैव (स) जैन (द) बौद्ध (ब)

18. अमीर खुसरो किस सूफी संत का शिष्य था -

(अ) बाबा फरीद (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया

(स) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (द) सलीम चिश्ती (ब)

19. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह स्थित है -

(अ) अजमेर (ब) अजोधन (स) दिल्ली (द) लाहौर (स)

20. वीर शैव मत के प्रवर्तक हैं-

(अ) बासवन्ना (ब) कबीर (स) रैदास (द) शंकरदेव (अ)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न-

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

1. बारह अलवार संतों की रचनाओं का संकलन किया गया जो .... नाम से जाना जाता है।
नलयिरादिव्यप्रबन्धम् (चार हजार पावन रचनाएं)
2. .... नामक अलवार महिला संत ने स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर प्रेमभावना को छन्दों में व्यक्त किया।
अंडाल
3. कांस्य में ढ़ाली गई नटराज शिव प्रतिमाओं का निर्माण ....काल में हुआ।
चोल शासनकाल
4. .... मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है।
शरिया
5. खम्बात (गुजरात) में गिरजाघर निर्माण के लिए शाही फरमान जारी करने वाला मुगल सम्राट .... था।
अकबर
6. वर्ण परम्परा का पालन नहीं करने वाले प्रवासी समुदायों के लिए .... शब्द प्रयोग किया जाता था।
म्लेच्छ
7. सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है- .... जो शेख और मुरीद के बीच निरन्तर रिश्ते की द्योतक है।
जंजीर
8. पीर की दरगाह पर उनकी बरसी के अवसर पर की जाने वाली जियारत को .... कहा जाता है।
उर्स
9. सूफी संत .... दाता गंज बख्श के रूप में आदरणीय हैं और उनकी दरगाह को दाता दरबार कहा जाता है।
हुजविरी
10. .... पहला सुल्तान था जो अजमेर स्थित ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर आया था।
मुहम्मद बिन तुगलक
11. ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर निर्माण कार्य करवाने वाला प्रथम शासक मालवा का सुल्तान .... था।
गियासुद्दीन खिलजी
12. सूफी संत .... को चिराग ए देहली नाम से जाना जाता है।
शेख नसीरूद्दीन
13. कबीर को भक्ति का मार्ग दिखाने गुरू .... थे।
रामानन्द
14. बाबा नानक ने अपने अनुयायियों को सिख समुदाय में संगठित किया और अपने अनुयायी ...... को अपने बाद गुरूपद पर आसीन किया।
अंगद

शिक्षार्थी मिशन 100

15. पांचवें गुरू अर्जुनदेव ने बाबा नानक तथा उनके चार उतराधिकारी, सूफी संत बाबा फरीद, रैदास और कबीर की बानी को .... में संकलित किया।
आदि ग्रन्थ साहिब

16. सिखों के पवित्र ग्रन्थ गुरू ग्रन्थ साहिब का संकलन .... ने करवाया।
गुरू गोविन्द सिंह

17. सूफी संतों द्वारा अपने अनुयायियों और सहयोगियों को लिखे हुए पत्रों का संकलन ..... नाम से जाना जाता है।
मक्तुबात

18. सिंध प्रान्त के लोकप्रिय सूफी संत .... हैं जिन्हें मस्त कलन्दर उपनाम से जाना जाता है।
हजरत लाल शाहबाज कलन्दर

19. संत ज्ञानदेव, तुकाराम और मुक्ताबाई का सम्बन्ध .... राज्य से है।
महाराष्ट्र

20. चैतन्य महाप्रभु ने भक्ति आंदोलन .... क्षेत्र में लोकप्रिय बनाया।
बंगाल

21. उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन के प्रसार का श्रेय संत .... और उनके बारह शिष्यों को है।
रामानन्द

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. चोल शासकों द्वारा निर्मित शिव मंदिरों के नाम बताइए।

उत्तर- 1. चिदम्बरम् 2. तंजावुर 3. गंगैकोण्डचोलपुरम्

2. प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन कब और किनके नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ ?

उत्तर- प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन छठी शताब्दी में अलवार और नयनार संतों के नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ।

3. बासवन्ना के अनुयायी क्या कहलाते हैं ?

उत्तर- बासवन्ना के अनुयायी वीर शैव तथा लिंगायत कहलाते हैं।

4. शरिया से क्या आशय है ?

उत्तर- इस्लामी कानून शरिया कहलाता है जो कुरान शरीफ और हदीस पर आधारित है।

5. उलमा से क्या आशय है ?

उत्तर- उलमा इस्लामी कानून के ज्ञाता और व्याख्याकार होते थे। सैद्धान्तिक रूप से मुसलमान शासकों को उलमा के मार्गदर्शन पर चलना होता था। उलमा से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे शासन में शरिया का अमल सुनिश्चित करवाएँगें।

6. जजिया कर क्या था ?

उत्तर- जजिया एक धार्मिक कर था जिसे मुस्लिम शासक अपने राज्य की गैर इस्लामी प्रजा से संरक्षण की एवज में वसुलते थे।

7. जिम्मी से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- इस्लामी शासकों के राज्य में निवास करने वाली यहूदी और ईसाई प्रजा को जिम्मी कहा जाता था।

8. हदीस से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- हदीस ग्रन्थ को इस्लामी कानून का स्त्रोत माना जाता है। हदीस का अर्थ है - पैगम्बर साहब से जुड़ी परम्पराएँ जिनके अन्तर्गत उनकी स्मृति से जुड़े शब्द और क्रियाकलाप आते हैं।

9. मातृगृहता परिपाटी से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- मातृगृहता परिपाटी वह परिपाटी है जहाँ स्त्रियाँ विवाह के पश्चात पति और संतान सहित मायके में ही रहती हैं।

10. "मुकुट का नगीना" नाम से कश्मीर की कौनसी मस्जिद प्रसिद्ध है ?

उत्तर- शाह हमदान मस्जिद

अग्रगामी मिशन 100

11. कादिरी सूफी सिलसिले के संस्थापक कौन थे ?

उत्तर- अब्दुल कादिर जिलानी

12. चिश्ती सिलसिले के नामकरण के बारे में बताइए।

उत्तर- प्रसिद्ध सूफी सिलसिले चिश्ती का नामकरण मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर के आधार पर हुआ है।

13. जियारत से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- आध्यात्मिक आशीर्वाद यानी बरकत की कामना के लिए सूफी संत की दरगाह पर की जाने वाली धार्मिक यात्रा को जियारत कहा जाता है।

14. बाबा फरीद की काव्य रचनाएँ किस ग्रन्थ में संकलित हैं ?

उत्तर- आदि ग्रन्थ साहिब

15. चिश्ती समां से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- चिश्ती उपासना परम्परा में नाच और संगीत का विशेष महत्व है। सूफियों के आध्यात्मिक संगीत की महफिल को समां नाम से जाना जाता है।

16. कौल का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- कौल अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है - कहावत। कौल को कव्वाली गायन के शुरूआत और अंत में गाया जाता है।

17. कव्वाली गायन में कौल (कहावत) के प्रचलन का श्रेय किसे है ?

उत्तर- अमीर खुसरो

18. उन दो सूफी संतों के नाम बताइए जिन्होनें शाही भेंट को अस्वीकार कर दिया।

उत्तर- शेख निजामुद्दीन औलिया और शेख फरीदुद्दीन

19. मुगल सम्राट अकबर के अपने समकालीन किस सूफी संत से घनिष्ट संबंध थे ?

उत्तर- शेख सलीम चिश्ती

20. निर्गुण भक्ति परम्परा को लोकप्रिय बनाने वाले दो प्रसिद्ध संतों के नाम बताइए।

उत्तर- बाबा नानक और कबीर

21. कबीर का पालन पोषण करने वाले जुलाहा दंपती का नाम बताइए।

उत्तर- नीरू व नीमा।

22. गुरू नानक का जन्म कब और कहां हुआ ?

उत्तर- गुरू नानक का जन्म 1469 ई. में पंजाब के ननकाना गांव में हुआ।

23. देवी की आराधना पद्धति को किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर- देवी की आराधना पद्धति को तांत्रिक नाम से जाना जाता है।

24. नयनार संतों के शैव भजनों का संकलन किस तमिल ग्रन्थ में किया गया है ?

उत्तर- तवरम्।

25. शरिया की अवहेलना करने वाले सूफी क्या कहलाते थे ?

उत्तर- बे- शरिया (शरिया कानून की अवहेलना करने वाले सूफी संत)

26. शरिया का पालन करने वाले सूफी क्या कहलाए ?

उत्तर- बा - शरिया (शरिया कानून का पालन करने वाले सूफी संत)

27. खानकाह से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- सूफी संतों के रहने का स्थान खानकाह कहलाता है जो सूफियों के सामाजिक जीवन का केन्द्र बिन्दु था।

28. सूफीवाद क्या है ?

उत्तर- इस्लाम की प्रेममार्गी और रहस्यवादी शाखा सूफीवाद के नाम से जानी जाती है।

29. तज़किरा क्या है ?

प्रयास मिशन 100

उत्तर- सूफी संतों की जीवनियों का स्मरण तज़किरा कहलाता है।

30. कश्फ-उल-महजुब नामक पुस्तक किसने लिखी ?

उत्तर- अबुल हसन अल हुजविरी

31. फवाइद अल फआद ग्रन्थ की रचना किसने की ?

उत्तर- अमीर हसन सिज़जी

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

1. धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को किन मुख्य वर्गों में विभाजित करते हैं ?

उत्तर- धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को दो वर्गों में विभाजित करते हैं - सगुण भक्ति तथा निर्गुण भक्ति। सगुण भक्ति में शिव, विष्णु एवं उनके अवतारों तथा देवियों की साकार रूप में उपासना की जाती है। निर्गुण भक्ति परम्परा में निराकार ईश्वर की उपासना की जाती है।

2. कबीर की बानी कौनसी विशिष्ट परम्पराओं में संकलित है ?

उत्तर- कबीर की बानी तीन विशिष्ट परम्पराओं में संकलित है - (1) कबीर बीजक कबीरपंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है (2) कबीर ग्रन्थावली का संबंध राजस्थान के दादूपंथियों से है (3) कबीर के कई पद आदि ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

3. भक्ति आंदोलन में मीराबाई के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- मीराबाई महिला संत और सुप्रसिद्ध कवयित्री थी जिनका संबंध मेवाड़ राजकुल से था। वे मेवाड़ के शासक राणासांगा की पुत्रवधु थी। पति की असामयिक मृत्यु के बाद उन्होनें संन्यास ग्रहण कर लिया और शेष जीवन अपने आराध्य श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित कर दिया। मीराबाई ने श्रीकृष्ण के प्रति अनुराग व्यक्त करते हुए अनेक गीतों की रचना की। उनके द्वारा रचित ग्रन्थ आज भी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। मीराबाई को जातिवादी समाज की रूढ़ियों के बंधनों पर प्रहार करने वाली महिला संत के रूप में याद किया जाता है।

4. भक्ति आंदोलन में शंकरदेव के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- शंकरदेव असम क्षेत्र में वैष्णव धर्म के मुख्य प्रचारक थे। उनके उपदेशों को भगवती धर्म कहकर संबोधित किया जाता है। शंकरदेव की प्रमुख काव्य रचना कीर्तनघोष है।

5. पंच ककार परम्परा क्या है ?

उत्तर- गुरू गोविन्द सिंह ने सिखों को पाँच प्रतीक धारण करने का आदेश दिया, जिसे पंच ककार कहा जाता है। ये पाँच प्रतीक हैं- बिना कटे केश, कृपाण, कंघा, कच्छा और कड़ा।

6. कर्नाटक की वीरशैव परम्परा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में बासवन्ना के नेतृत्व में एक नवीन धार्मिक आंदोलन का उद्‌भव हुआ। बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव व लिंगायत कहलाए। इस समुदाय के लोग शिव की पूजा लिंग के रूप में करते हैं। लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और पुनर्जन्म सिद्धान्त का विरोध किया।

7. सूफीवाद और भक्ति आंदोलन की समानताओं पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

भक्ति आंदोलन की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर- सूफीवाद और भक्ति आंदोलन ने एक दूसरी विचारधारा को प्रभावित किया और दोनों में अनेक समान विशेषताएं दिखाई देती हैं - (1) एकेश्वरवाद (2) मानवतावादी दृष्टिकोण (3) प्रेममार्गी विचारधारा (4) गुरू की महिमा का गुणगाान (5) सहनशीलता (6) जाति प्रथा तथा सामाजिक भेदभाव का विरोध (7) पाखण्ड एवं कर्मकाण्डों का विरोध (8) आत्मज्ञान के महत्व पर बल (9) सगुण या निर्गुण ईश्वर की उपासना

8. "कबीर और नानक सामाजिक चेतना के प्रहरी थे" कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कबीर एवं गुरू नानक देव की प्रमुख शिक्षाएं बताइए।

अथवा

निर्गुण भक्ति परम्परा में कबीर एवं गुरू नानक देव का मूल्याकंन कीजिए।

उत्तर- मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में संत कबीर व गुरू नानक का महान योगदान है। कबीर और गुरू नानक देव को निर्गुण भक्ति परम्परा को लोकप्रिय बनाने का श्रेय है। दोनों ही संतों ने मूर्तिपूजा के महत्व को अस्वीकार कर निराकार ईश्वर की उपासना पद्धति पर बल दिया। कबीर और नानक ने एक समान धार्मिक और सामाजिक बुराइयों का विरोध किया। इन दोनों संतों ने जाति प्रथा और सामाजिक भेदभाव को अस्वीकार कर दिया और धार्मिक पाखण्डों और कर्मकाण्डों के प्रति जनसामान्य को जागृत करने का प्रयास किया। ये दोनों संत सरल जीवन और उपासना पद्धति के समर्थक थे। इस प्रकार कबीर और नानक धार्मिक उपदेशक होने के साथ साथ सामाजिक चिंतक भी माने जाते हैं।

9. महान और लघु परम्पराओं से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- समाजशास्त्री रॉबर्ट रेडफील्ड ने कृषक समाज के धार्मिक और सांस्कृतिक आचरणों को महान व लघु परम्पराओं में विभक्त किया है। रेडफील्ड के अनुसार कृषक समाज उन कर्मकाण्डों और पद्धतियों का अनुसरण करने में अधिक रूचि रखते थे जो समाज के अभिजात वर्ग - राजा और पुरोहितों द्वारा अपनाई जाती थी। इन कर्मकाण्डों को रेडफील्ड ने महान परम्परा कहा है। कृषक समुदाय सामाजिक जीवन में जिन स्थानीय लोकाचारों का पालन करते थे , उन्हें लघु परम्परा के नाम से संबोधित किया गया है।

10. इतिहासकार धार्मिक परम्परा के इतिहास के पुनर्निर्माण करने के लिए किन किन स्त्रोतों का उपयोग करते है ?

उत्तर- धार्मिक परम्पराओं के इतिहास के पुनर्निर्माण में मूर्तियां, स्थापत्य कला, धर्मगुरूओं से जुड़ी लोक कहानियां तथा संत कवियों की साहित्यिक काव्य रचनाएं इतिहासकारों के लिए सहायक स्त्रोत हैं। इतिहासकार इन संत कवियों के अनुयायियों द्वारा लिखी गई उनकी जीवनियों का भी इस्तेमाल करते हैं हालाँकि यह जीवनियां अक्षरतः सत्य नहीं स्वीकार की जा सकती हैं।

11. भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिले के प्रसार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर- भारत आने वाले सूफी सम्प्रदायों मे चिश्ती सिलसिला सबसे लोकप्रिय व प्रभावशाली सिलसिला माना जाता है। चिश्ती सिलसिले के शेखों ने न केवल अपने आप को स्थानीय परिवेश में ढ़ाला अपितु भारतीय भक्ति परम्परा की अनेक विशेषताओं को आत्मसात किया। भारत में चिश्ती सिलसिले के संस्थापक ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती थे। शेख निजामुद्दीन औलिया ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में खानकाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया। इस वजह से चिश्तियों के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएं तथा शेख निजामुद्दीन औलिया का यश सम्पूर्ण उपमहाद्वीप में फैल गया और चिश्ती सिलसिले को व्यापक लोकप्रियता प्राप्त हुई।

12. चिश्ती सिलसिले से संबंधित प्रमुख उपदेशकों व मुख्य केन्द्रों के नाम बताइए।

चिश्ती सिलसिला के मुख्य उपदेशक और केन्द्र

क्र. सं.	सूफी संत	दरगाह
1	ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती	अजमेर
2	शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी	दिल्ली
3	शेख फरीदुद्दीन गंज ए शकर	अजोधन (पंजाब)
4	शेख निजामुद्दीन औलिया	दिल्ली
5	शेख नसीरूद्दीन चिराग ए देहली	दिल्ली

अध्याय- 7
एक साम्राज्य की राजधानी-विजयनगर (अंकभार-05)

अतिलघूतरात्मक प्रश्न-

प्र-1 विजयनगर साम्राज्य/संगम वंश की स्थापना किसने एवं कब की ?

उत्तर- हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों ने 1336 ई. में ।

प्र-2 विजयनगर साम्राज्य के संस्थापक कौन थे ?

उत्तर- हरिहर और बुक्का।

प्र-3 विजयनगर साम्राज्य में घोड़ों के व्यापारियों के स्थानीय समूह को क्या कहा जाता था ?

उत्तर- कुदिरई या चेट्टी।

प्र-4 विजयनगर के पहले राजवंश का नाम बताइए ?

उत्तर- संगम वंश (1336 - 1485 ई. तक)

प्र-5 किस शासक ने अपनी माँ के नाम पर विजयनगर के समीप ही नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की?

उत्तर- कृष्णदेव राय ने।

प्र-6 विजयनगर साम्राज्य के सबसे प्रसिद्ध शासक कौन हुए, एवं उनका शासनकाल कब से कब तक रहा ?

उत्तर- कृष्णदेव राय, 1509 ई. - 1529 ई. के बीच।

प्र-7 अमुक्तमंल्यद नामक ग्रंथ की भाषा एवं लेखक का नाम बताइए ?

उत्तर- भाषा- तेलुगु, लेखक - कृष्णदेव राय।

प्र-8 कृष्णदेव राय किस वंश से संबद्ध था ?

उत्तर- तुलुव वंश से ।

प्र-9 विजयनगर पर संगम वंश के बाद किस राजवंश ने शासन किया ?

उत्तर- सुलुव वंश ने (1485-1503 ई. तक)

प्र-10 राक्षसी-तांगड़ी/तालीकोटा का युद्ध कब हुआ और किन-किन के मध्य हुआ ?

उत्तर- 1565 ई. में, विजयनगर (शासक - सदाशिव राय, प्रधानमंत्री - रामराय) और बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर की संयुक्त सेनाओं के मध्य।
विजयी सेनाओं ने 1565 ई में विजयनगर शहर पर आक्रमण कर लूटा ।

प्र-11 तालीकोटा युद्ध में विजयनगर की सेना का नेतृत्व किसने किया ?

उत्तर- विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय ने। (रामराय ने दक्कन सुल्तानों को एक- दूसरे के विरूद्ध करने की जोखिम भरी नीति अपनाई थी)

प्र-12 विजयनगर के किस शासक ने "यवन राज्य की स्थापना करने वाला" का विरुद/उपाधि धारण की।

उत्तर- कृष्णदेव राय ने।

प्र-13 अमर - नायक प्रणाली किस साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी ?

उत्तर- विजयनगर साम्राज्य की।

प्र-14 विजयनगर साम्राज्य में अमर नायक कौन थे ?

उत्तर- सैनिक कमांडर।

प्र-15 विजयनगर साम्राज्य में राय किसे कहा जाता था ?

उत्तर- विजयनगर के शासकों को।

प्र-16 विजयनगर की भौगोलिक स्थिति के विषय में सबसे चौंकाने वाला तथ्य......द्वारा यहां निर्मित एक प्राकृतिक कुण्ड है ?

कृष्णाकोटि मिशन 100

उत्तर- तुंगभद्रा नदी।

प्र-17 विट्ठल किस देवता का स्वरूप माने जाते हैं ?

उत्तर- विष्णु देवता का।

प्र-18 विरुपाक्ष किस देवता का एक रूप माने जाते हैं ?

उत्तर- शिव देवता का।

प्र-19 विजयनगर की स्थानीय मातृदेवी किसको माना जाता हैं ?

उत्तर- पम्पादेवी को।

प्र-20 विजयनगर साम्राज्य के संरक्षक देवता किसको माना जाता था ?

उत्तर- विरुपाक्ष (शिव का रूप) (पम्पादेवी ने विरुपाक्ष से विवाह करने के लिए तप किया था)

प्र-21 1815 ई. में किसे भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया ?

उत्तर- कॉलिन मैकेन्जी को। (1815 से 1821 तक सर्वेयर जनरल के पद पर रहे)

प्र-22 हम्पी के भग्नावशेष किसके द्वारा खोजे/प्रकाश में लाए गए थे एवं कब ?

उत्तर- 1800 ई. में कॉलिन मैकेन्जी द्वारा। (कॉलिन मैकेन्जी द्वारा हम्पी का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया गया था)

प्र-23 विजयनगर के शासक किसकी ओर से शासन करने का दावा करने थे ?

उत्तर- भगवान विरूपाक्ष की ओर से ।

प्र-24 कौनसा विदेशी यात्री विजयनगर शहर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने दुर्गों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया ?

उत्तर- पन्द्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (कोजीकोड) भेजें गये दूत अब्दुर रज्जाक ने ।

प्र-25 विजयनगर मंदिर स्थापत्य की विशिष्ट विशेषताओं में से एक का नाम बताइए ?

उत्तर- गोपुरमों का निर्माण । गोपुरम - मंदिर का प्रवेश द्वार (राय गोपुरम राजकीय सत्ता के द्योतक थे)

प्र-26 हम्पी को राष्ट्रीय महत्त्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिलीं ?

उत्तर- 1976 ई. में

प्र-27 विजयनगर को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर- हम्पी (हम्पी नाम का आविर्भाव स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी के नाम से हुआ)

प्र-28 14 वीं - 16वीं शताब्दी के मध्य कौनसा नगर दक्षिण भारत में एक साम्राज्य के रूप में विकसित हुआ ?

उत्तर- विजयनगर

प्र-29 राक्षसी - तांगड़ी को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है ?

उत्तर- राक्षसी - तांगड़ी को तालीकोटा के नाम से भी जाना जाता है।

प्र-30 विजयनगर के किस शासक को कई महत्त्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय दिया जाता है ?

उत्तर- कृष्णदेव राय को

प्र-31 विजयनगर के स्थान का राजधानी के रूप में चयन वहाँ स्थित किसके मंदिरों के अस्तित्व से जुड़ा हुआ था?

उत्तर- (अ) विरुपाक्ष के मंदिर से (ब) पम्पादेवी के मंदिर से

(स) दोनों के मंदिरों से (द) बृहदेश्वर मंदिर से (स)

प्र-32 विजयनगर के किस मंदिर का प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था और यह मंदिर विजयनगर के किस भाग में स्थित था ?

उत्तर- हजार राम मंदिर का, हजार राम मंदिर विजयनगर के राजकीय केन्द्र में स्थित था।

प्र- 33 विजयनगर आए किन्हीं दो यात्रियों के नाम लिखिए ?

उत्तर- (i) डोमिंगो पेस (इटली से आया)

(ii) अब्दुर रज्जाक (फारस से आया)

प्र-34 अरबी भाषा के शब्द सुल्तान का संस्कृत अनुवाद है -

उत्तर- हिन्दू सूरतराणा

प्र-35 उस निर्णायक युद्ध का नाम बताइए, जिसके बाद विजयनगर का विनाश हुआ ?

उत्तर- 1565 में हुए तालीकोटा युद्ध के बाद विजयनगर को लूटा गया और बाद में यह उजड़ गया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्र-1 विजयनगर के शासकों के लिए मंदिरों और सम्प्रदायों को प्रश्रय देना क्यों महत्वपूर्ण था ? अथवा विजयनगर के शासकों ने मंदिर निर्माण को प्रोत्साहन क्यों दिया ?

उत्तर- विजयनगर के शासकों ने मंदिरों और सम्प्रदायों को प्रश्रय/संरक्षक दिया, क्योंकि शासक अपने आप को ईश्वर से जोड़ने के लिए मंदिर निर्माण को प्रोत्साहन देते थे। विजयनगर के शासक मन्दिरों के निर्माण, मरम्मत, रखरखाव तथा देव स्थलों में प्रतिष्ठित देवी-देवताओं से संबंध के माध्यम से अपनी सता को स्थापित करने तथा वैधता प्रदान करने का प्रयास करते थे ।

प्र-2 विजयनगर के विट्ठल मंदिर की विशेषताएं बताइये ?

उत्तर- विजयनगर के धार्मिक केन्द्र में स्थित विट्ठल मंदिर भी दूसरा महत्वपूर्ण देवस्थल है।

विट्ठल देवता महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप है । इस देवता की पूजा को कर्नाटक में आरंभ करना उन माध्यमों का प्रतीक है, जिनमें एक साम्राज्यिक संस्कृति के निर्माण के लिए विजयनगर के शासकों ने अलग-अलग परंपराओं को आत्मसात किया।

विट्ठल मंदिर में रथ के आकार का एक अनूठा मंदिर भी है।

विट्ठल मंदिर परिसरों की एक चारित्रिक विशेषता रथ गलियाँ है जो मंदिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती है।

प्र-3 विजयनगर साम्राज्य में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू-भाग में क्यों समाहित किया जाता था ? अथवा आपके विचार में विजयनगर साम्राज्य में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भूभाग में क्यों समाहित किया जाता था ?

उत्तर- मध्यकाल में घेराबंदियों का प्रमुख उद्देश्य विपक्षी को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना होता था।

ये घेराबंदियाँ कई महिनों और यहाँ तक कि वर्षों तक चलती थी, इसलिए शासक ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे ।

- विजयनगर के शासकों ने पूरे कृषि भू-भाग को बचाने के लिए कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू-भाग में रखने की अधिक महंगी तथा व्यापक नीति को अपनाया ।

प्र-4 10 दिन के हिन्दू त्यौहार, जिसे उतर भारत में .....,बंगाल में......, प्रायद्वीप भारत में .... , नामों से जाना जाता है ।

उत्तर- दशहरा, दुर्गा पूजा, नवरात्रि या महानवमी।

प्र-5 विरुपाक्ष मंदिर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर- शिव के रूप विरुपाक्ष को विजयनगर के संरक्षक देवता के रूप में जाना जाता है। अभिलेखों के अनुसार सबसे प्राचीन मंदिर 9-10 शताब्दियों का था। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के बाद विरुपाक्ष मंदिर को अधिक बड़ा किया गया था। विरुपाक्ष के मुख्य मंदिर के सामने बना मंड़प कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में बनवाया था।

विरुपाक्ष मंदिर के पूर्वी गोपुरम के निर्माण का श्रेय भी कृष्णदेव राय को ही दिया जाता है ।

प्र-6 विजयनगर के राजकीय केन्द्र में स्थित चार संरचनाओं के नाम लिखिए ?

उत्तर- (i) राजा का भवन । राजा के भवन के दो सबसे प्रभावशाली मंच है- सभामंडप एवं महानवमी डिब्बा

(ii) लोटस (कमल) महल (iii) हजार राम मंदिर (iv) हाथियों का अस्तबल

प्र-7 कॉलिन मैकेन्जी पर टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर- हम्पी की खोज 1800 ई. में मैकेन्जी ने की। मैकेन्जी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की 1815 ई. में मैकेन्जी को भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया। ईस्ट इंडिया कंपनी में कार्यरत मैकेंजी ने हम्पी का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया।

प्र-8 विजयनगर साम्राज्य पर शासन करने वाले चारों राजवंशों का नाम क्रमशः लिखिए ?

उत्तर- संगम वंश, सालुव वंश, तुलुव वंश, अराविदु वंश

प्र-9 नायक कौन थे ?

उत्तर- विजयनगर में सेना प्रमुखों को नायक या अमर नायक कहा जाता था, जो सामान्यतः किलों पर नियंत्रण रखते थे और जिनके पास सशस्त्र समर्थक होते थे।

प्र-10 हजार राम मंदिर एवं लोटस महल के बारे में आप क्या जानते हैं ? या हजार राम मंदिर एवं लोटस महल के बारे में लिखिए ?

उत्तर- हजार राम मन्दिरः- विजयनगर के राजकीय केन्द्र में स्थित हजार राम मंदिर दर्शनीय है। इस मंदिर का प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था। इस मंदिर के बीच के देवस्थल की मूर्तियाँ अब नहीं है, लेकिन दीवारों पर बनायी गयी मूर्तियाँ सुरक्षित हैं।

लोटस (कमल) महलः- विजयनगर के राजकीय केन्द्र के सबसे सुंदर भवनों में एक लोटस महल है। लोटस महल का यह नामकरण 19 वीं शताब्दी के अंग्रेज यात्रियों ने किया था। यह परिषदीय सदन था, जहां राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

प्र-11 विजयनगर शासकों की स्थापत्य कला के कौनसे तत्त्व तुर्क सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य से प्रभावित थे ?

उत्तर- विजयनगर की किलेबंद बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेशद्वार पर बनी मेहराब और साथ ही द्वार के ऊपर बनी गुबंद तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य के चारित्रिक तत्त्व माने जाते हैं।

प्र-12 आप कैसे कह सकते हैं कि विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय द्वारा सुल्तानों के प्रति अपनाई गई नीति जोखिमपूर्ण थी ?

उत्तर- रामराय ने दक्कन के सुल्तानों को आपस में एक- दूसरे के विरुद्ध करने की कोशिश की, किन्तु वे सुल्तान एक हो गए और उन्होंने एक होकर रामराय को निर्णायक रूप से पराजित कर दिया। विजयी सेनाओं ने विजयनगर शहर पर धावा बोलकर उसे लूटा।

प्र-13 विजयनगर के चार ऐतिहासिक स्मारकों के नाम लिखिए ? अथवा विजयनगर के दो विशिष्ट मंदिरों के नाम लिखिए?

उत्तर- (i) हम्पी (ii) विरुपाक्ष मंदिर
(iii) विट्ठल मंदिर (iv) कमल महल

प्र-14 विजयनगर के शासकों द्वारा मंदिर निर्माण में प्रारंभ किये गये तीन नवाचारों का उल्लेख कीजिए ? अथवा विजयनगर साम्राज्य के मंदिर स्थापत्य की किन्हीं तीन विशेषताओं/अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए ? अथवा विजयनगर में मंदिर स्थापत्य में प्रयुक्त एक नये तत्त्व गोपुरम पर टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर- (i) गोपुरम/राय गोपुरमः- विजयनगर के मंदिर स्थापत्य में कई नए तत्व प्रकाश में आए, जिनमें एक था राय गोपुरमों का निर्माण (राजकीय प्रवेशद्वार) मंदिर के प्रवेशद्वार राय गोपुरम की मीनारें अकसर केंद्रीय देवालयों की मीनारों को बौना साबित करती थी। गोपुरम लंबी दूरी से ही मंदिर के होने का संकेत देते थे।

गोपुरम राजकीय सत्ता के द्योतक थे तथा साथ ही शासकों की ताकत की याद भी दिलाते थे, जो इतनी ऊँची मीनारों के निर्माण के लिए आवश्यक साधन, तकनीक तथा कौशल जुटाने में सक्षम थे।

(ii) मण्डपः- भारतीय स्थापत्यकला के सन्दर्भ में, स्तम्भों पर खड़े बाहरी हॉल/सभागार को मण्डप कहते हैं जिसमें लोग विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम करते हैं।

(iii) लंबे स्तम्भों वाले गलियारेः- ये अकसर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थलों के चारों ओर बने थे।

प्र-15 विजयनगर के शासकों ने वर्षा जल संचय के लिए क्या कार्य किये ? वर्णन कीजिए। या विजयनगर की

दो महत्वपूर्ण जल संबंधी संरचनाओं का उल्लेख कीजिए ? या एक साम्राज्य की राजधानी, विजयनगर में जल- संपदा/जल स्रोत सुविकसित थे। स्पष्ट कीजिए ? या विजयनगर के लोग अपनी आवश्यकताओं के लिए जल कैसे प्राप्त करते थे?

उत्तर- विजयनगर साम्राज्य प्रायद्वीप के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक था इसलिए पानी के संचयन और इसे शहर तक ले जाने के व्यापक प्रबंध करना आवश्यक था । विजयनगर के शासकों ने तुंगभद्रा नदी की सभी धाराओं के साथ-साथ बाँध बनाकर अलग-अलग आकारों के वर्षों, जलाशयों एवं नहरों का निर्माण करवाया ।

जल संबंधी संरचनाऐंः-

(i) कमलपुरम् जलाशयः- पन्द्रहवीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में निर्मित कमलपुरम जलाशय के पानी को एक नहर के माध्यम से राजकीय केन्द्र तक ले जाया जाता था ।

(ii) हिरिया नहरः- संभवतः संगम वंश के राजाओं द्वारा निर्मित हिरिया नहर में तुंगभद्रा पर बने बाँध से पानी लाया जाता था । हिरिया नहर का प्रयोग धार्मिक केन्द्र से शहरी केन्द्र को अलग करने वाली घाटी को सिंचित करने में प्रयोग किया जाता था।

- डोमिंगो पेस के अनुसार कृष्णदेव राय ने एक जलाशय का निर्माण करवाया था।

प्र-16 विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए ? या कृष्णदेव राय की विजयों एवं सांस्कृतिक विकास में उसके योगदान का वर्णन कीजिए ?

उत्तर- कृष्णदेव राय तुलुव वंश से संबंधित थे। कृष्णदेव राय ने 1509 ई. से 1529 ई. तक शासन किया। कृष्णदेव राय विजयनगर साम्राज्य का सबसे प्रसिद्ध शासक था।

- कृष्णदेव राय की विजय :-

(i) 1512 ई. में तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों के बीच स्थित रायचूर दोआब पर अधिकार किया।

(ii) 1514 ई. में उड़ीसा के गजपति शासक प्रतापरुद्र को पराजित किया ।

(iii) 1520 ई. में बीजापुर के सुल्तान को पराजित किया।

- कृष्णदेव राय के काल में सांस्कृतिक विकास :-

(i) कई महत्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय कृष्णदेव राय को ही जाता है ।

(ii) कृष्णदेव राय ने अपनी माँ के नाम पर विजयनगर के समीप ही नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की।

(iii) कृष्णदेव राय ने तेलुगु भाषा में अमुक्तमंल्यद नामक ग्रंथ की रचना की।

प्र-17 विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन में अमर नायक प्रणाली की भूमिका का उल्लेख कीजिए ? या अमर नायक कौन थे?

विजयनगर के प्रशासन में उनकी भूमिका का वर्णन कीजिए ? अथवा अमर नायक के कोई दो अधिकार बताइए और उन पर नियंत्रण किस प्रकार रखा जाता था ?

उत्तर- अमर नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी। इस प्रणाली के कई तत्व दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से लिए गए थे । अमर नायक सैनिक कमांडर थे, जिन्हें राय द्वारा प्रशासन के लिए राज्य क्षेत्र दिये जाते थे ।

अमर नायकों के कार्य एवं अधिकार-

(i) वे अपने क्षेत्र से भू-राजस्व व अन्य कर वसूल करने थे।

(ii) राजस्व का कुछ हिस्सा राजा की सहायता के लिए रखी जाने वाली सेना पर खर्च करता था।

(iii) राजस्व का कुछ हिस्सा नायक अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए रखता था।

(iv) राजस्व का एक अंश मंदिरों एवं सिंचाई के साधनों के रख-रखाव के लिए खर्च किया जाता था।

अमर नायकों पर नियंत्रण :-

(i) अमर नायक राजा को एक वर्ष में एक बार भेंट भेजा करता था।

(ii) अपनी स्वामिभक्ति प्रकट करने के लिए राजकीय दरबार में उपहारों के साथ स्वयं नायक उपस्थित होता था।

(iii) राजा कभी- कभी नायकों को एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर उन पर अपना नियंत्रण दर्शाता था।

प्र-18 आपके विचार में महानवमी डिब्बा से संबद्ध अनुष्ठानों का क्या महत्व था ? या महानवमी डिब्बा के बारे में आप क्या जानते हैं या महानवमी डिब्बा पर टिप्पणी लिखिए/विशेषताएं बताइये ? या महानवमी डिब्बा एवं उससे जुड़े अनुष्ठानों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर- विजयनगर शहर के सबसे ऊंचे स्थानों में से एक पर स्थित महानवमी डिब्बा एक विशालकाय मंच है, जो लगभग 11000 वर्ग फीट के आधार से 40 फीट की ऊंचाई तक जाता है।

महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठानः- महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठान/धर्मानुष्ठान संभवतः सितंबर तथा अक्टूबर के शरद मासों में मनाए जाने वाले 10 दिन के हिन्दू त्यौहार महानवमी के अवसर पर निष्पादित किए जाते थे ।

(i) मूर्ति की पूजा करना

(ii) राज्य के अश्व (घोड़ें) की पूजा करना

(iii) भैंसों और अन्य जानवरों की बलि देना

महानवमी के अवसर के अन्य प्रमुख आकर्षणः- नृत्य, कुश्ती प्रतिस्पर्धा, सैनिकों की शोभायात्रा, नायकों द्वारा दी जाने वाली भेंट तथा निश्चित कर आदि ।

प्र-19 विजयनगर की किलेबंदी पर प्रकाश डालिए ? या विजयनगर की किलेबंदी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि इससे खेतों को भी घेरा गया था । स्पष्ट कीजिए । अथवा विजयनगर साम्राज्य की किलेबंदी पर अब्दुर रज्जाक द्वारा व्यक्त किए गए किन्हीं चार पहलुओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ?

उत्तर- पन्द्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (कोजीकोड) भेजें गये दूत अब्दुर रज्जाक विजयनगर शहर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने दुर्गों की सात पंक्तियां का उल्लेख किया । इससे न केवल शहर को बल्कि कृषि में प्रयुक्त आसपास के क्षेत्र तथा जंगलों को भी घेरा गया था ।

कृषि भूमि/खेतों की किलेबंदी :- इस किलेबंदी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि इससे खेतों को भी घेरा गया था।

अब्दुर रज्जाक लिखता है कि ‘‘पहली, दूसरी और तीसरी दीवारों के बीच जुते हुए खेत, बगीचे तथा आवास है।’’ डोमिंगो पेस कहता है ‘‘किलेबंदी की पहली परिधि से शहर में प्रवेश करने तक की दूरी बहुत है जिसमें खेत है जहां वे धान उगाते हैं और कई उद्यान है।’’

कृषि क्षेत्रों की किलेबंदी के कारणः- मध्यकाल में घेराबंदियों का प्रमुख उद्देश्य विपक्षी को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना होता था ये घेराबंदियाँ कई महिनों और यहाँ तक कि वर्षों तक चलती थी, इसलिए शासक ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे ।

विजयनगर के शासकों ने पूरे कृषि भू-भाग को बचाने के लिए कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू - भाग में रखने की अधिक महंगी तथा व्यापक नीति को अपनाया।

दूसरी किलेबंदीः- नगरीय केन्द्र के आंतरिक भाग के चारों ओर बनीं हुईं थीं तीसरी किलेबंदीः - इससे शासकीय केन्द्र को घेरा गया था ।

- तीसरी किलेबंदीः- तीसरी किलेबंदी से शासकीय केन्द्र को घेरा गया था जिसमें महत्त्वपूर्ण इमारतों के प्रत्येक समूह को अपनी ऊँची दीवारों से घेरा गया था ।

प्र-20 आप कैसे कह सकते हैं कि विजयनगर शासक और दक्कन सल्तनतें दोनों ही एक- दूसरे के स्थायित्व को निश्चित करने की इच्छुक थीं ?

उत्तर- कृष्णदेव राय ने सल्तनतों में सत्ता के कई दावेदारों का समर्थन किया और यवन राज्य की स्थापना करने वाला विरुद धारण करके गौरव महसूस किया। इसी प्रकार बीजापुर के सुल्तान ने कृष्णदेव राय की मृत्यु के पश्चात विजयनगर में उत्तराधिकार के विवाद को सुलझाने के लिए हस्तेक्षप किया। वास्तव में विजयनगर शासक और सल्तनतें

दोनों एक दूसरे के स्थायित्व को निश्चित करने की इच्छुक थीं।

प्र-21 विजयनगर के शासकों के लिए पानी के संचयन और इसे शहर तक ले जाने के लिए व्यापक प्रबंध करना क्यों आवश्यक था ?

उत्तर- विजयनगर साम्राज्य प्रायद्वीप के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक था इसलिए पानी के संचयन और इसे शहर तक ले जाने के लिए व्यापक प्रबंध करना आवश्यक था ।

प्र-22 विजयनगर के शासकों ने उनकी उत्तरी सीमाओं पर स्थित समकालीन राजाओं से संघर्ष क्यों किया ?

उत्तर- विजयनगर के शासकों ने उनकी उत्तरी सीमाओं पर स्थित समकालीन दक्कन के सुल्तान तथा उड़ीसा के गजपति शासकों से उर्वर नदी घाटियों तथा लाभकारी विदेशी व्यापार से उत्पन्न संपदा पर अधिकार के लिए संघर्ष किया।

शेखावाटी मिशन 100

अध्याय–8 किसान, जमींदार, और राज्य(कृषि समाज और मुगल साम्राज्य लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :– (अंकभार–5)

1. बाबरनामा किस भाषा में लिखा गया ?

(अ) फारसी (ब) हिन्दवी (स) तुर्की (द) अंग्रेजी उत्तर (स)

2. खुद–काश्त कौन थे ?

(अ) जमींदार (ब) किसान (स) जागीरदार (द) मुखिया उत्तर (ब)

3. पंजाब के शाह नहर की मरम्मत किसके शासनकाल में कराई गई ?

(अ) शाहजहाँ (ब) जहांगीर (स) अकबर (द) हुमायूँ उत्तर (अ)

4. मुकद्दम या मंडल कौन होता था ?

(अ) ग्राम मुखिया (ब) जमींदार (स) कोतवाल (द) पटवारी उत्तर (अ)

5. मुगल राज्य के द्वारा ली जाने वाली एक तरह की भेंट को क्या कहा गया है ?

(अ) कर (ब) पेशकश (स) भत्ता (द) वेतन उत्तर (ब)

6. इस काल में अखिल भारतीय स्तर पर जंगलों का औसत समसामयिक स्त्रोंतों से मिली जानकारी के आधार पर लगभग कितना फीसदी थी ?

(अ) 80% (ब) 60% (स) 40% (द) 20% उत्तर (स)

7. 16वीं सदी में मुकुंदराम चक्रवर्ती की बंगाली में लिखी कविता का नाम क्या है ?

(अ) चंडीवार (ब) चंडीमंगल (स) कालकेतु (द) कालसर्प उत्तर (ब)

8. जमींदारों की समृद्धि की वजह क्या थी ?

(अ) व्यक्तिगत जमीन (ब) पेशकश (स) खिदमत (द) जंगल उत्तर (अ)

9. मुगल काल में राजस्व वसूल करने वाले व्यक्ति को क्या कहते थे ?

(अ) खूत (ब) मुकद्दम (स) अमील–गुजार (द) साहूकार उत्तर (स)

10. अकबरनामा कितने भागों (जिल्दो) में है ?

(अ) 1 (ब) 2 (स) 3 (द) 4 उत्तर (स)

11. आइन–ए–अकबरी मुगल साम्राज्य में कितने प्रांतो का उल्लेख करता है ?

(अ) 12 (ब) 14 (स) 16 (द) 18 उत्तर (अ)

12. इटालियन मुसाफिर जोवान्नी कारेरी भारत कब आया था ?

(अ) 1790 ई. (ब) 1690 ई. (स) 1590 ई. (द) 1588 ई. उत्तर (ब)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

प्रश्न 1. पोलज, परती, चाचर एवं बंजर .... की किस्में थी ? उत्तर :– भूमि

प्रश्न 2. आइन–ए–अकबरी के लेखक .... थे ? उत्तर :– अबुल फजल

शेखावाटी मिशन 100

प्रश्न 3. भूखमरी एवं महामारी के बावजूद 1600ई. से 1700ई. के बीच भारत की आबादी .... करोड़ बढ़ गई ?

उत्तर :– 5 करोड़

प्रश्न 4. बदमाशों की शरण देने वाला जंगली क्षेत्र (अड्डा) ....कहलाता था ? उत्तर :– मवास

प्रश्न 5. अनुदान (दान) में दी गई भूमि को .... कहते थे ? उत्तर :– सुयूरगल

3. अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न :– निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए ?

प्रश्न 1. मुगल राज्य की आमदनी का बड़ा हिस्सा कहां से प्राप्त होता था ?

उत्तर :– कृषि उत्पादन (कृषि कर)

प्रश्न 2. किस मुगल ग्रंथ में शाही नियम, कानून के सारांश और साम्राज्य के एक राजपत्र की सूरत में संकलित है ?

उत्तर :– आइन–ए–अकबरी में

प्रश्न 3. जहांगीर ने किस पेय पदार्थ पर प्रतिबंध लगा दिया था ?

उत्तर :– तम्बाकू

प्रश्न 4. मुद्रा की फेरबदल करने वाले को किस नाम से जाना जाता था ?

उत्तर :– सर्राफ

प्रश्न 5. महाराष्ट्र प्रात के धनी अथवा सम्पन्न किसान क्या कहलाते थे ?

उत्तर :– मिरासदार

प्रश्न 6. 16वीं–17वीं शताब्दी में ग्रामीण आबादी कितने प्रतिशत थी ?

उत्तर :– 85%

प्रश्न 7. जमीन जिसमें एक के बाद एक हर फसल की सालाना खेती होती थी ?

उत्तर :– पोलज

प्रश्न 8. जिन्स ए कामिल फसल किसे कहां जाता था ?

उत्तर :– कपास एवं गन्ने की फसल।

प्रश्न 9. वह भूमि जो 3 या 4 वर्ष से खाली रहती थी ?

उत्तर :– चाचर भूमि

प्रश्न 10. आइन–ए–अकबरी के कितने भाग (अध्याय) है ?

उत्तर :– पाँच भाग

प्रश्न 11. तम्बाकू का पौधा सर्वप्रथम भारत के किस क्षेत्र में पहुँचा था ?

उत्तर :– दक्कन क्षेत्र

प्रश्न 12. बिहार के मल्लाह जाति के लोग किस श्रेणी में गिने जाते थे ?

उत्तर :– दास या निम्न श्रेणी में

शुभारंभ मिशन 100

खण्ड (ब)

अंक भार प्रत्येक –2

लघुत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 1:. जजमानी प्रथा क्या थी ?

उत्तर :– यह व्यवस्था कभी–कभी थोड़े बदले हुए रूप में भी पायी जाती थी जहाँ दस्तक और हरेक खेतिहर परिवार परस्पर बातचीत करके अदायगी की किसी एक व्यवस्था पर राजी होते थे। ऐसे में आमतौर पर वस्तुओं और सेवाओं का विनिमय होता था। उदाहरण के तौर पर 18वीं के स्त्रोत बताते है कि बंगाल में जमींदार उनकी सेवाओं के बदले लोहारों, बढ़ई और सुनाओं तक को रोज एक भत्ता और खाने के लिए अनाज देते थे।

प्रश्न 2. एक ''छोटा गणराज्य'' की अवधारणा क्या थी ?

उत्तर :– 19वीं सदी के कुछ अंग्रेज अफसरों ने भारतीय गाँवों को एक ऐसे ''छोटे गणराज्य'' के रूप में देखा जहाँ लोग सामूहित स्तर पर भाईचारे के साथ संसाधनों और श्रम का बँटवारा करते थे। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि गाँव में सामाजिक बराबरी थी। संपति की व्यक्तिगत मिल्कियत होती थी, साथ ही जाति और जेंडर के नाम पर समाज में गहरी विषमताएँ थी। कुछ ताकतवर लोग गाँव के मसलों पर फैसले लेते थे और कमजोर वर्गों का शोषण करते थे। न्याय करने का अधिकार भी उन्हीं को मिला हुआ था।

प्रश्न 3. खुद काश्त व पाहि–काश्त कौन थे ?

उत्तर :– खुद काश्त वे किसान थे जो उन्हीं गाँवों में रहते थे जिनमें उनकी जमीन थी। दूसरे (पाहि–काश्त) वे खेतिहर थे जो दूसरे गाँवों से ठेके पर खेती करने आते थे। लोग अपनी मर्जी से भी पाहि–काश्त बनते थे (मसलन, अगर कर की शर्ते किसी दूसरे गाँव में बेहतर मिले) और मजबूरन भी (मसनल, अकाल या भूखमरी के बाद आर्थिक परेशानी से)

प्रश्न4 . मुगलकालीन ग्रामीण समुदाय का संक्षिप्त वर्णन करो ?

उत्तर :– किसान की अपनी जमीन पर व्यक्तिगत मिल्कियत होती थी। साथ ही जहाँ तक उनके सामाजिक अस्तित्व का सवाल है, कई मायनों में वे एक सामूहिक ग्रामीण समुदाय का हिस्सा थे। इस समुदाय के तीन घटक थे–खेतिहर किसान, पंचायत और गाँव का मुखिया (मुकद्दम या मंडल)

प्रश्न 5. आइन–ए–अकबरी पर एक लेख?

उत्तर :– आइन–ए–अकबरी आँकड़ो के वर्गीकरण के एक बहुत बड़े ऐतिहासिक और प्रशासनिक परियोजना का नतीजा थी जिसका जिम्मा बादशाह अकबर के हुक्म पर अबुल फजल ने उठाया था। आइन पांच भागो (दफ्तर) का संकलन है जिसके पहले तीन भाग प्रशासन का विवरण देते है।

प्रश्न 6. मुगल शासन में जमींदार किसे कहा जाता था, इनकी सामाजिक स्थिति क्या थी ?

उत्तर :– जमींदार जो अपनी जमीन के मालिक होते थे और जिन्हें ग्रामीण समाज में ऊँची हैसियत की वजह से कुछ खास सामाजिक और आर्थिक सुविधाएँ मिली हुई थी। जमीदारों की बढ़ी हुई हैसियत के पीछे एक कारण जाति थी,

शिक्षावाहिनी मिशन 100

दूसरा कारण यह था कि वे लोग राज्य को कुछ खास किस्म की सेवाएँ (खिदमत) देते थे। जमींदारों की समृद्धि की वजह थी उनकी विस्तृत व्यक्तिगत जमीन जिसे मिल्कियत कहते थे।

प्रश्न **7** मुगलकालीन भू–राजस्व व्यवस्था के बारे में बताइये ?

उत्तर :– जमीन से मिलने वाला राजस्व मुगल साम्राज्य की आर्थिक बुनियाद थी। इस कारण से कृषि उत्पादन पर नियंत्रण रखने के लिए और तेजी से फैलते साम्राज्य के तमाम इलाकों में राजस्व आकलन व वसूली के लिए यह जरूरी था कि राज्य एक प्रशासनिक तंत्र खड़ा करे। दीवान, जिसके दफ्तर पर पूरे राज्य की वित्तीय व्यवस्था के देखरेख की जिम्मेदारी थी, इस तंत्र में शामिल था।

प्रश्न **8** मुगलकालीन राजस्व व्यवस्था जमा एवं हासिल क्या थे ?

उत्तर :– भू–राजस्व के इंतजामात में दो चरण थेः पहला कर निर्धारण और दूसरा वास्तविक वसूली। जमा निर्धारित रकम थी और हासिल सचमुच (वास्तविक) वसूली गई रकम थी। अमील–गुजार या राजस्व वसूली करने वालों के कामों की सूची में अकबर ने यह हुक्म दिया कि जहाँ उस (अमील गुजार को) कोशिश करनी चाहिए कि खेतीहर नकद भुगतान करे, वही फसलों में भुगतान का विकल्प भी खुला रहे।

प्रश्न**9** . मुगलकालीन कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका ?

उत्तर :– सूत कातने, बर्तन बनाने के लिए मिट्टी को साफ करने गूँधने, और कपड़ों पर कढ़ाई जैसे दस्तकारी के काम उत्पादन के ऐसे पहलू थे जो महिलाओं के श्रम पर निर्भर थे। किसी वस्तु का जितना वाणिज्यीकरण होता था, उसके उत्पादन के लिए महिलाओं के श्रम की उतनी ही माँग होती थी दरअसल किसान और दस्तकार महिलाएँ जरूरत पड़ने पर न सिर्फ खेतों में काम करती थी बल्कि नियोक्ताओं के घर पर भी जाती थी और बाजार में भी।

प्रश्न**10**. अकबर के शासनकाल में भूमि के वर्गीकरण को समझाइये ?

उत्तर :– आइन–ए–अकबरी में भूमि को 4 भागों में वर्गीकरण किया गया है।

1. पोलज – उपजाऊ जमीन जिस पर प्रतिवर्ष खेती होती है।
2. परौती – कुछ समय के लिए उर्वरा शक्ति प्राप्त करने हेतु खाली छोड़ी जाती है।
3. चाचर –वह जमीन जो 3–4 वर्षो तक खाली छोड़ी जाती है।
4. बंजर – वह जमीन जिस पर 5 या अधिक वर्षो से खेती नहीं की गयी हो।

शेखावाटी मिशन 100

अध्याय–9 शासक और इतिवृत्त : मुगल दरबार (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियां)

(अंकभार–4)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–

1. मुगल साम्राज्य का संस्थापक कौन था ?

(अ) जहीरूद्दीन बाबर (ब) जलालुद्दीन अकबर (स) नसीरूद्दीन हुमायूँ (द) नरूद्दीन मोहम्मद जहांगीर उत्तर (अ)

2. अंतिम मुगल बादशाह कौन था ?

(अ) औंरगजेब (ब) बहादुरशाह जफर (स) बहादुरशाह प्रथम (द) आलमगीर द्वितीय उत्तर (ब)

3. मुगलों की मातृभाषा कौन सी भाषा थी ?

(अ) फारसी (ब) हिन्दवी (स) उर्दू (द) तुर्की उत्तर (द)

4. महाभारत का फारसी अनुवाद किस नाम से है ?

(अ) हम्जनामा (ब) रज्मनामा (स) अकबरनामा (द) बाबरनामा उत्तर (ब)

5. अकबर में ''जरी कलम'' के खिताब से किसे नवाजा ?

(अ) मुहम्मद हुसैन (ब) अबुल फजल (स) फैजी (द) अब्दुसम्मद उत्तर (अ)

6. बादशाहनामा किस मुगल बादशाह के शासनकाल में लिखा गया ?

(अ) अकबर (ब) हुमायूँ (स) जहांगीर (द) शाहजहाँ उत्तर (द)

7. किस शासक ने तीर्थयात्रा (1563 ई.) कर तथा जजिया (1564 ई.) में समाप्त कर दिया था ?

(अ) अकबर (ब) हुमायूँ (स) जहांगीर (द) शाहजहाँ उत्तर (अ)

8. फतेहपुर सीकरी (1570 के दशक) में नयी राजधानी किस मुगल बादशाह ने बनाई थी ?

(अ) शाहजहाँ (ब) हुमायूँ (स) अकबर (द) हुमायूँ उत्तर (स)

9. हुमायूँनामा किसके द्वारा लिखा गया ?

(अ) मुमताज महल (ब) गुलबदन बेगम (स) जहाँआरा (द) रोशनआरा उत्तर (ब)

10. कंधार अकबर द्वारा पुनः कब जीता गया था ?

(अ) 1580 ई. (ब) 1585 ई. (स) 1590 ई. (द) 1595 ई. उत्तर (द)

11. पहला जेसुइट शिष्टमंडल फतेहपुर सीकरी के मुगल दरबार में कब पहुँचा ?

(अ) 1580 ई. (ब) 1585 ई. (स) 1570 ई. (द) 1575 ई. उत्तर (अ)

12. सुलह–ए–कुल (पूर्ण शांति) की नीति किसके द्वारा शुरू की गई थी ?

(अ) बाबर (ब) हुमायूँ (स) अकबर (द) जहांगीर उत्तर (स)

2. अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 1. ईरान से मुगल दरबार में आने वाले दो प्रसिद्ध चित्रकारों के नाम लिखिए ?

उत्तर :– 1. मीर सै˛यद अली 2. अब्दुस्समद

शेखावाटी मिशन 100

प्रश्न 2. मुगलकालीन तीन प्रांतीय अधिकारियों के नाम का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर :– 1. दीवान 2. बख्शी 3. सूबेदार

प्रश्न 3. फतेहपुर सीकरी में इबादखाने का निर्माण किस शासक ने करवाया ?

उत्तर :– अकबर

प्रश्न 4. रूडयार्ड किपलिंग की पुस्तक जिसके नायक का नाम मोगली है, कौनसी है ?

उत्तर :– जंगल बुक

प्रश्न 5. मुहम्मद काजिम द्वारा औरंगजेब के शासनकाल के पहले 10 वर्षों का इतिहास किस नाम से संकलित किया गया ?

उत्तर :– आलमगीरनामा

प्रश्न 6. इतिहासकार अबुल फजल ने जादुई कला किसे कहा है ?

उत्तर :– चित्रकारी को

प्रश्न 7. अकबर ने गुजरात विजय की स्मृति स्वरूप किस इमारत का निर्माण करवाया ?

उत्तर :– फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाजा

प्रश्न 8. आगरे के किले का निर्माण किसने करवाया ?

उत्तर :– 1560 के दशक में अकबर द्वारा बलुआ पत्थर से।

प्रश्न 9. गैर–मुसलमानों पर जजिया पुनः किस मुगल शासक ने लगा दिया था ?

उत्तर :– औरंगजेब

प्रश्न 10. अकबरनामा का अंग्रेजी अनुवाद किसके द्वारा किया गया ?

उत्तर :– हेनरी बेवरिज द्वारा

3. लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. जहांगीर का न्याय की जंजीर क्या थी ?

उत्तर :– वाकयात–ए–जहाँगीरी नामक ग्रंथ से ज्ञात होता है कि जहाँगीर ने आगरा किला से यमुना नदी के किनारे तक 30 गज लम्बी एक सोने की जंजीर जिसमें 60 घंटिया लटकी हुई थी। टंगवाई जिसे न्याय की जंजीर कहा जाता है। इसका उद्देश्य फरियादी को सम्राट तक सीधा फरियाद का अवसर प्रदान करना।

प्रश्न 2. चार तसलीम तथा जमीबोस (जमीन चूमना) क्या थे ?

उत्तर :– शासक को किए गए अभिवादन के तरीके से पदानुक्रम में उस व्यक्ति की हैसियत का पता चलता था जैसे जिस व्यक्ति के सामने ज्यादा झुककर अभिवादन किया जाता था, उस व्यक्ति की हैसियत ज्यादा ऊँची मानी जाती थी। आत्मनिवेदन का उच्चतम रूप सिजदा था दंडवत लेटना था। शाहजहाँ के शासनकाल में इन तरीकों के स्थान पर चार तसलीम तथा जमींबोसी (जमीन चूमना) के तरीके अपनाएं गए।

प्रश्न 3. मसनबदारी व्यवस्था में जात एवं सवार क्या थे ?

ओरंगाबादी मिशन 100

उत्तर :– जात का अर्थ सैनिक पद से तथा सवार का अर्थ घुड़सवारों की संख्या से था जो मनसबदार को रखनी पड़ती थी। प्रत्येक मनसबदार को एक साथ जात और सवार के पद प्रदान किए गए जैसे 5000/5000 सवार मनसब द्वारा किसी व्यक्ति के सैनिक दायित्व का निर्धारण होता था। प्रत्येक स्थिति में सवार मनसब की संख्या जात मनसब से अधिक नहीं होती थी।

प्रश्न 4. मनसबदारी प्रथा क्या थी ? मुगल सम्राटों में किसने प्रारंभ की थी।

उत्तर :– मनसब फारसी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है ''पद'' यह मंगोलों की दशमलव पद्धति पर आधारित थी। इस प्रथा की उत्पति मध्य एशिया में हुआ था। इसका मूल चंगेज खाँ की व्यवस्था में देखा जा सकता है। जिसने दशमलव प्रणाली पर अपनी सेना का गठन किया था। मुगलकाल में मनसबदारी व्यवस्था का प्रारंभ अकबर ने किया था। न्यूनतम मनसब अंक 10 था और अधिकतम 10,000 था। दस हजार मनसब युवराज सलीम का दिया गया था।

प्रश्न 5. मुगलकालीन प्रांतीय प्रशासन का संक्षिप्त परिचय दीजिए ?

उत्तर :– प्रशासन की सुविधा के लिए सर्वप्रथम अकबर ने अपने शासनकाल के 24वें वर्ष अर्थात् 1580ई. में सम्पूर्ण साम्राज्य को 12 सूबो (प्रांतो) में विभाजित किया था।

1. सिपहसालार (सूबेदार) प्रात में बादशाह का प्रतिनिधि तथा प्रशासन का सर्वोच्च अधिकारी होता था।
2. बख्शी – केन्द्रीय शासन की भांति प्रांतो में भी एक बख्शी होता था।
3. सद्र – उच्चकोटि का विद्वान और पवित्र आचरण वाला।
4. कोतवाल – प्रत्येक प्रांत के मुख्यालय में एक कोतवाल होता था।

प्रश्न 6. मुगलकालीन चित्रकला के बारे में संक्षिप्त वर्णन करो ?

उत्तर :– मुगल चित्रकला की नीवं हुमायूँ के समय में ही पड़ी। हुमायूँ ने हम्जनामा को चित्रित करने के लिए मीर सैयद अली को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। अब्दुस्समद अकबर के समय का कुशल चित्रकार था। इसकी के अधीन अकबर ने एक अलग विभाग को स्थापना की थी। जहांगीर का काल मुगल चित्रकला का चर्मोत्कर्ष था। अबुल हसन को जहांगीर ने नादिर–उल–जमा की उपाधि प्रदान की थी। उस्ताद मंसूर को नासिर–उल–अस्त्र की उपाधि प्रदान की गयी थी।

प्रश्न 7. मुगलों के कंधार विजय का वर्णन कीजिये ?

उत्तर :– बाबर के समय से ही कंधार मुगल साम्राज्य का अभिन्न अंग माना जाता था। 1595ई. में अकबर ने खाने खाना को कंधार विजित करने को भेजा वहां के शासक मुजफ्फर मिर्जा ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली। 1622ई. में जहांगीर के समय में कंधार मुगलों के नियंत्रण से निकलकर ईरानियों के हाथ में चला गया। 14 फरवरी 1939ई. में ईरानी राज्यपाल अलीमर्दान ने कंधार का दुर्ग मुगलों को सौंप दिया। 11 फरवरी 1649ई. में पुनः ईरानी शासक शाह अब्बास द्वितीय का अधिकार हो गया। उसके उपरांत शाहजहां द्वारा 3 बार कंधार विजित करने के लिए अभियान भेजे (1649 ई., 1652 ई., 1653 ई.) लेकिन तीनों बार असफल रहा।

प्रश्न 7. मुगलकालीन पांडुलिपियों की रचना के बारे में बताइये ?

उत्तर :– मुगल भारत की सभी पुस्तकें पांडुलिपियों के रूप में थी अर्थात् वे हाथ से लिखी होती थी। पांडुलिपि रचना का मुख्य केन्द्र शाही किताबखाना था। नस्तलिक अकबर की पंसदीदा शैली थी। यह एक ऐसी तरल शैली थी जिसे लंबे सपाट प्रवाही ढंग से लिखा जाता था। इसे 5 से 10 मिलीमीटर की नोक वाले छँटे हुए सरकंडे, जिसे कलम कहा जाता है, के टुकड़े से स्याही में डुबोकर लिखा जाता है।

शेखावाटी मिशन 100

अध्याय–10 उपनिवेशवाद और दंहात (अंकभार–4)

प्रत्येक प्रश्न–4 अंक

लघु उत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 1. औपनिवेशिक काल में भारत के किस प्रांत में ग्रामीण समाज को पुनर्व्यवस्थित करने हेतू नयी कौनसी राजस्व प्रणाली स्थापित करने का प्रयत्न किया ?

उत्तर :– बंगाल प्रांत में इस्तमरारी बंदोबस्त

प्रश्न 2. इस्तमरारी बंदोबस्त बंगाल में कब लागू किया गया तथा उस समय बंगाल का गवर्नर जनरल कौन था ?

उत्तर :– 1793 ई. में गवर्नर जनरल लार्ड कार्नवालिस था।

प्रश्न 3. इस्तमरारी बंदोबस्त लागू करने के पिछे ब्रिटीश अधिकारियों की क्या मंशा थी ?

उत्तर :– 1. छोटे किसान एवं भूस्वामियों का एक ऐसा वर्ग का उदय होगा जिसके पास कृषि में सुधार के लिए पूँजी व उद्यम होंगे। 2. यह वर्ग कम्पनी के प्रति वफादार होगा।

प्रश्न 4. इस्तमरारी बंदोबस्त क्या है ?

उत्तर :– इसे स्थायी बंदोबस्त भी कहते है जो बंगाल के जमींदारों व कम्पनी के बीच कर वसूलने की एक स्थायी व्यवस्था थी जिसमें राजस्व की दर निश्चित होती थी। इस बंदोबस्त में जमीदार गाँव में भू–स्वामी नहीं बल्कि राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) होता था।

प्रश्न 5. सूर्यास्त विधि (कानून) क्या था ?

उत्तर :– निश्चित तारीख को सूर्य अस्त होने तक भुगतान नहीं आने पर जमींदारी को नीलाम किया जा सकता था।

प्रश्न 6. जमींदार किस अधिकारी के माध्यम से राजस्व का संग्रहण करता था ?

उत्तर :– अमला

प्रश्न 7. ''रैयत'' शब्द किसके लिए प्रयोग में लाया जाता था ? क्या वे स्वयं खेती करते थे ?

उत्तर :– किसान।

बंगाल के रैयत खुद काश्त न करके शिकमी रैयत को आगे पट्टे पर दे दिया करते थे।

प्रश्न 8. जोतदार कौन थे ?

उत्तर :–उत्तरी बंगाल के धनी किसानों को जोतदार कहते थे जो बटाईदारों के माध्यम से खेती करते थे। स्थानीय व्यापार और साहूकार के कारोबार पर इनका नियंत्रण था।

प्रश्न 9. बटाईदारों का क्या कार्य होता था ?

शेखावाटी मिशन 100

उत्तर :– इन्हें अधियारों या बरगादार भी कहते थे जो स्वयं के हल से खेती करते थे तथा उपज का आधा हिस्सा जोतदारों को देते थे।

प्रश्न 10. कुदाल एवं हल किन लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है ?

उत्तर :–कुदाल– पहाड़िया लोगों का

हल–संथाल लोगों का

प्रश्न 11. पहाड़िया लोग मैदानी भागों पर आक्रमण क्यों करते थे ?

उत्तर :– अ. अभाव एवं अकाल के वर्षों में जीवित रहने के लिए

ब. मैदानी लोगों पर अपनी ताकत दिखाने के लिए।

प्रश्न 12. संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था ?

उत्तर :– सिंधू मांझी ने।

प्रश्न 13. दक्कन में सर्वप्रथम आन्दोलन कहा शुरू हुआ तथा कब हुआ ?

उत्तर :– पूना के गाँव सूपा में जहाँ विपणन केन्द्र था। 1875 ई. में

प्रश्न 14. दक्कन में हुए विद्रोह का स्वरूप क्या था ?

उत्तर :– 1. सभी जगह साहूकारों पर हमले हुए।बही खाते जला दिये गये। 2. ऋणबंध नष्ट कर दिए गए।

प्रश्न 15. रैयतवाड़ी राजस्व व्यवस्था के बारे में बताइए ?

उत्तर :– 1. इसमें राजस्व की राशि सीधे रैयत से तय की जाती थी। 2. औसत आय का अनुमान लगाकर राजस्व तय किया जाता था। 3. हर तीस साल में राजस्व का निर्धारण पुनः किया जाता था।

प्रश्न 16. ढक्कन दंगा रिपोर्ट में किन तथ्यों का संकलन किया गया था ?

उत्तर :–अ. रैयत, साहूकार एवं चश्मदीद गवाहों के बयान

ब. विभिन्न क्षेत्रों की राजस्व की दर, कीमतों एवं ब्याज के आँकड़े

स. जिला क्लेक्टरों द्वारा भेजी गई रिपोर्ट

प्रश्न 17. ''ताल्लुकदार'' शब्द को परिभाषित कीजिए ?

उत्तर :– वह व्यक्ति जिसके साथ ताल्लुक यानी संबंध हो। आगे चलकर इसका अर्थ क्षेत्रीय इकाई हो गया।

प्रश्न 18. फ्रांसिस बुकानन कौन थे ?

उत्तर :– ये चिकित्सक थे, इन्होंने कलकत्ता में चिड़ियाघर की स्थापना की, भूमि का सर्वेक्षण किया, बंगाल के दिनाजपुर के जोतदारों का उल्लेख किया है। इन्होंने कलकत्ता में एक चिड़ियाघर की स्थापना की जो कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर कहलाया।

प्रश्न 19. ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई तथा इसका उद्देश्य क्या था ?

उत्तर :– कपास आपूर्ति संघ की स्थापना 1857 ई. में हुई। इसका उद्देश्य दुनिया के हर भाग में कपास के उत्पादन को प्रोत्साहित करना था।

अध्यापन मिशन 100

प्रश्न 20. इस्तमरारी बंदोबस्त व्यवस्था में जमींदारों की असफलता के क्या कारण थे ?

उत्तर :– अ. कम्पनी द्वारा राजस्व की दर ऊंची रखना कम्पनी का मानना था कि समय के साथ कृषि उत्पादन एवं कीमतों में वृद्धि होगी।

ब. ऊंची दर होने के कारण रैयत समय पर जमीदारों को राजस्व का भुगतान नहीं कर पाते थे।

स. फसल अच्छी हो या खराब राजस्व भुगतान का समय निश्चित था जिसे सूर्यास्त विधि कहते थे।

द. जमीदारों की शक्ति को रैयत से राजस्व इकट्ठा करने व जमींदारी का प्रबंध करने तक सीमित करना।

प्रश्न 21. औपनिवेशिक भारत में जमींदारों की शक्ति को नियंत्रित करने के लिए कंपनी ने क्या कदम उठाये ?

उत्तर :– अ. जमींदारों की सैन्य टुकड़ियों को भंग करना।

ब. सीमा शुल्क समाप्त करना।

स. स्थानीय न्याय एवं पुलिस व्यवस्था को समाप्त करना।

प्रश्न 22. जोतदार जमींदारों से किस प्रकार प्रभावशाली होते थे ?

उत्तर :– ये जमींदारों के विपरित गाँवों में रहते थे जिससे ग्रामीणों पर उनका सीधा नियन्त्रण होता था। जमीदार द्वारा लगान बढ़ाने का विरोध करते एवं अधिकारियों को कार्य करने से रोकते ताकि राजस्व भुगतान में देरी होने के कारण जमींदारों की जमींदारी को निलाम करवाकर जोतदार ही वो जमींदारी खरीद लेते थे

प्रश्न 23. इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद बहुत–सी जमीदारियॉ क्यों निलाम कर दी गई ?

उत्तर :–इस बंदोबस्त में राजस्व की दरे ऊँची होने, रैयतों द्वारा समय पर राजस्व का भुगतान नहीं करने के कारण जमींदारों का बकाया बढ़ता जाता रहा। जिसके कारण कम्पनी अपने बकाया राजस्व को वसूलने के लिए जमींदारों की संपदा को निलाम करती थी।

प्रश्न 24. जमींदार लोग अपनी जमींदारियों पर किस प्रकार नियंत्रण बनाये रखते थे ?

उत्तर :– अ. अपनी संपति को स्त्रियों के नाम कर के क्योंकि कम्पनी ने निर्णय ले रखा था कि स्त्रियों की संपति को छीना नहीं जाएगा।

ब. निलामी में अपने एजेन्टों के द्वारा ऊँची बोली लगाकर बेनामी खरीददारियॉ करना।

स. बाहरी व्यक्ति द्वारा नीलामी में खरीदी गई जमीन पर पुराने जमींदार के लठियाल एवं स्थानीय रैयतों के विरोध के कारण कब्जा नहीं मिल पाना।

प्रश्न 25. पॉचवीं रिपोर्ट पर टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर :– यह भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रशासन एवं क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई रिपोर्ट है जिसका आधार जमींदारों व रैयतों की अर्जिया, कलेक्टरों की रिपोर्ट, राजस्व विवरणों की सांख्यिकीय तालिकाएं एवं न्यायिक प्रशासन पर लिखित टिप्पणियाँ है। इसे ब्रिटिश संसद में 1813 ई. में पेश की गई।

प्रश्न 26. पहाड़िया लोगों ने बाहरी लोगों के आगमन पर कैसी प्रतिक्रिया दर्शाई ?

उत्तर :– इन लोगों का मानना था कि बाहरी लोग उनसे उनके जंगल और जमीन छीन कर उनकी जीवन शैली और जीवित रहने के साधनों को नष्ट कर देंगे।

शिक्षावाणी मिशन 100

प्रश्न 27. पहाड़िया लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी ?

उत्तर :— पहाड़िया लोग झूम खेती करते थे जिसमें जंगल के छोटे हिस्से में झाड़ियों को काटकर, घास–फूँस जलाकर कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच कर कृषि करते थे तथा शिकार करके रेश्म के कीड़े पालने व काठ कोयला बनाने के रूप में जंगल से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे तथा जंगल को निजी भूमि मानते थे जो इनकी पहचान व जीवन का आधार थी एवं बाहरी लोंगो के प्रवेश का प्रतिरोध करते थे।

संथाल लोग स्थायी कृषि करते थे, जंगलों को काटकर व हल से जोतकर बंजर जमीन को कृषि योग्य बनाने में सक्षम थें वाणिज्यिक फसलों की खेती करते थे तथा व्यापारियों व साहूकार दिकू से लेन देन करते थे।

प्रश्न 28. दामिन–ए–कोह पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए ?

उत्तर :— संथालों को स्थायी रूप से कृषि करने के लिए राजमहल की पहाड़ी की तलहटी में सीमांकन कर इस भूमि को संथालों की भूमि घोषित कर दी जिसमें यह तय किया गया कि प्रथम दस वर्ष में सीमांकित भाग के दसवें भाग को जोतना था।

प्रश्न 29. संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह क्यों किया ? विद्रोह का नेतृत्व किसने किया।

उत्तर :— संथालो ने जिस जमीन को साफ कर खेती शुरू की थी उस पर सरकार भारी कर लगा रही थी, साहूकार ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे व कर्ज अदा न करने पर जमीन छीन रहे थे तथा जमीदार दामिन–ए–कोह क्षेत्र पर नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

इस कारण संथाल लोग एक अलग क्षेत्र की आवश्यकता महसूस करने लगे जिस पर अपना शासन हो, जमींदारों साहूकारों व अग्रेंजो का हस्तक्षेप ना हो। इसका नेतृत्व सिंधू मांझी ने किया।

प्रश्न 30. अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया ?

उत्तर :— अमेरिकी गृहयुद्ध से पहले ब्रिटेन अमेरिकी कपास पर निर्भर था जो गृहयुद्ध से प्रभावित हुआ जिस पर भारतीय रैयतों को कपास की कृषि के लिए प्रोत्साहन दिया गया, कृषि क्षेत्र का विस्तार किया गया, जिस कारण भारतीय रैयतों की आमदनी में इजाफा हुआ तथा रैयत धनवान होने लगे।

प्रश्न 31. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रुद्ध क्यों थे ?

उत्तर :— 1. ऋणदाता वर्ग संवेदनहीन हो गया था वह रैयतों की हालत पर तरस नहीं खा रहा था।

2. ऋणदाता देहात के प्रथागत मानकों का भी उल्लंघन कर रहे थे।

3. सामान्य मानक यह था कि ब्याज मूलधन से अधिक नहीं लिया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था।

प्रश्न 32. ''भाड़ा–पत्र'' क्या होता था ?

उत्तर :— रैयत पर ऋणभार बढ़ जाता था तो ऋणदाता को उसे अपनी जमीन, गाड़ियॉ एवं पशुधन बेचना पड़ता था लेकिन इनके बिना रैयत का काम भी नहीं चलता था इसलिए ये चिजें वापस ऋणदाता से किराये पर ली जाती थी जो वास्तव में रैयत की ही थी इस आशय का एक किरायानामा लिखना पड़ता था जो भाड़ा–पत्र कहलाता था।

प्रश्न 33. अच्छी उपज के बाद भी दक्कन के रैयतों पर ऋणभार क्यों बढ़ता गया ?

श्रेष्ठता मिशन 100

उत्तर :– रैयतवाड़ी बंदोबस्त में 30 वर्ष बाद राजस्व का पुनः निर्धारण किया गया तो राजस्व को 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया कपास की किमते गिर रही थी एवं कपास का कृषि क्षेत्र गिर रहा था।

प्रश्न 34. रैयतों को ऋणदाताओं के चुंगल से बचाने के लिए अंग्रेजों ने क्या समाधान निकाला ?

उत्तर :– 1859 में एक परिसीमन कानून पारित किया जिसमें रैयत एवं ऋणदाता के बीच हस्ताक्षरित ऋणपत्र केवल तीन वर्षो के लिए ही मान्य होंगें जिसका उद्देश्य लम्बे समय तक ब्याज को संचित होने से रोकना था।

प्रश्न 35. दक्कन में साहूकार रैयतों को ठगने के क्या हथकंडे अपनाते थे ?

उत्तर :– अ. रैयत से हर तीसरे साल नया बंधपत्र भरवाते थे जिसमें मूलधन एवं ब्याज की राशि की जो बकाया होती थी नए बंधपत्र में शामिल कर लेते थे।

ब. ऋण पूरा चुकाने पर रसीद नहीं देते थे।

स. बंध पत्रों में जाली आंकड़े भरे होते थे।

द. किसानों की फसल नीची किमतों पर खरीदते थे।

प्रश्न 36. किसानों का इतिहास लिखने में सरकारी स्त्रोतों के उपयोग के बारे में क्या समस्याएँ आती है ?

उत्तर :– अ. सरकारी स्त्रोत लिखने वाले सरकार के प्रतिनिधि होते हैं। इसलिए इन पर पूर्ण विश्वास नहीं किया जा सकता है।

ब. सरकारी रिपोर्ट में किसानों के हितों को ध्यान में न रखते हुए व्यापारिक फसलों व अपने लाभ के बारे में जानकारी जुटाते है।

शेखावाटी मिशन 100

अध्याय–11 (विद्रोही और राज)	अंक भार (4)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है –
   (अ) लार्ड डलहौजी (ब) लार्ड कैनिंग (स) लार्ड वेलेजली (द) लार्ड रिपन (स)
2. .... को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था –
   (अ) मैसूर (ब) अवध (स) पंजाब (द) बंगाल (ब)
3. 1857 की क्रांति के समय भारत के गवर्नर जनरल कौन थे –
   (अ) लार्ड डलहौजी (ब) लार्ड कैनिंग (स) लार्ड वेलेजली (द) लार्ड रिपन (ब)
4. 1857 की क्रांति के दौरान ....में अंग्रेजों के खिलाफ सबसे लंबा प्रतिरोध चला –
   (अ) दिल्ली (ब) अवध (स) मेरठ (द) झांसी (ब)
5. ....की दोपहर बाद मेरठ छावनी में सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया –
   (अ) 18 मई 1857 (ब) 31 मई 1857 (स) 11 मई 1857 (द) 10 मई 1857 (द)
6. 11 मई 1857 को विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली को नियन्त्रण में लेकर......को अपना नेता घोषित कर दिया –
   (अ) कुंवर सिंह (ब) बहादुरशाह जफर (स) रानी लक्ष्मी बाई (द) तांत्या टापे (ब)
7. 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर ....रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित किया गया –
   (अ) झांसी (ब) बंगाल (स) पंजाब (द) अवध (द)
8. अवध राज्य ने सहायक संधि को कब स्वीकार किया –
   (अ) 1798 (ब) 1818 (स) 1801 (द) 1856 (स)
9. व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति लागू की –
   (अ) लार्ड डलहौजी (ब) लार्ड कैनिंग
   (स) लार्ड वेलेजली (द) लार्ड रिपन (अ)
10. सती प्रथा को अवैध कब घोषित किया गया –
    (अ) 1798 (ब) 1828 (स) 1829 (द) 1856 (स)
11. लखनऊ में ब्रिटिश राज के ढहने की खबर पर लोगों ने नवाब के युवा बेटे ....को अपना नेता घोषित कर दिया–
    (अ) वाजिद अली शाह (ब) बहादुरशाह जफर
    (स) बिरजिस कद्र (द) तांत्या टापे (स)
12. 1856 में अवध के किस नवाब को अपदस्थ कर अवध का विलय अंग्रेजी साम्राज्य में कर लिया –
    (अ) वाजिद अली शाह (ब) बहादुरशाह जफर
    (स) बिरजिस कद्र (द) शाहमल (अ)
13. उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना में ग्रामीणों को सगंठित कर विद्रोहियों को किसने नेतृत्व प्रदान किया –
    (अ) वाजिद अली शाह (ब) बहादुरशाह जफर

शेखावाटी मिशन–100

(स) बिरजिस कद्र (द) शाहमल (द)

14. 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक आजमगढ़ घाषणा कब की गई –

(अ) 25 अगस्त 1857 (ब) 31 मई 1857

(स) 11 मई 1857 (द) 10 अगस्त 1857 (अ)

15. छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम इलाके में .... कोल आदिवासियों का नेतृत्व संभाला –

(अ) अल्लारी सीताराम (ब) कुंवर सिंह

(स) बिरजिस कद्र (द) गोनू (द)

16. रंग बाग (प्लेजर गार्डन) का निर्माण किसने करवाया –

(अ) वाजिद अली शाह (ब) लार्ड कैनिंग (स) बिरजिस कद्र (द) नाना साहब (अ)

17. जस्टिस (न्याय) नामक चित्र में किस अंग्रेज महिला को कानपुर में विद्रोहियों का दमन करते हुए चित्रित किया गया है –

(अ) मिस कैथरीन (ब) रानी विक्टोरिया (स) मिस व्हीलर (द) रानी ऐलिजाबेथ (स)

18. रिलीफ ऑफ लखनऊ (लखनऊ की राहत) नामक चित्र किसने बनाया –

(अ) टॉमस जोन्स बार्कर (ब) पंच (स) मिस व्हीलर (द) जोजेफ नोएल पेटन (अ)

19. देशी राज्यों में नियुक्त गवर्नर जनरल के प्रतिनिधि को ....नाम से जाना जाता था –

(अ) कैप्टेन (ब) सार्जेन्ट (स) रेजीडेन्ट (द) सुबेदार (स)

20. इन मेमोरियम नामक चित्र ....द्वारा बनाया गया –

(अ) टॉमस जोन्स बार्कर (ब) पंच (स) मिस व्हीलर (द) जोजेफ नोएल पेटन (द)

शेखावाटी मिशन–100

दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

1. कम्पनी सरकार को अवध के विलय में क्यों दिलचस्पी थी ?

उत्तर अंग्रेजी कम्पनी सरकार उत्तर भारत के सबसे महत्वपूर्ण प्रान्त अवध को अंग्रेजी साम्राज्य में विलय को लेकर हमेशा आतुर थी क्योंकि यह क्षेत्र नील व कपास की खेती के लिए उपजाऊ था और इस क्षेत्र को एक बड़े बाजार में विकसित किया जा सकता था।

2. ''ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा ''उक्त कथन कब, किसने और किसके बारे में कहा ?

उत्तर 1851 में गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने अवध रियासत के बारे में कहा था कि ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।

3. अवध में 1857 की क्रान्ति के संघर्ष की व्यापकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर अवध 1857 की क्रान्ति का एक बड़ा केन्द्र था। अवध में अंग्रेजों के खिलाफ प्रतिरोध सबसे लम्बा चला। एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र के कम से कम तीन चौथाई वयस्क पुरूष आबादी विद्रोह में शामिल थी। अवध क्षेत्र में लड़ाई की बागडोर असल में ताल्लुकदारों और किसानों के हाथों में थी। अवध के अधिकांश ताल्लुकदार नवाब के प्रति अत्यधिक निष्ठावान थे इसलिए वे लखनऊ जाकर बेगम हजरत महल के खेमे में सम्मिलित हो गये। कुछ निष्ठावान ताल्लुकदारों ने बेगम की पराजय के बाद भी संघर्ष जारी रखा। कड़े संघर्ष के बाद ही अंग्रेज मार्च 1858 तक अवध क्षेत्र में पुनः नियन्त्रण स्थापित करने में कामयाब हुए।

4. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?

उत्तर अंग्रेजों ने उपद्रव शांत करने के लिए कई कानून पारित किये –

(1) समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू किया गया और सैनिक अधिकारियों के साथ–साथ आम अंग्रेजों को भी ऐसे भारतीयों पर मुकदमा चलाने और सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था।

(2) कानून और मुकदमें की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई और स्पष्ट कर दिया गया कि विद्रोह की केवल एक सजा हो सकती है : सजा –ए–मौत।

(3) अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।

5. 1857 की क्रांति को जनक्रांति की संज्ञा क्यों दी गई ?

उत्तर 1857 की क्रान्ति को देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इस जन क्रान्ति में देश के प्रत्येक धर्म, जाति व समूह ने साम्राज्यवादी शासन के विरूद्ध जाकर लड़ाई लड़ी और संयुक्त उद्देश्य बाबत संघर्ष में भाग लिया।

6. लार्ड डलहौजी का व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति क्या थी ?

उत्तर लार्ड डलहौजी ने व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति द्वारा कम्पनी के राज्य का विस्तार किया। इस नीति के तहत देशी राज्यों के शासकों पर दत्तक पुत्र गोद लेने की प्रथा पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगा दिया और उनकी मृत्यु के पश्चात उनके राज्य को कम्पनी राज्य में सम्मिलित कर लिया गया। इस नीति के तहत झांसी और सतारा का विलय कम्पनी राज्य में कर लिया गया। गोद निषेध प्रथा के अतिरिक्त अवध जैसे अंग्रेज समर्थक राज्य को भी 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर विलय किया गया।

शेखावाटी मिशन–100

7. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण बताइए।

उत्तर 1857 की क्रान्ति के लिए उतरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण –

(1) मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के साथ अपमानजनक व्यवहार

(2) व्यपगत नीति के आधार पर राज्यों का विलय

(3) अवध का कुशासन के आधार पर विलय

(4) जमींदारों में अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष

8. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख सैनिक कारण बताइए।

उत्तर 1857 की क्रान्ति के लिए उत्तरदायी प्रमुख सैनिक कारण –

(1) अवध के सैनिकों में असंतोष

(2) यूरोपीय अधिकारियों के द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ अपमानजनक व्यवहार

(3) सैनिकों में वेतन के मामले में असंतोष

(4) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह

9. 1857 की क्रांति के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान था। व्याख्या कीजिए।

उत्तर 1857 के जन विद्रोह के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान रहा, प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित हैं–

(1) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह – 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण

(2) स्थापना के 100 साल बाद ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के समाप्त होने की भविष्यवाणी

(3) चपातियों के वितरण की घटना

(4) आटे में हड्डियों के चूरा मिलावट की अफवाह

10. 1857 की क्रांति में शाहमल के योगदान का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तर उत्तर–प्रदेश के बड़ौत परगना के क्षेत्र के किसानों और काश्तगारों को अंग्रेजी शासन का प्रतिरोध के लिए शाहमल ने संगठित किया। शाहमल के नेतृत्व में व्यापक विद्रोह हुआ। शाहमल ने अंग्रेज अधिकारी के बंगले पर कब्जा करके उसे न्याय भवन की संज्ञा दी और प्रशासनिक व्यवस्था लागू की। स्थानीय लागे उन्हें राजा नाम से संबोधित करते थे। अंग्रेजों के साथ संघर्ष में जुलाई 1857 को शाहमल वीरगति को प्राप्त हुए।

11. 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्रों और नेतृत्वकर्त्ताओं के नाम बताइए।

उत्तर प्रमुख केन्द्र	**नेतृत्वकर्त्ता**
दिल्ली	मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर
कानपुर	नाना साहब
झांसी	रानी लक्ष्मी बाई
अवध (लखनऊ)	बेगम हजरत महल
जगदीशपुर /आरा (बिहार)	जमींदार कुंवर सिंह

शेखावाटी मिशन—100

12. 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण क्या था ?

उत्तर कम्पनी सरकार ने पुरानी ब्राउन बैस बन्दूक के स्थान पर नई एनफील्ड राइफल का प्रयोग आरम्भ किया। इस राइफल में जो कारतूस भरी जाती थी, उसे दाँत से काटना पड़ता था। सैनिकों में अफवाह फैल गई कि इस कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी मिली हुई है। धार्मिक विश्वासों के कारण सैनिकों में भयंकर असंतोष फैल गया।

13. कला और साहित्य ने रानी लक्ष्मीबाई को 1857 की क्रान्ति की नायिका के रूप में कैसे पेश किया है ?

उत्तर इतिहास लेखन की तरह कला और साहित्य ने भी 1857 की क्रान्ति के नायकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने में योगदान दिया है। राष्ट्रवादी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने रानी लक्ष्मीबाई की स्मृति मे ''खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसीवाली रानी थी'' जैसी कालजयी कविता की रचना की। रानी लक्ष्मी बाई को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही है। लोक छवियों में रानी लक्ष्मीबाई को प्रायः अन्याय और विदेशी शासन के दृढ़ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है।

14. 1857 की क्रांति के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले प्रमुख सरकारी दस्तावजों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर 1857 की क्रान्ति के बारे में अनेक सरकारी ब्यौरे उपलब्ध हैं। औपनिवेशिक प्रशासकों और सैन्य अधिकारियो की चिट्ठियों, डायरियों, आत्मकथाओं और सरकारी रिकॉर्ड्स से विद्रोह कालीन परिस्थितियों की वास्तविक जानकारी प्राप्त होती है। असंख्य मेमों, नोट्स के जरिए सरकारी सोच व रवैये को समझा जा सकता है।

15. सहायक संधि प्रथा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर देशी राज्यों पर प्रभुत्व स्थापित करने के उद्देश्य से 1798 ई. में तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड वेलेजली ने देशी राज्यों के साथ सहायक संधि लागू की। सहायक संधि के प्रावधानानुसार –

(1) देशी राज्य को अपने खर्चे पर कम्पनी की एक सैनिक टुकड़ी अपने राज्य में रखनी होती थी।

(2) सबंधित देशी राज्य के दूसरों राज्यों के साथ कूटनीतिक संबंध पूर्ण रूप से कम्पनी सरकार के अधीन हो जाते थे क्योंकि बिना कम्पनी की अनुमति के देशी राज्य न तो अन्य राज्य से संधि कर सकते थे और न ही युद्ध।

(3) सहायक संधि अपनाने वाले देशी राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी कम्पनी की तय की गई।

निष्कर्षत : यह कहा जा सकता है कि सहायक संधि स्वीकार करने वाले देशी राज्य अंग्रेज कम्पनी की दया पर आश्रित हो गए।

16. 1857 की क्रांति के प्रमुख परिणाम बताइए।

उत्तर 1857 की क्रान्ति के प्रमुख परिणाम –

(1) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन का अंत।

(2) भारत सरकार अधिनियम 1858 से ब्रिटेन के भारतीय क्षेत्रों को ब्रिटिश रानी के नाम पर शासित किया जाने लगा।

(3) घोषणा के द्वारा देशी राज्यों को विश्वास दिलाया गया कि भविष्य में भारत मे ं ब्रिटिश प्रशासित राज्य का विस्तार नहीं किया जायेगा।

(4) 1857 की क्रांति के फलस्वरूप भारतीय लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार हुआ और भारतीय राष्ट्रीय आदोलन का प्रारंभ माना जाता है।

17. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी धार्मिक कारण बताइए।

उत्तर 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी धार्मिक कारण –

(1) ईसाई धर्मप्रचारक भारतीय लोगों को लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

(2) लार्ड विलियम बैंटिक ने सती प्रथा सहित अनेक समाज सुधार किये जिसे भारतीयों ने अपने धर्म व संस्कृति पर अनुचित हस्तक्षेप माना।

(3) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह व सामुद्रिक यात्रा से सैनिकों में तीव्र धार्मिक असंतोष पनपा।

***

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय-12
औपनिवेशिक शहर (अंकभार-05)

अतिलघूतरात्मक प्रश्न-

प्र-1 बम्बई ईस्ट इंण्डिया कम्पनी को कब व कैसे प्राप्त हुआ ?

उत्तर- 1661 ई. में ब्रिटेन के महाराजा ने कम्पनी को किराये पर दिया तथा ब्रिटिश सम्राट को यह पुर्तगाल से दहेज में प्राप्त हुआ था।

प्र-2 मध्यकालीन शहरों की व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी किस अधिकारी की होती थी ?

उत्तर- कोतवाल की।

प्र-3 किस वायसराय ने कब शिमला में अधिकृत रूप में काउंसिल स्थानान्तरित की थी ?

उत्तर- वायसराय जॉन लॉरेन्स ने 1864 ई. में।

प्र-4 अंग्रेजों ने पूर्वी तट पर व्यापारिक चौकी कहाँ स्थापित की थी ?

उत्तर- 1639 ई. में मद्रासपटम में जिसे स्थानीय लोग चेनापट्टनम कहते थे। कम्पनी ने यहाँ बसने के अधिकार तेलुगू सामंतों एवं काला हस्ती के नायकों से खरीदा था।

प्र-5 'पेठ' शब्द का अर्थ बताइए ?

उत्तर- यह एक तमिल शब्द है जिसका अर्थ होता है-बस्ती।

प्र-6 प्लासी का युद्ध, कब, किनके बीच हुआ एवं इसका क्या परिणाम निकला ?

उत्तर- प्लासी का युद्ध 1757 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी व बंगाल के नवाब सिराजुदौला के मध्य हुआ। इसमें सिराजुदौला की पराजय हुई।

प्र-7 कलकता की स्थापना किन गाँवों को मिलाकर की गई थी ?

उत्तर- कलकता नगर की स्थापना सुतानाती, कोलकाता और गोविन्दपुर।

प्र-8 कलकता में गवर्नमेंट हाउस के नाम से महल किसने बनवाया था ?

उत्तर- लार्ड वेलेजली ने, जो बाद में गर्वनर जनरल का निवास बना।

प्र-9 लॉटरी कमेटी की स्थापना कब व क्यों की गई ?

उत्तर- 1817 ई. में, कलकता में नगर सुधार के लिए पैसों की व्यवस्था जनता के बीच लॉटरी बेचकर की जाती थी।

प्र-10 ईस्ट इण्डिया कम्पनी चीन को अफीम का निर्यात किस बंदरगाह से करती थी ?

उत्तर- बम्बई बंदरगाह से।

प्र-11 ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा अपनी बस्तियों की किलेबंदी करने का प्रमुख उद्देश्य क्या था ?

उत्तर- बस्तियाँ वस्तुओं के संग्रह का केन्द्र थी। इसलिए यूरोपीय कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा के उद्देश्य से इनकी किलेबंदी की गई थी।

प्र-12 मद्रास, कलकता एवं बम्बई की कम्पनी के आबादी क्षेत्र किस नाम से जाने जाते है ?

उत्तर- मद्रास- फोर्ट सेंट जॉर्ज।
कलकता- फोर्ट विलियम
बम्बई- फोर्ट

प्र-13 "व्हाइट" और "ब्लैक" टाउन शब्दों का क्या महत्व था ?

उत्तर- यूरोपीय लोगों के रहने के स्थान व्हाइट टाउन कहलाते थे।
भारतीय लागों के रहने के स्थान ब्लैक टाउन कहलाते थे।

प्र-14 कानपुर एवं जमशेदपुर औद्योगिक शहर किसके उत्पादन के लिए प्रसिद्ध थे ?

उत्तर- कानपुर- चमड़े की वस्तुएं एवं सूती व ऊनी कपड़ों के लिए।
जमशेदपुर- स्टील उत्पादन के लिए।

प्र-15 औपनिवेशिक काल में स्थापित दो हिल स्टेशनों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- हिल स्टेशन (पवतीय सैरगाह) की स्थापना का संबंध ब्रिटिश सेना की जरूरतों से था। शिमला की स्थापना गुरखा युद्ध के समय की गई थी। माऊण्ट आबू एवं दार्जीलिंग की स्थापना की गई।

प्र-16 ''19वीं सदी के दौरान औपनिवेशिक शहरों में महिलाओं के लिए अवसर उपलब्ध थे।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए ?

उत्तर- महिलाएं पत्र-पत्रिकाओं, आत्मकथाओं और पुस्तकों के माध्यम से समाज में अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू कर दी थी। समय बीतने पर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने लगी। वे नौकरानी, फैक्ट्री मजदूर, शिक्षिका, रंगकर्मी एवं फिल्म कलाकारों के रूप में सामने आने लगी।

प्र-17 आँकड़ों के वर्गीकरण व एकत्रीकरण में जनगणना कमिश्नर के सामने कौनसी कठिनाईयां आती थी ?

उत्तर- (i) गलत सूचना देते थे। व्यक्ति अपने आप को सम्मानित बनाने के लिए व्यवसाय की सही जानकारी नहीं देते थे।

(ii) मृत्यु-दर एवं बिमारियों से संबंधित जानकारी भी गलत देते थे।

प्र-18 स्थापत्य शैलियां ऐतिहासिक दृष्टि से किस प्रकार महत्वपूर्ण है ?

उत्तर- (i) शैलियां तथा इमारते उन लोगों की सोच के बारे में बताती है जो उन्हें बनाते है।

(ii) इनसे अपने समय के सौन्दर्यात्मक आदर्शों तथा उनमें निहित विविधताओं का पता चलता है।

(iii) इमारतों के माध्यम से शासक अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते है। ये राष्ट्रवाद एवं धार्मिक वैभव की भी प्रतिक है।

प्र-19 ''आमार कथा'' (मेरी कहानी) किसने लिखी तथा यह किस पर आधारित है ?

उत्तर- यह विनोदिनी दासी ने लिखी थी। जो बंगाली रंगमंच की अदाकारा थी। इसमें इसने समाज में औरतों की समस्याओं पर केन्द्रित भूमिकाएं निभाई थी।

प्र-20 अंग्रेजों द्वारा यूरोपीय शैली में स्थापत्य निर्माण के पीछे क्या मंशा थी ?

उत्तर- (i) अजनबी देश में जाना-पहचाना सा भू-दृश्य रचने एवं उपनिवेश में घर जैसा महसूस करना।

(ii) यूरोपीय शैली को वे श्रेष्ठता, अधिकार और सत्ता का प्रतीक मानते थे।

(iii) यूरोपीय शैल के भवन भारतीय प्रजा व स्वामियों के बीच के फर्क को दिखाती है।

प्र-21 भारतीय व्यापारियों को नव-गॉथिक शैली रास क्यों आई ?

उत्तर- उनको लगता था कि अंग्रेजों द्वारा लाए गए बहुत सारे विचारों की तरह उनकी भवन निर्माण शैलियां भी प्रगतिशील है और उनके कारण बम्बई को एक आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी।

प्र-22 'गेटवे ऑफ इण्डिया' कब एवं कहाँ बनाया गया तथा इसका निर्माण किस शैली में हुआ ?

उत्तर- 'गेटवे ऑफ इण्डिया' का निर्माण 1911 ई. में बम्बई में गुजरात शैली में किया गया।

प्र-23 'गेटवे ऑफ इण्डिया' का निर्माण किसलिए किया गया था ?

उत्तर- गेटवे ऑफ इण्डिया का निर्माण ब्रिटिश राजा जॉर्ज पंचम और उनकी पत्नी मेरी के स्वागत के लिए किया गया था।

प्र-24 'चॉल' किन भवनों को कहा जाता था ?

उत्तर- बम्बई में खास तरह की इमारतों को चॉल कहा जाता था। ये बहुमंजिला इमारतें थी जिनमें एक-एक कमरे वाली आवासीय इकाईयां थी। जिनके सारे कमरों के सामने खुला बरामदा या गलियारा होता था और बीच में दालान होता था।

प्र-25 औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों द्वारा स्थापत्य की कौन-कौनसी शैलियों से भवन बनवाये गये ?

उत्तर- तीन शैलियाँ-

(i) नव शास्त्रीय या नियोक्लासिकल शैली

(ii) नव गॉथिक शैली

शत प्रतिशत मिशन 100

(iii) इण्डो-सारासेनिक शैली

प्र-26 नव-गॉथिक स्थापत्य शैली में भारतीयों ने कौन-कौनसी इमारतें बनवाई ?

उत्तर- (i) कोवासजी जहाँगीर ने यूनिवर्सिटी हॉल का निर्माण करवाया।

(ii) प्रेमचंद रायचंद ने यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी के घंटाघर का निर्माण करवाया, जिसका नाम इनकी माँ के नाम पर राजाबाई टॉवर रखा गया।

प्र-27 अखिल भारतीय जनगणना का पहला प्रयास कब किया गया तथा नियमित दशकीय जनगणना की नियमित शुरूआत कब हुई ?

उत्तर- प्रथम प्रयास- 1872 ई. में , नियमित जनगणना- 1881 ई. से

प्र-28 औपनिवेशिक भारत की वाणिज्यिक राजधानी क्या थी तथा प्रारम्भ में यह कितने टापुओं में था ?

उत्तर- बम्बई थी तथा यह 7 टापुओं में फैला क्षेत्र था।

प्र-29 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए 1869 ई. में किस नहर में आवागमन शुरू किया ?

उत्तर- स्वेज नहर।

प्र-30 सर्वे ऑफ इण्डिया (भारत सर्वेक्षण) का गठन कब किया गया ?

उत्तर- 1878 ई. में।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

प्र-1 औपनिवेशिक शहरों में रिकॉर्डर्स संभाल कर क्यों रखे जाते थे ?

उत्तर- व्यवसायिक मामले चलाने के लिए ब्योरा रखा जाता था। बड़े शहरों में जीवन की गति एवं दिशा पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से सर्वेक्षण करते थे। सांख्यिकीय आँकड़े करके परिवर्तनों को जानने का प्रयास करते थे।

प्र-2 औपनिवेशिक शहरीकरण को समझने के लिए जनगणना संबंधी आंकड़े किस हद तक उपयोगी होते है ?

उत्तर- शहरों के फैलाव पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से लोगों की गिनती की जाती थी। जनगणना का पहला प्रयास 1872 ई. में तथा नियमित जनगणना 1881 ई. में शुरू की गई। जनगणना से ऐतिहासिक परिवर्तन को मापने की जानकारी उपलब्ध होती है। इससे उम्र, जाति, लिंग एवं व्यवसाय की जानकारी प्राप्त होती है।

प्र-3 औपनिवेशिक काल में हिल स्टेशनों की स्थापना क्यों की गई थी ?

उत्तर- (i) भारतीय पहाड़ों की मृदु और ठंडी जलवायु को फायदे की चीज माना जाता था।

(ii) हिल स्टेशनों को सनेटोरियम के रूप में विकसीत किया जहाँ सिपाहियों को विश्राम एवं इलाज के लिए भेजा जाता था।

(iii) हिल स्टेशनों की जलवायु यूरोप की ठण्डी जलवायु से मिलती जुलती थी।

(iv) हिल स्टेशन अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण था क्योंकि यहां चाय एवं कॉफी के बागान थे।

प्र-4 प्रमुख भारतीय व्यापारियों ने औपनिवेशिक शहरों में खुद को किस तरह स्थापित किया ?

उत्तर- (i) इन्होंने एजेंटो तथा बिचौलियों के रूप में काम करना शुरू किया।

(ii) ब्लैक टाउन में परम्परागत ढ़ंग से दालानी मकान बनाये, भविष्य में पैसा लगाने के लिए शहरों में बड़ी जमीन खरीदी।

(iii) अंग्रेजों को प्रभावित करने के लिए त्यौंहारों पर दावतों का आयोजन करते थे।

(iv) मंदिर बनवाते व उनको संरक्षण देते थे।

(v) दुभाषियें के रूप में अंग्रेजों के समक्ष एक नयी पहचान बनाई।

प्र-5 अठारहवीं सही में शहरी केन्द्रों का रूपान्तरण किस तरह हुआ ?

उत्तर- (i) राजनीतिक तथा व्यापारिक पुनर्गठन के साथ पुराने नगर जैसे लाहौर, दिल्ली, आगरा ने राजनैतिक प्रभुत्व खो दिया एवं मद्रास कलकता एवं बम्बई का उदय हुआ।

(ii) नयी क्षैत्रिय ताकतों के विकास से लखनऊ, हैदराबाद, सेरिंगपट्म, पूना आदि नगरों का महत्व बढ़ा।

शिक्षा विभाग 100

(iii) नये राज्यों के बीच निरंतर लड़ाइयों से सैनिकों के रूप में रोजगार प्राप्त होने लगा।

(iv) स्थानीय विशिष्ट लोगों तथा उत्तर भारत में मुगल साम्राज्य के अधिकारियों ने 'कस्बे' एवं गंज जैसे शहरी बस्तियों को बसाया।

(v) व्यापारी, प्रशासक तथा शिल्पकार पुराने केन्द्रों से नये शहरों की ओर आने लगे।

प्र–6 औपनिवेशिक शहर में सामने आने वाले नए तरह के सार्वजनिक स्थान कौन-से थे ? उनके क्या उद्देश्य थे?

उत्तर- (i) शहरों में व्यापारिक गतिविधियां व माल गोदाम बना कर रखते थे।

(ii) शहरों का बंदरगाहों के रूप में इस्तेमाल हुआ।

(iii) शहरों के नक्शे बनवाये गये, आँकड़े इकट्ठे कर सरकारी रिपोर्टों में प्रकाशित किये जाते थे।

(iv) शहरों के रख-रखाव के लिए नगर पालिकाएं बनाई गई, जलापूर्ति, सड़क निर्माण एवं स्वास्थ्य जैसे सेवाएं उपलब्ध करवाई गई।

(v) शहरों को दो हिस्सों में बाँट दिया जिन्हें क्रमशः सिविल लाइन एवं देसियों का क्षेत्र।

(vi) शहरों में घोड़ागाड़ी, ट्रांस, बसें, सार्वजनिक पार्क, सिनेमा हॉल, रंग शालाएं एवं शिक्षा से जुड़ी संस्थाएं खोली गई।

प्र–7 19वीं सदी में नगर-नियोजन को प्रभावित करने वाली चिंताएं कौनसी थी ?

उत्तर- (i) नगरों को समुद्र के निकट बसाना ताकि व्यापारिक उद्देश्यों की पूर्ति हो सके।

(ii) सुरक्षा की चिंता- इसके लिए पुराने शहरों के आस-पास के चारागाह एवं खेतों को साफ करा दिया तथा सिविल लाइंस के नाम से नए शहरी क्षेत्र विकसित किये जहाँ केवल यूरोपीय लोग ही रह सके।

(iii) शहरों को नक्शे से तैयार करवाना।

(iv) नगरों की व्यवस्था के लिए विभिन्न कमेठियों का गठन करना तथा जल स्वास्थ्य पर बल देना।

(v) शहरों के रख-रखाव के लिए पर्याप्त धन जुटाना।

प्र–8 18वीं सदी के प्रारम्भिक वर्षों में औपनिवेशिक सरकार ने नगरों के लिए मानचित्र तैयार करने पर ध्यान क्यों दिया ?

उत्तर- (i) ब्रिटिश सरकार को लगता था कि किसी स्थान की बनावट व भू-दृश्य को समझने के लिए मानचित्र जरूरी होते है ताकि जानकारी के आधार पर नियंत्रण बनाया जा सके।

(ii) शहरों की विकास की योजना तैयार करने एवं सत्ता को मजबूत बनाने के लिए।

(iii) मकानों की सघनता, घाटों की स्थिति एवं सड़कों की स्थिति से व्यवसायिक संभावनाएं बढ़ती है व राजस्व प्राप्ति के संसाधनों की जानकारी मिलती है।

प्र–9 नए शहरों में सामाजिक संबंध किस हद तक बदल गए ?

उत्तर- (i) पुराने शहरों में विद्यमान सामंजस्य व जान-पहचान का अभाव था। शहरों में मिलना जुलना सीमित हो गया।

(ii) शहरों में नवीन सामाजिक समूहों का उदय हुआ जिन्हें मध्यम वर्ग के नाम से जाना जाता है। जिनमे क्लर्क, शिक्षक, वकील थे। यह वर्ग बौद्धिक एवं आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न वर्ग था।

(iii) नए शहरों में महिलाओं के लिए अनेक अवसर उपलब्ध थे। पत्र-पत्रिकाओं, आत्मकथाओं एवं पुस्तकों के माध्यम से समाज में अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू कर दी।

(iv) मजदूरों एवं कामगारों के लिए शहरी जीवन संघर्षों से भरा था। रोजगार की गारंटी नहीं थी। फिर भी उन्होंने पृथक संस्कृति की रचना कर ली थी। जिसमें वे उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित करते थे।

प्र–10 औपनिवेशिक मद्रास में शहरी और ग्रामीण तत्व किस हद तक घुल-मिल गए थे ?

उत्तर- मद्रास का विकास अनके ग्रामों को मिलाकर किया गया था। जिससे इसमें ग्रामीण व शहरी तत्वों का समन्वय था। विविध प्रकार के आर्थिक कार्य करने वाले अनेक समुदाय यहां आये और यहीं बस गए। दुभाषिये गौरों व कालों के बीच मध्यस्थ का काम करते थे।

वेल्लालांर नवीन अवसरों का लाभ उठाने वाली ग्रामीण जाति थी, तेलुगू कोमाटी अनाज व्यापारी थे, गुजराती भी बैंकर के रूप में यहा बस गए थे।

प्र–11 कलकता नगर नियोजन में लॉटरी कमेटी के कार्यों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- कलकता नगर की समूचित व्यवस्था को देखने एवं कार्यों व सुधार के लिए आवश्यक धन की आवश्यकता होने पर जनता को लॉटरी बेचकर धन जुटाने का कार्य करती थी तथा वर्तमान में नगर-निगम जो कार्य करता है वही कार्य लॉटरी कमेटी करती है, जो निम्न है-

(i) शहर का नक्शा बनवाया ताकि कलकता को नया रूप दिया जा सके।

(ii) शहर में सड़के बनवाना, जन स्वास्थ्य की सुविधाएं जुटाना।

(iii) शहर को साफ सुथरा रखने के लिए अवैध कब्जे हटाना।

लॉटरी कमेटी वही कार्य करती जो वर्तमान में नगर निकाय की संस्थाएं करती है, इसलिए हम कह सकते है कि यह कमेटी वर्तमान संदर्भ में भी प्रासंगिक है।

प्र–12 औपनिवेशिक काल में प्रचलित स्थापत्य कला शैलियों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर- (i) नवशास्त्रीय या नियोक्लासिकल- इस शैली में बड़े-बड़े स्तंभों के पीछे रेखागणितीय सरंचना का निर्माण होता है। यह शैली प्राचीन रोम की भवन निर्माण शैली से निकली है। इस शैली के भूमध्यसागरीय उद्गम के कारण यह उष्णकटिंबधीय मौसम के अनुकूल है।

इस शैली में निर्मित भवन- 1833 ई. में बम्बई का टाउन हॉल।

(ii) नव-गॉथिक शैली- इस शैली में ऊँची उठी हुई छतें, नोकदार मेहराबें और बारी साज-सज्जा इस शैली की विशेषता है। इस शैली का जन्म गिरजों में हुआ था।

इस शैली में निर्मित भवन- सचिवालय, बम्बई विश्वविद्यालय एवं उच्च-न्यायालय एवं विक्टोरिया टर्मिनस।

(iii) इंडो-सारासेनिक शैली- इसमें भारतीय एवं यूरोपीय दोनों शैलियों का मिश्रित रूप है। इसमें 'इण्डो' शब्द हिन्दू का संक्षिप्त रूप है। जबकि 'सारासेन' शब्द यूरोप के लोग मुसलमानों को संबोधित करने के लिए करते है। इस शैली में गुम्बदों, छतरियों, जालियों एवं मेहराबों का प्रयोग होता है।

इस शैली में निर्मित भवन- गेटवे ऑफ इण्डिया एवं जमशेद जी टाटा द्वारा निर्मित ताज होटल।

अध्याय- 13
महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन (अंकभार-05)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्र-1 गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका से कब लौटे थे, उस दिन को किस रूप में मनाया जाता है ?

उत्तर- जनवरी 1815 को, उस दिन 9 जनवरी को अप्रवासी दिवस मनाते है।

प्र-2 किस इतिहासकार ने कहा "कि दक्षिण अफ्रीका ने ही गाँधी को 'महात्मा' बनाया" ?

उत्तर- इतिहासकार चंद्रन देवनेसन ने।

प्र-3 लाल-बाल-पाल के नाम से कौन जाने जाते है? ये किन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते थे ?

उत्तर- लाल- लाला लाजपत राय - पंजाब का
बाल- बाल गंगाधर तिलक - महाराष्ट्र का
पाल- विपिन चन्द्र पाल - बंगाल का

प्र-4 गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे? उन्होंने गाँधीजी को क्या सलाह दी ?

उत्तर- गोपाल कृष्ण गोखले, एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा कर यहाँ की भूमि व लोगों को समझने की।

प्र-5 महात्मा गाँधी की भारत में प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति कहां हुई थी ? यहां गाँधीजी ने क्या विचार प्रकट किए ?

उत्तर- प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी 1916 ई. में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई थी। यहां पर गाँधी जी ने मजदूरों गरीबों एवं किसानों की अनुपस्थिति को लेकर विशिष्ट वर्ग को आड़े हाथों लिया।

प्र-6 महात्मा गाँधी का भारत में प्रथम सत्याग्रह कौनसा था ?

उत्तर- प्रथम सत्याग्रह 1917 ई. में चम्पारण का था। दिसम्बर 1916 ई. के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में जानकारी मिली की सरकार नील की खेती करने के लिए कठोरता अपनाती है।

प्र-7 महात्मा गाँधी ने गुजरात में किन अभियानों का संचालन किया ?

उत्तर- (i) 1918 ई. में अहमदाबाद में श्रम विवाद में हस्तक्षेप कर कपड़े की मिलों में काम करने वालों के लिए काम करने की बेहतर स्थितियों की मांग की।
(ii) खेड़ा में फसल चौपट होने पर राज्य के किसानों का लगान माफ करने की मांग की।

प्र-8 महात्मा गाँधी के अमेरिकी जीवनी के लेखक कौन थे ?

उत्तर- लुई फिशर।

प्र-9 असहयोग आन्दोलन को वापस क्यों लिया गया ?

उत्तर- फरवरी, 1922 ई. में संयुक्त प्रांत के चौरी-चारा पुरवा में आन्दोलन करने वालों के द्वारा पुलिस थाने में आग लगाने से पुलिस वालों की जान जाने के कारण।

प्र-10 असहयोग आन्दोलन के लिए अमेरिकी लेखक लुई फिशर ने क्या विचार रखे ?

उत्तर- असहयोग आन्दोलन गाँधीजी के जीवन के युग का ही नाम हो गया। यह शांति की दृष्टि से नकारात्मक किंतु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था।

प्र-11 1924 ई. में जेल से रिहा होने पर गांधीजी ने किन कार्यों पर जोर दिया ?

उत्तर- आयातित वस्त्रों के स्थान पर खादी से बने कपड़े के उपयोग पर जोर, छूआं-छूत को समाप्त करना, बाल-विवाह समाप्त करना तथा हिन्दू-मूसलमानों की बीच सौहार्द्र स्थापित करना।

प्र-12 साइमन कमीशन भारत में कब व क्यों आया तथा इसे अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर- 1928 ई. में उपनिवेश की स्थितियों की जाँच-पड़ताल के लिए। इसे श्वेत कमीशन/White man कमीशन के नाम से जाना जाता है। क्योंकि इसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था।

प्र-13 कांग्रेस का 1929 ई. का वार्षिक अधिवेशन कहां आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता किसने की थी तथा

इसमें कौन-से प्रस्ताव पारित किए गए ?

उत्तर- 1929 ई. का अधिवेशन लाहौर में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ। इसमें पूर्ण स्वराज्य अथवा पूर्ण स्वतंत्रता की उद्घोषणा की गई एवं 26 जनवरी, 1930 ई. से स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई।

प्र-14 औपनिवेशिक भारत में मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस पर क्या कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे?

उत्तर- राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की शुरूआत होती। शेष दिवस में रचनात्मक कार्य होते, जैसे- सूत कताई, अछूतों की सेवा, हिन्दू-मूसलमानों का पुनर्मिलन एवं निषिद्ध कार्य करके मनाया जाता था।

प्र-15 रजवाडों में राष्ट्रवादी सिद्धान्त को बढ़ावा देने के लिए किनकी स्थापना की गई ?

उत्तर- प्रजा मण्डलों की स्थापना।

प्र-16 औपनिवेशिक सरकार द्वारा नमक को क्यों नष्ट किया जाता था ?

उत्तर- यदि नमक को लाभ पर न बेच पाती तो सरकार उस नमक को नष्ट कर देती थी।

प्र-17 दाण्डी यात्रा का कवरेज किस पत्रिका ने किया था ?

उत्तर- अमेरिकी समाचार पत्रिका टाइम ने।

प्र-18 गाँधी को किस कार्यकर्ता ने समझाया की आन्दोलनों को पुरूषों तक ही सीमित न रखे ?

उत्तर- समाजवादी कार्यकर्ता कमला देवी चट्टोपाध्याय।

प्र-19 दाण्डी यात्रा कब व कहां से प्रारम्भ हुई तथा कब व कहां समाप्त हुई ?

उत्तर- 12 मार्च, 1930 ई. को साबरमती आश्रम से प्रारम्भ तथा 6 अप्रैल, 1930 को दाण्डी में समाप्त हुई।

प्र-20 दूसरे गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किसने किया था ?

उत्तर- महात्मा गांधी।

प्र-21 गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री कौन था ?

उत्तर- मैकडोनाल्ड।

प्र-22 दूसरे गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधीजी ने पुनः सविनय अवज्ञा आरम्भ किया उस समय भारत का वायसराय कौन था ?

उत्तर- लार्ड विलिग्डन।

प्र-23 'गाँधी इरविन समझौते' की शर्तों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर- (i) सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेना।

(ii) सारे कैदियों की रिहाई।

(iii) तटवर्ती इलाकों में नमक बनाने की छूट।

प्र-24 महात्मा गाँधी ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का विरोध क्यों किया था ?

उत्तर- गाँधी का मानना था कि ऐसा करने पर दलितों का समाज की मुख्य धारा में एकीकरण नहीं हो जाएगा और वे सवर्ण हिन्दूओं से हमेशा के लिए अलग हो जाएंगें।

प्र-25 1935 के 'गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट' से भारतीयों को क्या आश्वासन मिला ?

उत्तर- सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का आश्वासन मिला जिसके तहत सीमित मताधिकार के आधार पर 1937 ई. में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 11 प्रांतों में से 8 में सरकार बनाई थी।

प्र-26 कांग्रेस के मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा कब व क्यों दिया ?

उत्तर- अक्टूबर 1939 ई. में, कांग्रेस चाह रही थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों की सहायता के बदले युद्ध समाप्ति पर पूर्ण स्वतंत्रता मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

प्र-27 मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब व क्यों मनाया ?

उत्तर- दिसम्बर 1939 ई. कांग्रेस मंत्रिमण्डलों द्वारा त्याग-पत्र दिये जाने पर।

प्र-28 यह कथन किसका है "उन्हें सम्राट का सर्वोच्च मंत्री इसलिए नियुक्त नहीं किया गया है कि वह ब्रिटिश साम्राज्य को टुकड़े-टुकड़े कर दें।"

शुभारंभ मिशन 100

उत्तर- ब्रिटिश प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल।

प्र-29 मुस्लिम लीग ने 1940 ई. के लाहौर अधिवेशन में क्या प्रस्ताव रखा ?

उत्तर- उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की मांग का प्रस्ताव रखा।

प्र-30 क्रिप्स मिशन भारत कब आया था ?

उत्तर- मार्च 1942 ई. को।

प्र-31 भारत छोड़ो आन्दोलन के समय स्वतंत्र सरकार (प्रति सरकार) की स्थापना कहां-कहां हुई थी ?

उत्तर- पश्चिम में सतारा एवं पूर्व में मेदिनीपुर में।

प्र-32 प्रति सरकार (समानान्तर सरकार) ने क्या-क्या कार्य किए ?

उत्तर- (i) जन अदालतों का आयोजन (ii) रचनात्मक कार्य

प्र-33 द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों की भागीदारी प्राप्त करने का प्रयास किस वायसराय ने किया ?

उत्तर- लार्ड लिनलिथगों।

प्र-34 कैबिनेट मिशन भारत कब आया था ? उसका क्या प्रयास था ?

उत्तर- मार्च 1946 ई. को। कांग्रेस व मुस्लिम लीग वो एक ऐसी संघीय व्यवस्था पर राजी करने का प्रयास किया। जिसमें भारत के भीतर ही प्रांतों को सीमित स्वायत्तता दी जा सकती थी।

प्र-35 मुस्लिम लीग ने 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' का आह्वान कब किया ?

उत्तर- 16 अगस्त 1946 ई. को।

प्र-36 मोहनदास करमचंद गाँधी को राष्ट्रपिता की उपाधि किसने दी ?

उत्तर- दिल्ली में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने।

प्र-37 गाँधीजी की जीवनी किसने लिखी थी ?

उत्तर- डी.जी. तेंदुलकर ने।

प्र-38 गाँधीजी की हत्या कब व किसने की थी ?

उत्तर- 30 जनवरी, 1948 ई. को नाथूराम गोडसे ने।

प्र-39 महात्मा गांधी ने किन समाचार पत्रों का सम्पादन किया था ?

उत्तर- हरिजन, यंग इण्डिया एवं इण्डियन ऑपिनियन।

प्र-40 ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किसने किया था ?

उत्तर- पं. जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान लिखे गए पत्रों का संकलन किया था।

प्र-41 राष्ट्रीय आन्दोलन के अध्ययन के लिए अखबार महत्वपूर्ण स्त्रोत क्यों है ?

उत्तर- (i) समाचार पत्रों में राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित सभी घटनाओं की जानकारी मिल जाती है।

(ii) राष्ट्रीय आन्दोलन के नेताओं के विचारों की जानकारी मिल जाती है।

(i) ब्रिटिश सरकार के दृष्टिकोण का पता चलता है।

प्र-42 चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया ?

उत्तर- यह जन सामान्य से जुड़ा हुआ था। यह स्वदेशी व आर्थिक प्रगति का प्रतीक था। गांधीजी प्रतिदिन स्वयं कुछ समय चरखा चलाने में व्यतीत करते थे।

प्र-43 गाँधीजी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए क्या किया ?

उत्तर- आम लोगों की तरह वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा बोलते थे।

निबंधात्मक प्रश्न-

प्र-1 असहयोग आन्दोलन के कारणों का मूल्यांकन कीजिए ?

उत्तर- ब्रिटिश भारत की समसामयिक परिस्थितियों ने असहयोग आन्दोलन की शुरूआत का कार्य किया-

(i) रॉलेट एक्टः- सर सिडनी रॉलेट ने एक अधिनियम पारित किया था जिसमें प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया तथा बिना जाँच के कारावास की अनुमति दे दी। इस कानून में न वकील, न अपील, न दलील केवल गिरफ्तारी थी जिसका

पूरे भारत में विरोध हुआ था।

(ii) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड- रॉलेट एक्ट के विरोध में आन्दोलन हुआ जिसका सबसे अधिक प्रभाव पंजाब में पड़ा जहाँ के राष्ट्रवादियों की गिरफ्तारी के विरोध में 13 अप्रैल, 1919 ई. को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में शांतिपूर्ण चल रही सभा पर जनरल डायर ने गोली चलाने के लिए आदेश दे दिए जिसमें कई लोग मारे गए।

(iii) खिलाफत आन्दोलन- यह आन्दोलन मुहम्मद अली व शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों ने चलाया था। इनकी मांगें थी कि पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियंत्रण बना रहे। खलीफा के पास इतना क्षेत्र हो वह इस्लाती विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बना सके। गाँधीजी असहयोग को खिलाफत के साथ इसलिए मिलाना चाहते थे कि भारत के दो प्रमुख भारतीय समुदाय-हिन्दू और मुसलमान मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत कर देगें।

प्र-2 असहयोग आन्दोलन एक तरह का प्रतिरोध कैसे था ? उल्लेख कीजिए।

अथवा

असहयोग आन्दोलन के कार्यक्रम बताइए ?

उत्तर- (i) महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाया गया यह आन्दोलन ब्रिटिश शासन की गलत नीतियों के विरूद्ध एक जन प्रतिरोध था।

(ii) ब्रिटिश सरकार द्वारा थोपे गए रॉलेट एक्ट कानून को वापस लेने के लिए पूरे भारत में आंदोलन हुआ जिसमें पूरे बाजार एवं स्कूल बंद रहे।

(iii) कांग्रेस व गांधीजी खिलाफत आंदोलन का समर्थन करके देश के दो समुदाय-हिन्दू एवं मुसलमान को मिलाकर औपनिवेशिक शासन के प्रति जनता के सहयोग को अभिव्यक्त करने का माध्यम था।

(iv) इसमें सरकारी विद्यालय में शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने जाना छोड़ दिया। वकीलों ने अदालते छोड़ दी एवं श्रमिक वर्ग ने हड़ताल द्वारा समर्थन किया। किसानों ने कर देने से मना कर सरकारी आदेशों की अवहेलना की।

(v) असहयोग का प्रभाव देहात में भी पड़ा। जिसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते है।

(a) आंध्र की पहाड़ी जनजातियों ने वन्य कानूनों की अवहेलना की।

(b) अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए।

(c) कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढ़ोने से मना कर दिया।

(vi) किसानों, श्रमिकों एवं अन्य ने अपने मेल खाते तरीकों का इस्तेमाल कर अपने ढ़ंग से इसकी व्याख्या करके औपनिवेशिक शासन के प्रति असहयोग का रास्ता अपनाया।

प्र-3 नमक यात्रा के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों के साथ संवादों की समीक्षा कीजिए ?

अथवा

गोलमेज सम्मेलन में हुई वार्ता से कोई नतीजा क्यों नहीं निकल पाया ?

उत्तर- दाण्डी यात्रा ने पूरे भारत में राष्ट्रीयता की लहर चला दी, पूरे भारत में सरकारी आदेशों की अवमानना होने लगी थी तो अंग्रेजों को अहसास हो गया कि यदि भारतीयों को सत्ता में भागीदारी नहीं दी तो हम ज्यादा समय तक भारत में शासन नहीं कर पायेगें। इसलिए भारतीय दलों के साथ लंदन में गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

(i) प्रथम गोलमेज सम्मेलन- यह नवम्बर 1930 ई. में आयोजित किया गया जिसमें देश के प्रमुख नेता सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारण शामिल नहीं हुए। इसलिए बैठक निरर्थक साबित हुई। इसलिए अंग्रेजों ने गांधीजी को जनवरी 1931 ई. में जेल से रिहा कर वायसराय लार्ड इरविन से वार्ता के बाद कांग्रेस दूसरे सम्मेलन में भाग लेने को तैयार हुई।

(ii) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन- यह सम्मेलन नवम्बर 1931 ई. में लंदन में आयोजित हुआ जिसमें कांग्रेस का नेतृत्व गांधी कर रहे थे। इस बैठक का भी कार्ड नतीजा नहीं निकला, क्योंकि गांधी ने सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करती है। गांधीजी के इस दावे को चुनौती दी।

शिक्षा विभाग मिशन 100

(a) मुस्लिम लीग- मुस्लिम लीग ही मुस्लिम अल्पसंख्यकों के हित में काम करती है।

(b) राजे-रजवाड़े- इन्होंने दावा किया कांग्रेस का उनके नियंत्रण वाले भ्रमण पर कोई अधिकार नहीं है।

(c) बी.आर. अम्बेडकर- इन्होंने कहां कि गांधीजी और कांग्रेस पार्टी निचली जातियों को प्रतिनिधित्व नहीं करते है।

इन सब विरोधों के बीच सम्मेलन में कोई नतीजा नहीं निकला गांधीजी को खाली हाथ लौटना पड़ा। भारत लौटने पर उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन पुनः शुरू किया।

(iii) तृतीय गोलमेज सम्मेलन- तीसरा गोलमेज सम्मेलन 1932 ई. में आयोजित हुआ उसमें कांग्रेस ने भाग नहीं लिया। प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड ने सम्मेलन के बाद श्वेत पत्र जारी कर दलित वर्ग के लिए पृथक निर्वाचिका का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। जिसे साम्प्रदायिक पंचाट के नाम से जाना जाता है।

प्र-4 भारत छोड़ों आंदोलन का क्या महत्व है ?

उत्तर- द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर कांग्रेस ने फैसला लिया कि युद्ध समाप्त होने के बाद भारत को स्वतंत्रता दे तो कांग्रेस युद्ध प्रयासों में सहायता देगी लेकिन सरकार ने यह बात नहीं मानी तो कांग्रेस के मंत्रीमण्डलों ने सामूहिक त्याग-पत्र दे दिया। फिर बावेल योजना एवं क्रिप्स मिशन के असफल होने पर गाँधीजी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ तीसरा बड़ा आंदोलन छेड़ने का फैसला लिया जो अगस्त 1942 ई. में प्रारम्भ हुआ जिसे 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नाम दिया। इस आंदोलन ने राष्ट्रीयता को नया आयाम दिया इसका बहुत महत्व था-

(i) कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी बिना किसी कार्यक्रम के देशभर के युवा कार्यकर्त्ता हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्यवाहियों के जरिये आंदोलन चलाते रहे।

(ii) कांग्रेस में जयप्रकाश नारायण जैसे- समाजवादी सदस्यों ने भूमिगत होकर आंदोलन चलाते रहे।

(iii) पश्चिम में सतारा और पूर्व में मेदिनीपुर जैसे- कई जिलों में स्वतंत्र सरकार (प्रति सरकार) की स्थापना की गई। जिसमें सतारा की प्रति सरकार 1946 ई. तक चलती रही।

(iv) लाखों आम हिन्दुस्तानी शामिल थे, इसलिए इसे जनांदोलन माना जाता है।

(v) युवाओं ने अपनी कॉलेज छोड़कर जेल का रास्ता चुना।

प्र-5 महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आन्दोलन के स्वरूप को किस तरह बदल डाला ?

उत्तर- (i) गांधी जी ने 1915 ई. में भारत में आने पर पूरे भारत का दौरा शुरू किया। फिर स्थानीय आंदोलनों चम्पारण, अहमदाबाद एवं खेड़ा में सत्याग्रह का सफल परीक्षण किया।

(ii) देश की बहु संख्यक कृषक व मजदूर जनता को राष्ट्रीय आंदोलन में जोड़ा।

(iii) भारत के विभिन्न भागों में कांग्रेस की शाखाएं खोली जिससे कांग्रेस का जनाधार बढ़ा।

(iv) असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन से राष्ट्रीयता की भावना जागृत की जिसमें जनता के सभी वर्गों से भाग लिया।

(v) महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल कर समानता का अधिकार प्रदान किया।

(vi) छूआ-छूत विरोधी संघर्ष, हिन्दू-मुस्लिम एकता व सामाजिक बुराइयों को दूर करने का कार्य किया।

प्र-6 निजी पत्रों और आत्मकथाओं से किसी व्यक्ति के बारे में क्या पता चलता है ? ये स्त्रोत सरकारी ब्यौरो से किस तरह भिन्न होते है ?

उत्तर- व्यक्ति लेखन एवं भाषणों के माध्यम से हमें व्यक्ति के सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत विचारों का पता चलता है। व्यक्तिगत पत्रों में उनके निजी-विचारों की झलक मिलती है। इन पत्रों में हमें लिखने वाले को अपना गुस्सा और पीड़ा असंतोष और बैचेनी, अपनी आशाएं और हताशाएं व्यक्त करते हुए देख सकते है।

मनुष्य इनमें से बहुत सारी बातों को अपने सार्वजनिक वक्तव्यों में व्यक्त नहीं कर सकता। बहुत सारे पत्र व्यक्तियों को लिखे जाते है लेकिन वे कुछ हद तक जनता के लिए भी होते है। उन पत्रों की भाषा इस अहसास से भी तय होती है कि संभव है उन्हें एक दिन उन्हें प्रकाशित कर दिया जाएगा। इसलिए निजी पत्रों में भी बहुत सारे लोग अपना मत स्वतंत्रतापूर्वक व्यक्त नहीं कर पाते।

आत्मकथाओं में हमें उस अतीत का पता चलता है जो मानवीय विवरणों के हिसाब से समृद्ध होती है। आत्मकथाएं स्मृति के आधार पर लिखी जाती है। आत्मकथा लिखना अपनी तस्वीर को पढ़ने का तरीका होता है। तथा वह औरों की नजर में अपनी जिन्दगी को अलग तरह से दर्शाना चाहता है। पढ़ने वालों को वह देखने का प्रयास करना चाहिए जो हमें लेखक नहीं दिखाना चाहता है, उनकी चुप्पियों का कारण समझना चाहिए।

ये स्त्रोत सरकारी ब्योरों से पूर्णतः भिन्न होते है क्योंकि सरकारी ब्योरों में नीचे का अधिकारी अपने अधिकारियों को जताने का प्रयास करता है कि सब कुछ सही चल रहा है। राजद्रोह व विद्रोह की संभावना मानते हुए भी वे खुद को इस बात का आश्वासन देना चाहते है कि इन आंशकाओं का कोई आधार नहीं है।

शेखावाटी मिशन 100

अध्याय– 14 (विभाजन को समझना) (अंकभार–5)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्र–1 स्वतंत्रता से पूर्व प्रांतीय संसदों के गठन के लिए प्रथम बार चुनाव कब हुए ?

उत्तर– (अ) 1937 ई. में. (ब) 1936 ई. में (स) 1935 ई. में (द) 1938 ई. में **(अ)**

प्र–2 द्वि– राष्ट्र सिद्धांत किसने दिया था ? अथवा औपनिवेशिक भारत में हिन्दू और मुसलमान दो पृथक राष्ट्र थे। यह सोच किसकी थी ?

उत्तर– (अ) सिकंदर हयात खान (ब) महात्मा गाँधी
(स) मुहम्मद अली जिन्ना (द) खान अब्दुल गफ्फार खान **(स)**

प्र–3 स्वतंत्रता से पूर्व प्रांतीय संसदों के गठन के लिए 1937 में पहली बार चुनाव कराये गये, इन चुनावों में कांग्रेस को कितने प्रांतों में पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ ?

उत्तर– (अ) 77 (ब) 8 (स) 7 (द) 5 **(द)**

प्र–4 नोआखाली वर्तमान में किस देश में स्थित है ?

उत्तर– (अ) बांग्लादेश (ब) भारत (स) पाकिस्तान (द) अफगानिस्तान **(अ)**

प्र–5 दि–अदर साइड ऑफ साइलेंस किसकी पुस्तक है ?

उत्तर– (अ) उर्वशी बुटालिया (ब) महात्मा गाँधी (स) सरोजिनी नायडू (द) अब्दुल लतीफ **(अ)**

प्र–6 बांग्लादेश की स्थापना कब हुई ?

उत्तर– (अ) 1947–48 ई. (ब) 1950–51ई. (स) 1971–72 ई. (द) 1973–74 ई. **(स)**

प्र–7 मुस्लिम लीग ही मुसलमानों की एकमात्र प्रवक्ता है, यह किसका मानना था ?

उत्तर– (अ) मोहम्मद इकबाल (ब) मोहम्मद अली जिन्ना
(स) सिकंदर हयात खान (द) ख़ान अब्दुल गफ़्फार खान **(ब)**

प्र–8 प्रांतीय संसदों के गठन के लिए 1937 में पहली बार चुनाव कितने प्रांतों में कराये गये ?

उत्तरः (अ) 11 (ब) 8 (स) 7 (द) 5 **(अ)**

प्र–9 1947 के भारत विभाजन के समय निम्न में से कौन–सा एक शब्द व्यक्त नहीं किया गया?

उत्तर– (अ) मार्शल–ला (ब) मारामारी (स) हुल्लड़ (द) विद्रोह **(द)**

प्र–10 होलोकॉस्ट क्या है ?

उत्तर– (अ) लड़ाई (ब) संघर्ष (स) आयोग (द) बँटवारा **(द)**

प्र.11 भारत विभाजन के समय जो नस्ली सफाया हुआ, वह कारगुजारी थी –
(अ) धार्मिक समुदायों के स्वयंभू प्रतिनिधियों की (ब) सरकारी संगठन की
(स) अंग्रेजों की (द) सेना की **(अ)**

प्र.12 "मैं तो सिर्फ अपने अब्बा पर चढ़ा हुआ कर्ज चुका रहा हूँ।" यह किसने कहा था ?

उत्तर– (अ) अब्दुल रज्जाक ने (ब) अब्दुल लतीफ ने
(स) मोहम्मद अली ने (द) शौकत अली ने **(ब)**

प्र.13 किस मिशन के प्रस्ताव को लीग और काँग्रेस द्वारा स्वीकार नहीं करने पर विभाजन कमोबेश अनिवार्य हो गया था ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तरः (अ) कैबिनेट मिशन (ब) क्रिप्स मिशन
(स) माउंटबेटन योजना (द) कोई नहीं **(अ)**

प्र–14 कैबिनेट मिशन में कुल कितने सदस्य थे ?

उत्तर– (अ) 6 (ब) 5 (स) 4 (द) 3 **(द)**

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

प्र–1 ....ने लिखा है कि इस अनशन का असर ....जैसा रहा।

उत्तरः मौलाना आजाद, आसमान की बिजली

प्र–2 गाँधी जी अपनी हत्या तक ....में ही रहे।

उत्तर– दिल्ली

प्र–3 ....साल के बुजुर्ग गाँधीजी ने अहिंसा के अपने जीवनपर्यत सिद्धांत को एक बार फिर आजमाया।

उत्तर– 77

प्र–4 देहलवी ने अपने संस्मरणों में लिखा है कि मुसलमान एक– दूसरे से कहने लगे थे. ....''।

उत्तर– अब दिल्ली बच जाएगी

प्र–5 मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की अपनी माँग को अमली जामा पहनाने के लिए ....करने का फैसला लिया।

उत्तर– प्रत्यक्ष कार्यवाही

प्र–6 ....में दोबारा प्रांतीय चुनाव हुए ।

उत्तर– 1946 ई0

प्र–7 प्रांतीय संसदों के गठन के लिए........................में पहली बार चुनाव कराये गये।

उत्तर– 1937 ई0

प्र–8 ....फिल्म के नायक ने ठीक ही कहा '' सांप्रदायिक कलह तो सन् 1947 से पहले भी होती थी लेकिन उसकी वजह से लाखों लोगों के घर कहीं उजड़े ''।

उत्तर– गर्म हवा

प्र–9 भारत विभाजन से करोड़ों उजड़ गए, रातों–रात अजनबी ज़मीन पर........................बनकर रह गए।

उत्तर रिफ्यूजी (शरणार्थी)

प्र–10 कुछ विद्वानों के अनुसार देश का बँटवारा एक ऐसी साम्प्रदायिक राजनीति का आखिरी बिन्दु था जो .... वीं शताब्दी के प्रारम्भिक दशकों में शुरू हुई।

उत्तरः 20

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्र–1 उन दो नेताओं का नाम बताइए, जो अंत तक भारत के विभाजन का विरोध करते रहे ?

उत्तर– खान अब्दुल गफ़फार खान और महात्मा गाँधी

प्र–2 सर्वप्रथम उ.प. क्षेत्र में मुस्लिम राज्य की माँग किसने की थी ?

उत्तर– मोहम्मद इकबाल ने

प्र–3 अंग्रेजों द्वारा मुसलमानों के लिए पृथक चुनाव क्षेत्र कब बनाए गए ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– 1909 ई0 में

प्र–4 "सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा " किसके द्वारा लिखा गया ?

उत्तर– उर्दू कवि मोहम्मद इकबाल द्वारा

प्र–5 तीन सदस्यीय कैबिनेट मिशन भारत कब आया?

उत्तर– मार्च 1946 में

प्र–6 1971 में बंगाली मुसलमानों ने पाकिस्तान से अलग होने का फैसला लेकर जिन्ना के किस सिद्धांत को नकार दिया था?

उत्तर– द्विराष्ट्र सिद्धांत को

प्र–7 सीमांत गाँधी या फ्रंटयिर गाँधी किसे कहा जाता है ?

उत्तर– खान अब्दुल गफ़फार खान को

प्र–8 मुस्लिम लीग द्वारा '' प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस " (Direct Action Day) कब मनाया गया?

उत्तर– 16 अगस्त 1946 को

प्र–9 ''अनशन का प्रभाव आसमान की बिजली जैसा रहा।" गाँधीजी के अनशन के विषय में यह मत किसने दिया था?

उत्तरः मौलाना आजाद ने

प्र–10 संयुक्त प्रांत के नाम से किस राज्य को जाना जाता था?

उत्तर– उत्तरप्रदेश को

प्र–11. 1937 के प्रांतीय संसदों के चुनाव के बाद मुस्लिम लीग कांग्रेस के साथ मिलकर कहाँ पर सरकार बनाना चाहती थी ?

उत्तर– संयुक्त प्रांत (वर्तमान उत्तरप्रदेश) में

प्र–12. 1937 के प्रांतीय संसदों के चुनाव के बाद मुस्लिम लीग कांग्रेस के साथ मिलकर संयुक्त प्रांत में सरकार बनाना चाहती थी , लेकिन कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को क्यों खारिज कर दिया था ?

उत्तर– संयुक्त प्रांत में कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन सरकार बनाने के बारे में मुस्लिम लीग के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था क्योंकि मुस्लिम लीग जमींदारी प्रथा का समर्थन करती प्रतीत होती थी जबकि कांग्रेस जमींदारी प्रथा को खत्म करना चाहती थी और संयुक्त प्रांत में कांग्रेस के पास पूर्ण बहुमत था।

प्र–13 सर्वप्रथम उ.प. क्षेत्र में मुस्लिम राज्य की माँग मोहम्मद इकबाल ने कब की थी ?

उत्तर– 1930 में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में

प्र–14 मुस्लिम लीग ने उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की माँग का प्रस्ताव कब पेश किया ?

उत्तर – 23 मार्च 1940 को

प्र–15 उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की माँग का प्रस्ताव (पाकिस्तान की माँग का प्रस्ताव) किसने लिखा था ?

उत्तर– पंजाब के प्रधानमंत्री और यूनियनिस्ट पार्टी के नेता सिकंदर हयात खान

प्र–16 लव इज स्ट्राँगर देन हेट, ए रिमेम्बरेंस आंफ 1947 (मुहब्बत नफरत से ज्यादा ताकतवर होती हैः 1947 की यादें) यह संस्मरण किसने लिखा ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– डॉ. खुशदेव सिंह ने

प्र–17 शुद्धि आन्दोलन किसने चलाया ?

उत्तर– आर्य समाज ने

प्र–18 पंजाबी सैंचुरी के रचयिता कौन थे ?

उत्तर– प्रकाश टण्डन

प्र–19 बंगाली मुसलमानों (पूर्वी पाकिस्तानियों) ने जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत को किस प्रकार नकार दिया ?

उत्तर– बंगाली मुसलमानों ने अपनी राजनीतिक पहलकदमी के जरिए जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत को नकारते हुए पाकिस्तान से अलग होने का फैसला लिया और 1971–72 में बांग्लादेश की स्थापना की।

प्र–20. सितंबर 1947 को दिल्ली में गाँधीजी के आगमन को '' बड़ी लंबी और कठोर गर्मी के बाद बरसात की फुहारों के आने " जैसा किसने महसूस किया ?

उत्तर– शाहिद अहमद देहलवी ने

प्र–21. मार्च 1947 में कांग्रेस हाईकमान ने किस प्रस्ताव को मंजूरी दी ?

उत्तर– मार्च 1947 में कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब को मुस्लिम – बहुल और हिन्दू/सिख –बहुल , दो हिस्सों में बाँटने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी।

प्र–22 उर्वशी बुटालिया ने अपनी पुस्तक दि अदर साइड ऑफ साइलेंस में किस घटना का वर्णन किया है?

उत्तर– उर्वशी बुटालिया ने अपनी पुस्तक दि अदर साइड ऑफ साइलेंस में लिखा है.– रावलपिंडी ज़िले के थुआ खालसा गाँव में सिखों की 90 औरतों ने दुश्मनों के हाथों में पड़ने की बजाय अपनी मर्जी से कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी थी।

प्र–23 ब्रिटिश मंत्रीमंडल ने कैबिनेट मिशन भारत क्यों भेजा ?

उत्तर मार्च 1946 में ब्रिटिश मंत्रीमंडल ने मुस्लिम लीग की माँग का अध्ययन करने और स्वतंत्र भारत के लिए एक उचित राजनीतिक रूपरेखा सुझाने के लिए तीन सदस्यीय कैबिनेट मिशन दिल्ली भेजा।

प्र–24. 1940 (23 मार्च 1940) के प्रस्ताव के जरिए मुस्लिम लीग ने क्या माँग की ?

उत्तर– 23 मार्च 1940 को मुस्लिम लीग ने उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की माँग का प्रस्ताव पेश किया।

प्र–25. 1947 के बँटवारे को लोग किन नामों से पुकारते हैं?

उत्तरः 'मार्शल लॉ', 'मारामारी', 'रौला' एवं 'हुल्लड़'।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्र–1 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में सांप्रदायिक अस्मिताएं किन दो कारणों से ओर भी ज्यादा पक्की हुई? अथवा 1920 और 1930 की किन घटनाओं से हिन्दू और मुसलमानों के बीच साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न हुआ ?

उत्तर– 1920 और 1930 के दशकों में कई घटनाओं की वजह से तनाव उभरे ।

(1) **हिन्दुओं की गतिविधियों से साम्प्रदायिक तनावः–** मुसलमानों को मस्जिद के सामने संगीत बजाने, गो–रक्षा आंदोलन और आर्य समाज की शुद्धि की कोशिशें (यानि कि नव मुसलमानों को फिर से हिन्दू बनाना) जैसे मुद्दों पर गुस्सा आया ।

(2) **मुसलमानों की गतिविधियों से साम्प्रदायिक तनावः–** हिन्दू 1923 के बाद मुसलमानों के तबलीग

शेखावाटी मिशन–100

(प्रचार) और तंजीम (संगठन) के विस्तार से उत्तेजित हुए।

प्र–2 जर्मन होलोकॉस्ट (यूरोपीय होलोकॉस्ट) और भारत के विभाजन के समय हुए महाध्वंस (होलोकॉस्ट) में क्या अन्तर था ? अथवा यूरोप में नात्सी शासन के दौरान हुए जर्मन होलोकॉस्ट और भारत के विभाजन के समय हुए महाथ्वंस में क्या अन्तर है ?

उत्तर– **जर्मन होलोकॉस्टः–** जर्मनी में नसली सफाए के लिए वहाँ की नात्सी सरकार ने सरकारी मुहिम चलाई। नात्सी सरकार ने लोगों को मारने के लिए नियंत्रण और संगठन की तमाम आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया।

भारतीय होलोकॉस्ट :– 1947–48 में भारत विभाजन के समय नस्ली सफाए के लिए सरकारी मुहिम नहीं चलायी गयी बल्कि नस्ली सफाए के लिए चलायी गयी मुहिम धार्मिक समुदायों के स्वयंभू नेताओं की कारगुज़ारी थी।

प्र–3. 1909 व 1919 के अधिनियम के सन्दर्भ में पृथक चुनाव क्षेत्रों का साम्प्रदायिक राजनीति की प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ा । इस कथन की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ? अथवा " अंग्रेजों द्वारा 1909 ई. में मुसलमानों के लिए बनाए गए पृथक चुनाव क्षेत्रों का साम्प्रदायिक राजनीति की प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ा।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर– अंग्रेजों द्वारा 1909 में मुसलमानों के लिए बनाए गए पृथक चुनाव क्षेत्रों (जिनका 1919 में विस्तार किया गया) का सांप्रदायिक राजनीति की प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ा । पृथक चुनाव क्षेत्रों की वजह से मुसलमान विशेष चुनाव क्षेत्रों में अपने प्रतिनिधि चुन सकते थे । इस व्यवस्था में राजनीतिज्ञों को लालच रहता था कि वह सामुदायिक नारों का इस्तेमाल करें और अपने धार्मिक समुदाय के व्यक्तियों को नाजायज फायदे पहुँचाएं । इस तरह से उभरती हुई आधुनिक राजनैतिक व्यवस्था में धार्मिक अस्मिताओं का क्रियाशील प्रयोग होने लगा। चुनावी राजनीति इन अस्मिताओं को ज्यादा गहरा और पक्का बनाने लगी। अब अकसर धार्मिक अस्मिताएं समुदायों के बीच हो रहे विरोधों से जुड़ गईं।

प्र–4 मार्च 1947 के पश्चात् रक्तपात की घटनाओं के कोई दो कारण बताइए ? अथवा मार्च 1947 से तक़रीबन साल भर तक रक्तपात चलता रहा। इसका क्या कारण था ?

उत्तरः (1) इसका एक कारण यह था कि शासन की संस्थाएं बिखर चुकी थी। साल के आखिर तक शासन तंत्र पूरी तरह नष्ट हो चुका था। अंग्रेज़ अफसर फैसले लेना नहीं चाहते थे और हस्तक्षेप करने में हिचकिचा रहे थे।

(2) इसका दूसरा कारण यह था कि महात्मा गाँधी के अलावा भारतीय दलों के सभी वरिष्ठ नेता आजादी के बारे में जारी वार्ताओं में व्यस्त थे जबकि प्रभावित प्रांतों के बहुत सारे भारतीय प्रशासनिक अफसर अपने ही जान – माल के बारे में भयभीत थे । अंग्रेज़ भारत छोड़ने की तैयारी में लगे थे ।

प्र– 5 कैबिनेट मिशन योजना से अपना समर्थन वापस लेने के बाद मुस्लिम लीग ने क्या फैसला लिया ?

उत्तर– कैबिनेट मिशन योजना से अपना समर्थन वापस लेने के बाद मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की अपनी माँग को अमली जामा पहनाने के लिए प्रत्यक्ष कार्यवाही करने का फैसला लिया। मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त 1946 को ''' प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस " मनाने का ऐलान किया।

प्र–6 भारत विभाजन के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए ? अथवा आपके अनुसार भारत विभाजन के लिए कौनसे कारण उत्तरदायी थे ? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– भारतीय इतिहास में देश का विभाजन एक बड़ी त्रासदी थी।

इसके मुख्य कारण थे–

(अ) मुस्लिमों में द्वि–राष्ट्रवाद की भावना– राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रारंभिक काल में एक भारतीय राष्ट्र की स्थापना की भावना प्रभावशाली थी। जैसे–जैसे आन्दोलन ने अपनी शक्ति और प्रभाव दिखाना प्रारंभ किया इससे मुस्लिम लीग एवं जिन्ना के मन में अपने लिये भी एक अलग राष्ट्र की स्थापना की भावना जाग्रत हुई।

यहीं से द्विराष्ट्रवाद के सिद्धांत को बल मिला। जिन्ना कहने लगे कि हिन्दू और मुसलमान धर्म, जाति, इतिहास, नियम कायदों से पूर्णतः अलग–अलग जातियाँ हैं अतः दोनों को अपना देश स्थापित करने का अधिकार मिलना चाहिये।

(ब) अंग्रेजों द्वारा मुसलमानों की सांप्रदायिक भावना को बढ़ावा– अंग्रेज, हिन्दू और मुसलमानों में एकता और समन्वय नहीं चाहते थे। अतः राष्ट्रीय आन्दोलन को कमजोर करने हेतु फूट डालो और राज करो की नीति अपनाते हुए न केवल दो राष्ट्रों के सिद्धान्त का समर्थन किया वरन चुनावों में भी अल्पसंख्यकों के नाम पर मुसलमानों को छूट देकर उन्हें उकसाना शुरू किया।

प्र–7 आजादी के समय 'एक अकेली फौज ' के रूप में गाँधीजी के साम्प्रदायिक सद्भाव के प्रयासों को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– सांप्रदायिक दंगों के बीच सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करने के लिए 77 साल के महात्मा गाँधी की बहादुराना कोशिशें आखिरकार रंग लाने लगीं। महात्मा गाँधी पूर्वी बंगाल के नोआखाली से बिहार के गाँवों में और उसके बाद कलकत्ता व दिल्ली के दंगों में झुलसी झोपड़–पट्टियों की यात्रा पर निकल पड़े। उनकी कोशिश थी कि हिंदू मुसलमान एक दूसरे को ना मारें और हर जगह उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय को, हिन्दू या मुसलमान, दिलासा दी। उन्होंने दोनों समुदायों में पारस्परिक भरोसा और विश्वास बनाने की कोशिश की।

प्र–8. 1937 के प्रांतीय संसदों के चुनाव का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए ? अथवा 1937 के प्रांतीय संसदों के चुनावों के क्या परिणाम रहें ?

उत्तर– प्रांतीय संसदों के गठन के लिए 1937 में पहली बार 11 प्रांतों में चुनाव कराये गये। इन 11 प्रांतों में से 5 प्रांतों में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ और 8 में अपनी सरकारें बनाईं। मुसलमानों के लिए आरक्षित चुनाव क्षेत्रों में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा परंतु मुस्लिम लीग भी इन क्षेत्रों में बहुत अच्छा नहीं कर पाई। मुस्लिम लीग को इस चुनाव में संपूर्ण मुस्लिम वोट का केवल 4.4 प्रतिशत हिस्सा मिल पाया।

उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत में उसे एक सीट भी नहीं मिली, पंजाब की 84 आरक्षित सीटों में उसे सिर्फ 2 प्राप्त हुई, और सिंध में 33 में से 3 प्राप्त हुईं । इन चुनावों में मताधिकार केवल 10 से 12 प्रतिशत लोगों के पास था ।

प्र–9 कैबिनेट मिशन के प्रमुख सुझाव / प्रावधान / परिणाम कौनसे थे? अथवा कैबिनेट मिशन योजना में भारत को कितने भागों में वर्गीकृत किया गया था ? नाम लिखिए।

उत्तर– मार्च 1946 में ब्रिटिश मंत्रीमंडल ने कैबिनेट मिशन को भारत भेजा। कैबिनेट मिशन ने तीन महीने तक भारत का दौरा किया और अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की।

शेखावाटी मिशन–100

(1) कैबिनेट मिशन ने एक ढीले – ढाले त्रिस्तरीय महासंघ का सुझाव दिया। इसमें भारत एकीकृत ही रहने वाला था जिसकी केन्द्रीय सरकार काफी कमजोर होगी और उसके पास केवल विदेश, रक्षा और संचार का जिम्मा होगा।

(2) संविधान सभा का चुनाव करते हुए मौजूदा प्रांतीय सभाओं को तीन हिस्सों में समूहबद्ध किया जाएगाः– (A) समूह 'क' में हिन्दू – बहुल प्रांतों को रखा गया। (B) समूह 'ख' में पश्चिमोत्तर मुस्लिम – बहुल प्रांतों को रखा गया । (C) समूह 'ग' में पूर्वोत्तर (असम सहित) के मुस्लिम – बहुल प्रांतों को रखा गया।

(3) प्रांतों के इन खण्डों या समूहों को मिला कर क्षेत्रीय इकाइयों का गठन किया जाएगा। माध्यमिक स्तर की कार्यकारी और विधायी शक्तियाँ उनके पास ही रहने वाली थीं।

प्र–10. 1946 के प्रांतीय चुनावों के कोई दो परिणाम लिखिए ? अथवा 1946 में हुए प्रांतीय चुनावों में कांग्रेस और मुस्लिम लीग की स्थिति में क्या अन्तर आया ? **अथवा** 1946 के प्रांतीय चुनावों के बाद मुस्लिम लीग भारत के मुसलमानों की 'एकमात्र प्रवक्ता ' होने का दावा क्यों कर सकती थी ?

उत्तरः 1946 में दोबारा प्रांतीय चुनाव हुए।

(1) सामान्य सीटों पर कांग्रेस को एकतरफा सफलता मिली :– 91.3 प्रतिशत गैर – मुस्लिम वोट कांग्रेस के खाते में गए।

(2) मुसलमानों के लिए आरक्षित सीटों पर मुस्लिम लीग को भी एकतरफा सफलता मिली :–(A) 86.6 प्रतिशत मुस्लिम वोट मुस्लिम लीग के खाते में गए। (B) मध्य प्रांत में उसने सभी 30 आरक्षित सीटें जीतीं (C) सभी प्रांतों की कुल 509 आरक्षित सीटों में से 442 मुस्लिम लीग ने जीतीं।

इस प्रकार 1946 में जाकर ही मुस्लिम लीग खुद को मुस्लिम मतदाताओं के बीच सबसे प्रभुत्वशाली पार्टी के रूप में स्थापित कर पाई। अब जाकर वह भारत के मुसलमानों की एकमात्र प्रवक्ता होने का दावा कर सकती थी।

शेखावाटी मिशन–100

प्र–11. 1947 में विभाजन के दौरान हुई भीषण विनाशलीला को 'महाध्वंस' (होलोकॉस्ट) क्यों कहा जाता है ? अथवा समकालीन प्रेक्षकों और विद्वानों ने 1947 के दंगों में हुई विनाशलीला को देखते हुए इसे महाध्वंस (होलोकास्ट) क्यों कहा है ?

उत्तरः कुछ प्रेक्षकों ने विभाजन के दौरान हुई हत्याओं, बलात्कार, आगजनी तथा लूटपाट को 'महाध्वंस' (होलोकास्ट) की संज्ञा दी है। वे इस शब्द के द्वारा – सामूहिक जनसंहार की भयानकता को उजागर करना चाहते हैं। यह हादसा इतना भीषण था कि 'विभाजन' या 'बँटवारे' से उसके समस्त पहलू सामने नहीं आते। इससे यह भी समझने में मदद मिलती है कि जहाँ नाजी जर्मनी में महाध्वंस सरकार के द्वारा किया गया, वहाँ भारत में यह महाध्वंस धार्मिक समुदायों के स्वयंभू प्रतिनिधियों की कारगुजारी थी।

प्र–12 बँटवारे में औरतों की बरामदगी पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तरः बंटवारे के दौरान स्त्रियों के साथ बलात्कार हुए, उनका अपहरण किया गया, उन्हें बार–बार खरीदा–बेचा गया तथा अनजान परिस्थितियों में अजनबियों के साथ एक नया जीवन बसर करने के लिए विवश किया गया। बहुत सी स्त्रियों को जबरदस्ती घर बिठा लिया गई तथा उन्हें उनके नये परिवारों से छीनकर पुनः पुराने परिवारों या स्थानों पर भेज दिया गया। इस अभियान में लगभग 30,000 स्त्रियों को बरामद किया गया, इनमें से 22,000 मुस्लिम स्त्रियों को भारत से तथा 8,000 हिन्दू व सिख औरतों

को पाकिस्तान से निकाला गया।

प्र–13 क्या 'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत के लेखक मो. इकबाल अलग पाकिस्तान निर्माण के पक्ष में थे ? स्पष्ट कीजिए। अथवा उर्दू कवि मोहम्मद इकबाल के उत्तरी– पश्चिमी भारतीय मुस्लिम राज्य से क्या आशय था?

उत्तरः 1930 में मुस्लिम लीग के अध्यक्षीय भाषण में मो. इकबाल ने 'उत्तर–पश्चिमी भारतीय मुस्लिम राज्य' की आवश्यकता पर जोर दिया था। अपने भाषण में इकबाल एक नए देश के उदय पर नहीं बल्कि पश्चिमोत्तर भारत में मुस्लिम बहुल इलाकों को एकीकृत शिथिल भारतीय संघ के भीतर एक स्वायत्त इकाई की स्थापना पर जोर दे रहे थे। इससे स्पष्ट होता है कि मो. इकबाल विभाजन के पक्ष में नहीं थे।

प्र–14 1945 में दोबारा शुरू हुई वार्ताएँ क्यों टूट गई?

उत्तरः अँग्रेज इस बात पर सहमत हुए कि एक केन्द्रीय कार्यकारिणी सभा बनाई जाएगी, जिसके सभी सदस्य भारतीय होंगे सिवाय वायसराय और सशस्त्र सेनाओं के सेनापति के। सत्ता हस्तांतरण की यह वार्ता टूट गई क्योंकि जिन्ना इस बात पर अड़े हुए थे कि कार्यकारिणी सभा के मुस्लिम सदस्यों का चुनाव करने का अधिकार मुस्लिम लीग के अलावा और किसी को नहीं है।

प्र–15 कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव को कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने मानने से क्यों इन्कार कर दिया था?

उत्तर– (1) **कांग्रेस द्वारा कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव को अस्वीकार करनाः**–कांग्रेस चाहती थी कि प्रान्तों को अपनी इच्छा का समूह चुनने का अधिकार मिलना चाहिए। कांग्रेस इस बात से भी असन्तुष्ट थी कि प्रारम्भ में प्रान्तों की समूहबद्धता अनिवार्य होगी परन्तु संविधान बन जाने के बाद उनके पास समूहों से निकलने का अधिकार होगा।

(2) मुस्लिम लीग द्वारा कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव को अस्वीकार करनाः– मुस्लिम लीग की माँग थी कि प्रान्तों की समूहबद्धता अनिवार्य हो जिसमें समूह 'ख' तथा 'ग' के पास भविष्य में संघ से अलग होने का अधिकार होना चाहिए।

शेखावाटी मिशन–100

प्र–16 भारत में पाकिस्तान से नफ़रत करने वाले और पाकिस्तान में भारत से नफ़रत करने वाले दोनों ही बँटवारे की उपज है ? संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

अथवा हिन्दुओं और मुसलमानों की एक–दूसरे के प्रति रूढ़ छवियां भी बँटवारे की उपज थी, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः (1) भारत में पाकिस्तान से नफ़रत करने वाले लोग मान लेते हैं कि भारतीय मुसलमानों की वफादारी पाकिस्तान के साथ है। कई लोगों को लगता है कि मुसलमान क्रूर, कट्टर,गंदे होते हैं और वे हमलावरों के वंशज हैं जबकि हिन्दू दयालु, उदार, शुद्ध और जिन पर हमला किया गया उनके वंशज हैं।

(2) पत्रकार आर.एम. मर्फी ने अपने अध्ययन में बताया है कि पाकिस्तान में भी इस तरह की रूढ़ छवियों की कमी नहीं है। मर्फी का कहना है कि कुछ पाकिस्तानियों को लगता है कि मुसलमान निष्पक्ष, बहादुर ,एकेश्वरवादी और मांसाहारी हैं जबकि हिन्दू काले, कायर, बहु– ईश्वरवादी, शाकाहारी होते हैं।

अध्याय 15 संविधान का निर्माण एक नए युग की शुरूआत [अंक5]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय संविधान ___________को अस्तित्व में आया।

(A*) 26 जनवरी 1950 (B) 26 जनवरी1947

(C) 15 अगस्त 1947 (D) 15 नवंबर 1949

2. ___________संविधान दुनिया का सबसे लंबा संविधान है।

(A*) भारतीय (B) अमेरिका

(C) फ्रांसीसी (D) रूसी

3. भारतीय संविधान में लंबे समय से चली आ रही ऊंच नीच और अधीनता की संस्कृति में ___________संस्थाओं को विकसित करने का प्रयास किया गया है।

(A) राजतांत्रिक (B*) लोकतांत्रिक

(C) साम्यवादी (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. संविधान सभा के कुल___________सत्र हुए तथा 165 बैठके हुई।

(A) 8 (B*) 11

(C) 10 (D) 9

5. संविधान सभा के गठन के संबंध में असत्य कथन को चुने है

(A) संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर नहीं हुआ था।

(B*) संविधान सभा के सभी सदस्य कांग्रेस पार्टी के सदस्य थे।

(C) सभा में हुई चर्चाएं जनमत से प्रभावित होती थी।

(D) लीग ने संविधान सभा के बहिष्कार को उचित समझा।

6. संविधान सभा में__________सदस्य थे, जिनमें से 82% कांग्रेस के सदस्य थे।

(A*) 300 (B) 500

(C) 250 (D) 350

7. राष्ट्रीय ध्वज केसरिया, सफेद और गहरी हरे रंग की तीन बराबर चौड़ाई वाली पाट्टियों का तिरंगा झंडा होगा यह प्रस्ताव ___________ने रखा।

(A) वल्लभभाई पटेल (B*) जवाहरलाल नेहरू

(C) राजेन्द्र प्रसाद (D) भीमवार अंबेडकर

8. ___________संविधान सभा के अध्यक्ष थे।

(A) जवाहरलाल नेहरू (B) वल्लभभाई पटेल

(C*) राजेन्द्र प्रसाद (D) सुभाष चंद्र बोस

9. महाराष्ट्र में___________ने दमित जातियों की पीड़ा का सवाल उठाया।

(A*) ज्योतिबा फुले (B) जवाहरलाल नेहरू

(C) सरदार वल्लभभाई पटेल (D) राजेन्द्र प्रसाद

10. डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संबंध में सत्य कथन हैः–

(A) वे ब्रिटिश काल में वे कांग्रेस विरोधी थे इसलिये महात्मा गांधी की सलाह पर उन्हें केंद्रीय विधि मंत्री का पद संभालने का न्योता दिया गया।

(B) उन्होनें संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

(C) संविधान सभा में के एम मुंशी तथा अल्लादी कृष्णस्वामी उनके साथी थे

(D*) उपरोक्त सभी

11. उद्देश्य प्रस्ताव के भाषण में जवाहरलाल नहेरू द्वारा किन महत्वपर्ण क्रांतियों का उदाहरण पेश किया गया।

(A) अमेरिकी (B) फ्रांसीसी

(C) रूसी (D*) उपरोक्त सभी

12. संविधान सभा की चर्चाओं के मुद्रित रिकोर्ड___________खंडों में प्रकाशित हुए।

(A) 10 (B) 12

(C) 9 (D*) 11

13. संविधान के मसविदे की तीन विषयों की सूचियां के संबंध मं सत्य कथन है।

(A) प्रथम सूची केंद्रीय सूची के विषय केवल केन्द्र सरकार के अधीन होने थे

(B) दूसरी सूची राज्य सूची के विषय केवल केन्द्र सरकार के अधीन होने थे

(C) तीसरी समवर्ती सूची के विषय केन्द्र और राज्य दोनों की साझा जिम्मेदारी थे

(D*) उपरोक्त सभी

अति लघु उत्तरआत्मक प्रश्न

1. भारतीय संविधान को कब सूत्रबद्ध किया गया ?

Ans. 9 दिसम्बर 1946 से 26 नवंबर 1949 तक (2 वर्ष 11 माह 18 दिन)

2. संविधान सभा में सहयोग करने वाले दो प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी थे ?

Ans. बी एन राव संवैधानिक सलाहकार के रूप में तथा एसएन मुखर्जी मुख्य योजनाकार के रूप में।

3. उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसके द्वारा पेश किया गया ?

Ans. 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा।

4. संविधान सभा के किस सदस्य को चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का साया दिखाई देता था? अथवा/ किस सदस्य के अनुसार संविधान सभा अंग्रेजों की योजना को साकार करने का काम कर रही थी।

Ans. कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी

5. पंडित नेहरू के अनुसार संविधान सभा की शक्ति का स्त्रोत क्या था।

Ans. जनता

6. ''पृथक निर्वाचन एक ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका है'' यह कथन किसका था ?

Ans. सरदार वल्लभ भाई पटेल

7. पृथक निर्वाचन को आत्मघाती मांग मानने वाले दो सदस्यों के नाम बताइए ?

Ans. गोविंद बल्लभ पंत एवं बेगम एजाज रसूल

8. पृथक निर्वाचन का समर्थक किसी एक सदस्य का नाम बताइए ?

Ans. बी पोकर बहादूर

9. एनजी रंगा के अनुसार असली अल्पसंख्यक कौन थे ?

Ans. भारत देश की जनता गरीब और दबे कुचले लोग किसान एवं आदिवासी

10. संविधान सभा सदस्य जयपाल सिंह किस समूह का प्रतिनिधितव करते थे

Ans. आदिवासी समूह।

11. प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढाने के लिए कौन कौन से कानून बनाए गए।

Ans. 1909, 1919, 1935

12. _____________में कार्यपालिका को आंशिक रूप से प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।

Ans. 1919 में

13. प्रातींय कार्यपालिका को लगभग पूरी तरह से विधायिका के प्रति उत्तरदायी कब बनाया गया।

Ans. 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के अन्तर्गत।

14. '' अंग्रेज तो चले गए, मगर जाते जाते शरारत के बीच बो गए'' / ''क्या तुम इस देश में शांति चाहते हो अगर चाहते हो तो इसे (पृथक निर्वाचिका) को छोड़ दो'' ये कथन किसने व किस संदर्भ में कहा ?

Ans. यह कथन सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा पृथक निर्वाचिका की मांग में संदर्भ कहा गया।

15. ''उन्हें सहारों की जरूरत है उन्हें एक सीढ़ी चाहिए'' यह कथन किसने और किस के संबंध में कहा।

Ans. एनजी रंगा ने नागरिक अधिकारों का प्रभावी ढंग से प्रयोग के संदर्भ में।

16. आम जनता और संविधान सभा में उनका प्रतिनिधित्व का दावा करने वालों के बीच खाई की और किसने ध्यान आकर्षित कराया।

Ans. किसान आंदोलन के नेता और समाजवादी विचारों वाले एनजी रंगा ने

17. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत 1937 में चुनाव हुए तो 11 में से कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी ?

Ans. 8 प्रांतो में।

18. दलित जातियों के अधिकारों की मांग करने वाले प्रमुख सदस्य थे ?

Ans. डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, जे. नागप्पा (मद्रास), के जे खंडेलकर (मध्य प्रांत) दक्षायणी वेलायुधान (मद्रास)।

19. किस घटना के पश्चात डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने दलितों हेतु पृथम निर्वाचन की माग छोड़ दी थी ?

Ans. बंटवारे/विभाजन की हिंसा के बाद।

20. महिलाओं के लिए न्याय की मांग करने वाली प्रमुख सदस्य थी ?

Ans. मुंबई की हंसा मेहता

21. जो सदस्य शक्तिशाली केन्द्र के पक्ष में थे उनमें मुख्य रूप से शामिल थे ?

Ans. पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ भीमराव अंबेडकर बालकृष्ण शर्मा, गोपालस्वामी अय्यर ।

22. संविधान में गवर्नर की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार किस अनुच्छेद में दिया गया है ?

Ans. अनुच्छेद 356 में।

कोरबा मिशन 100

23. किन करो / शूल्को से होने वाली सारी आय केन्द्र के पास रखी गई ?

Ans. सीमा – शुल्क, कम्पनी पर

24. किन करो की आय राज्य तथा केन्द्र सरकार के बीच बांट दी गई ?

Ans. आयकर, आबकारी शुल्क

25. किन करो में राज्य सरकारों को अपने स्तर पर कुछ अधिभार और कर वसूलने का अधिकार दिया गया ?

Ans. जमीन और संपति कर, बिक्री कर, बोतलबंद शराब पर कर

26. राज्य के अधिकरों की सबसे शक्तिशाली हिमायत करने वाले सदस्य थे।

Ans. के. संतनाम (मद्रास प्रांत)

27. प्रांतों को अधिक स्वायत्तता व विकेंद्रीकृत संरचना के प्रति राष्ट्र वादियों तथा कांग्रेस के नजरिए में बदलाव किस घटना के पश्चात आया?

Ans. बटवारा/ विभाजन की घटना के बाद

28. शक्तिशाली सरकार या केन्द्र की आवश्यकता क्यों बताई गई ?

Ans. ताकि वह देश हित में योजना बना सके उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सके तथा एक उचित शासन व्यवस्था स्थापित कर सके और देश को सांप्रदायिक हिंसा व विदेशी आक्रमण से बचा सके।

29. महात्मा गांधी के अनुसार राष्ट्रीय भाषा कौन सी होनी चाहिए ?

Ans. हिंदुस्तानी

30. महात्मा गांधी के अनुसार हिंदुस्तानी की क्या विशेषताएं होनी चाहिए ?

Ans. न तो अधिक संस्कृतनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और ना ही फारसीनिस्ट उर्दू

31. हिंदी के समर्थक में पुरजोर आवाज उठाने वाले सदस्य थे ?

Ans. आरवी धूलेकर (संयुक्त प्रांत)

32. धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लेख किस अनुच्छेद में किया गया है।

Ans. संविधान के अनुच्छेद 25 से 28

33. संस्कृति व शैक्षिक अधिकार किस अनुच्छेद में दिए गए हैं।

Ans. संविधान के अनुच्छेद 29 व 30

34. समानता के अधिकार संविधान के किन अनुच्छेदों में दिए गए हैं।

Ans. अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 18

35. हिंदी भाषा के वर्चस्व पर भय व चिंता व्यक्त करने वाले दो सदस्य थे ?

Ans. श्रीमती जी. दुर्गाबाई (मद्रास) व श्री टीए रामलिंगम चैटयार (मद्रास) ।

शेखावाटी मिशन 100

मानचित्र कार्य

N
300 km
200 mi
© d-maps.com
प्रमुख सैन्धव पुरास्थल
हड़प्पा
बनावली
कालीबंगा
राखीगढ़ी
मोहनजोदड़ो
कोटदीजी
चन्हुदड़ो
धौलावीरा
लोथल
नागेश्वर

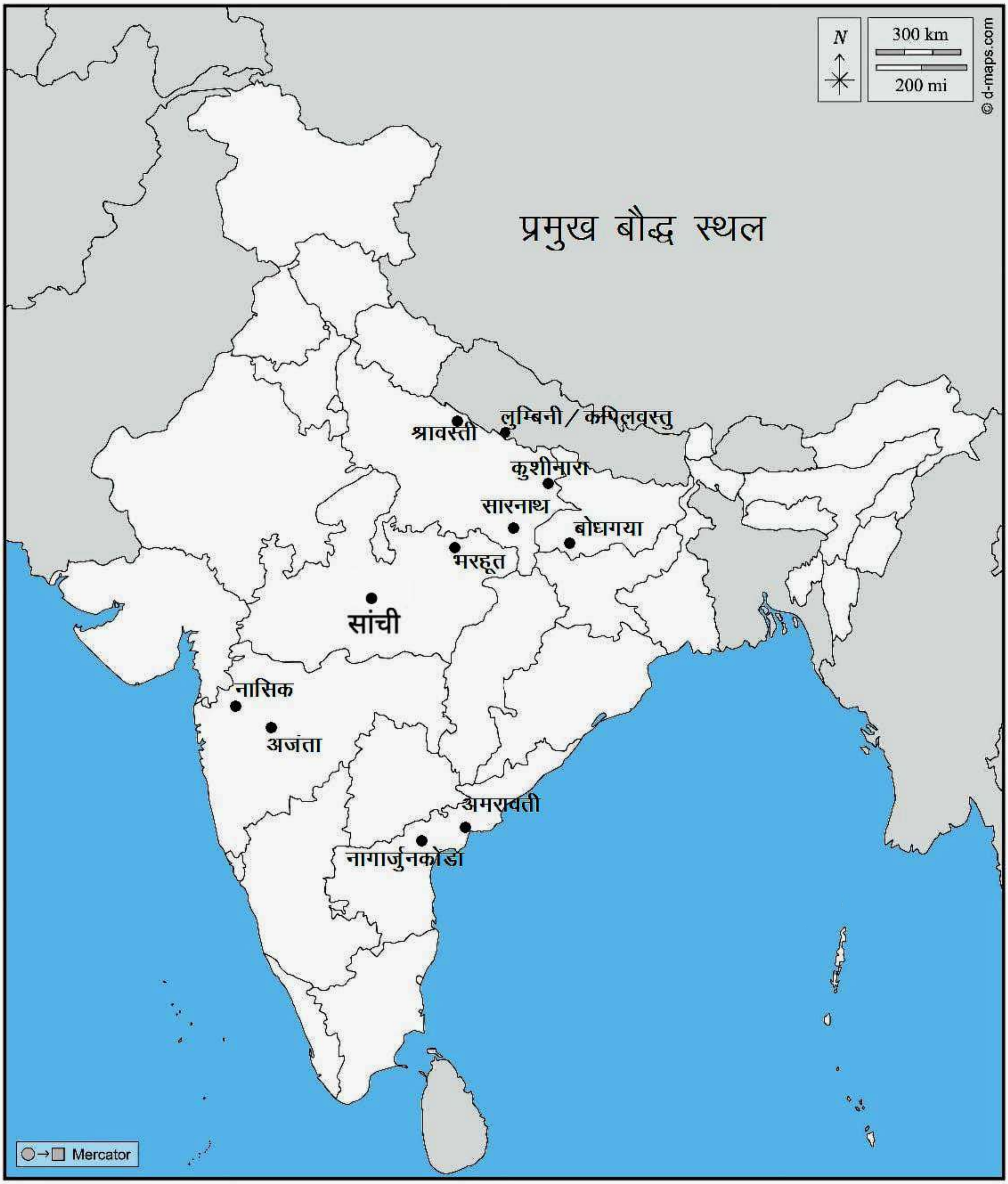
प्रमुख बौद्ध स्थल
300 km
200 mi
N
© d-maps.com
श्रावस्ती
लुम्बिनी / कपिलवस्तु
कुशीनारा
सारनाथ
बोधगया
भरहूत
सांची
नासिक
अजंता
अमरावती
नागार्जुनकोंडा
Mercator

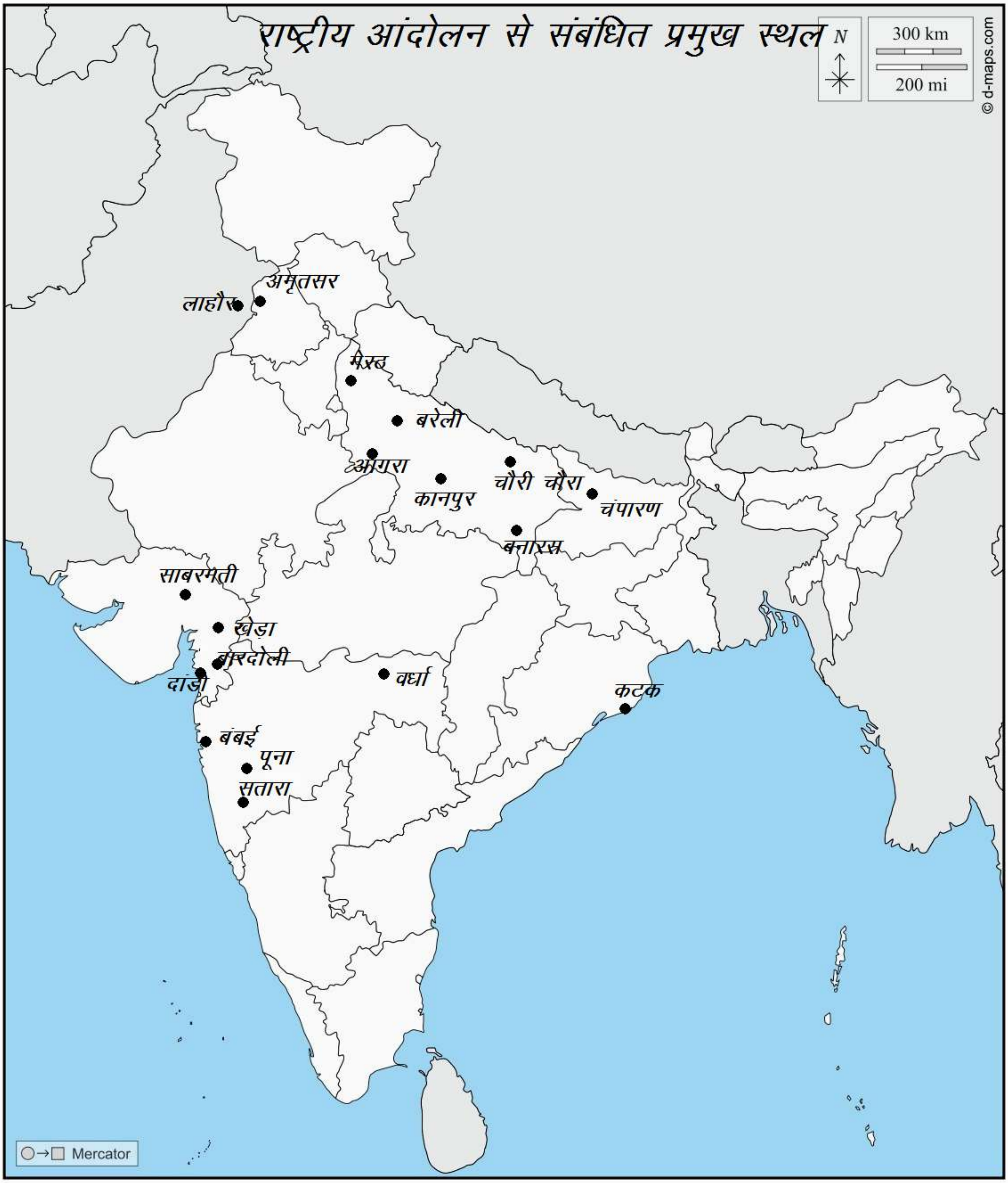
राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित प्रमुख स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
अमृतसर
लाहौर
मेरठ
बरेली
आगरा
कानपुर
चौरी चौरा
चंपारण
बनारस
साबरमती
खेड़ा
बारदोली
दांडी
वर्धा
कटक
बंबई
पूना
सतारा
Mercator

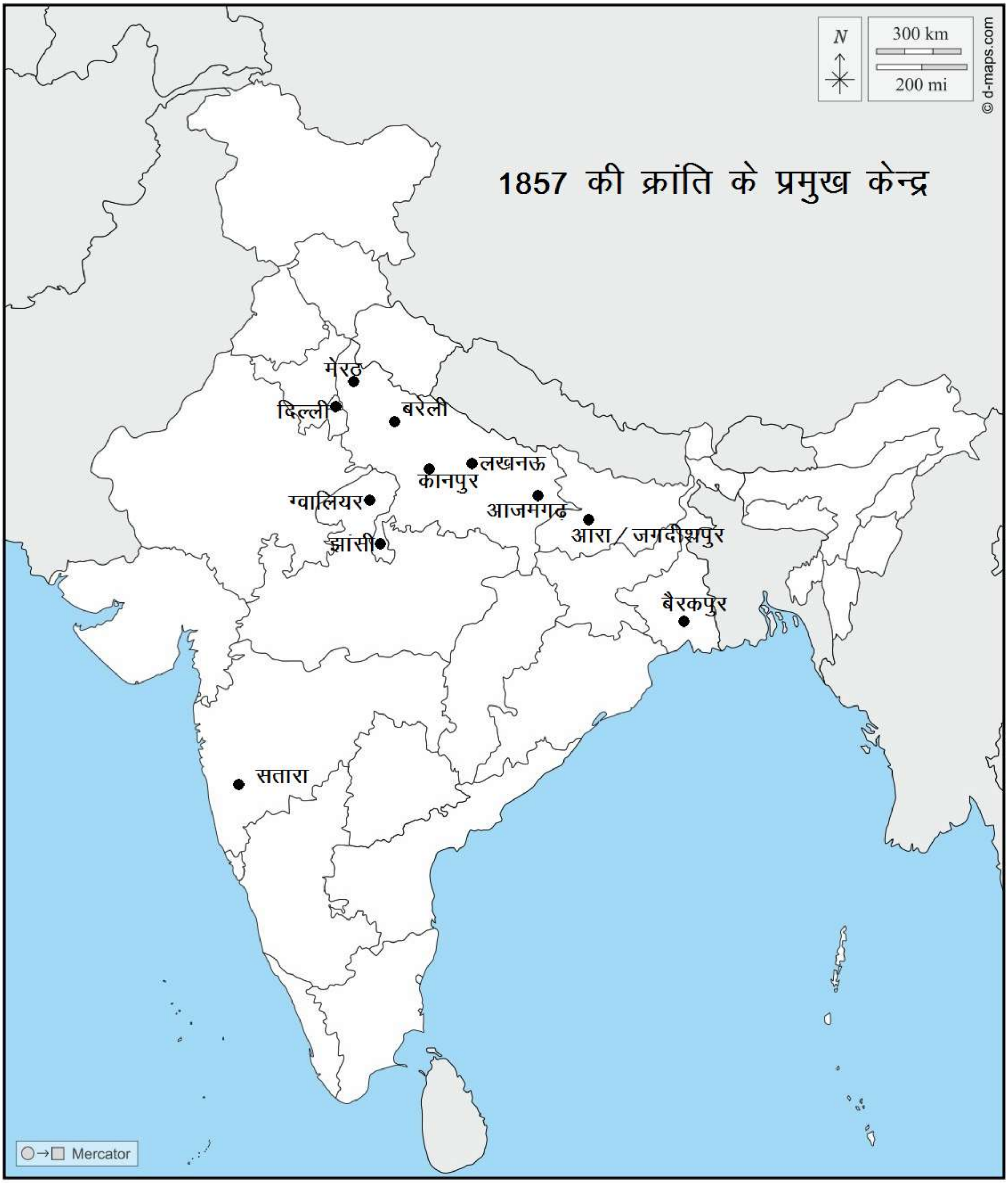
1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्र
मेरठ
दिल्ली
बरेली
लखनऊ
कानपुर
ग्वालियर
आजमगढ़
आरा / जगदीशपुर
झांसी
बैरकपुर
सतारा
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
Mercator

प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
तक्षशिला
पानीपत
मथुरा
आमेर
फतेहपुर सीकरी
अजमेर
इलाहबाद
पाटलीपुत्र
बर्धमान
मंदसौर
कलकता
सूरत
बम्बई
मद्रास / चेन्नई
Mercator

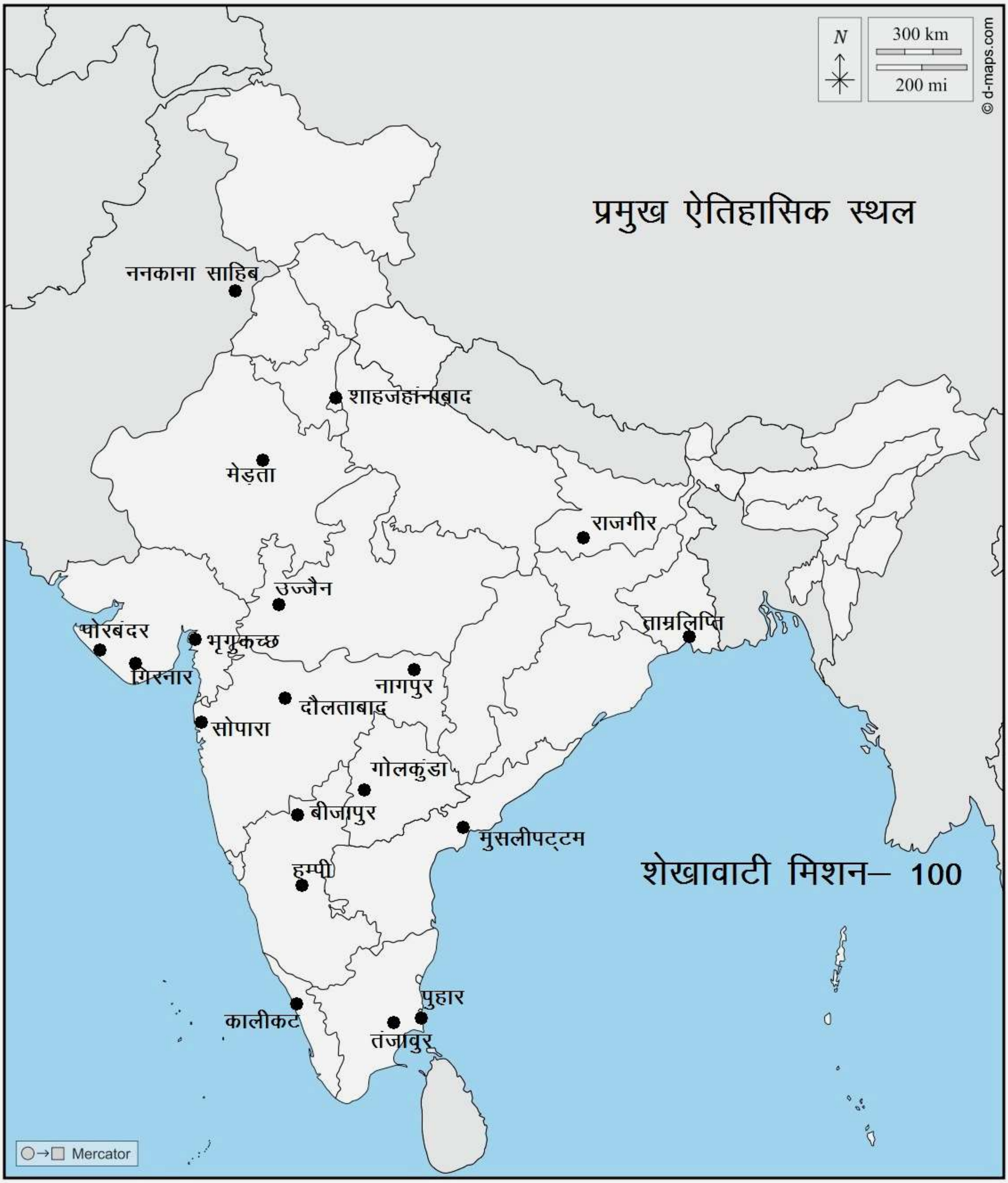
प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
ननकाना साहिब
शाहजहांनाबाद
मेड़ता
राजगीर
उज्जैन
पोरबंदर
भृगुकच्छ
गिरनार
नागपुर
दौलताबाद
ताम्रलिप्ति
सोपारा
गोलकुंडा
बीजापुर
मुसलीपट्टम
हम्पी
शेखावाटी मिशन– 100
पुहार
कालीकट
तंजावुर
Mercator

महाजनपद

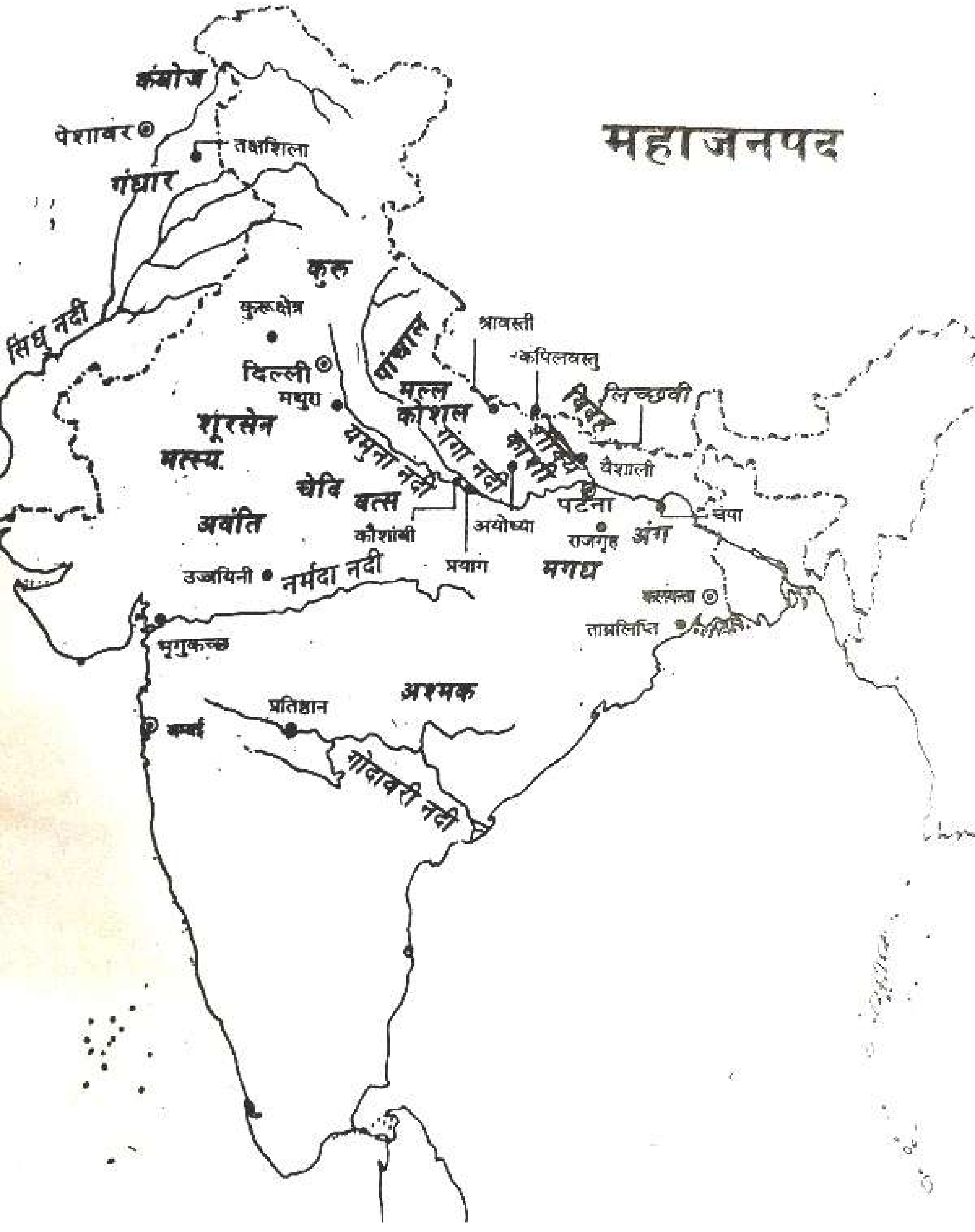
कंबोज
पेशावर
तक्षशिला
गंधार
सिंधु नदी
कुरु
कुरुक्षेत्र
दिल्ली
मथुरा
पांचाल
श्रावस्ती
कपिलवस्तु
मल्ल
कोशल
लिच्छवी
शूरसेन
मत्स्य
यमुना नदी
गंगा नदी
काशी
वैशाली
चेदि
वत्स
पटना
चंपा
अवंति
कौशांबी
अयोध्या
राजगृह
अंग
प्रयाग
मगध
उज्जयिनी
नर्मदा नदी
कलकत्ता
ताम्रलिप्ति
भृगुकच्छ
अश्मक
प्रतिष्ठान
बम्बई
गोदावरी नदी

शेखावाटी मिशन–100 (मॉडल प्रश्न–पत्र)

विषय–इतिहास

कक्षा – 12

समयः– 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देशः–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5. प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपांतर में किसी प्रकार की त्रुटि/अंतर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन–100 (मॉडल प्रश्न–पत्र) अंक भार (80)

खण्ड – अ (प्रत्येक प्रश्न का अंक भार 1)

प्रश्न 1. सही उत्तर का चयन करें –

(1) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम महानिदेशक थे –

(अ) दयाराम साहनी (ब) आर.डी. बनर्जी (स) व्हीलर (द) कनिंघम **(द)**

(2) किस सातवाहन शासक ने स्वयं को अनुष्ठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया –

(अ) सिमुक (ब) गौतमीपुत्र शातकर्णी (स) वशिष्टिपुत्र पुलमावी (द) बिन्दुसार **(ब)**

(3) भारत का सबसे प्रभावशाली सूफी सिलसिला माना जाता है –

(अ) चिश्ती (ब) कादरी (स) सुहरावर्दी (द) नक्शबंदी **(अ)**

(4) प्रयाग–प्रशस्ति के रचयिता हैं –

(अ) समुद्रगुप्त (ब) हरिषेण (स) मेगस्थनीज (द) चाणक्य **(ब)**

(5) हम्पी के भग्नावशेषों की खोज का श्रेय है–

(अ) दयाराम साहनी (ब) सर जॉन मार्शल (स) कॉलिन मैकेन्जी (द) कनिंघम **(स)**

(6) अमुक्तमल्यद नामक ग्रन्थ की रचना किसके द्वारा की गई–

(अ) देवराय प्रथम (ब) हरिहर राय (स) बाणभट्ट (द) कृष्णदेव राय **(द)**

(7) मुगलकालीन कृषि इतिहास के बारे में जानकारी देने वाला प्रमुख ऐतिहासिक ग्रन्थ है –

(अ) बाबरनामा (ब) आइन ए अकबरी (स) हुमायूंनामा (द) पद्मावत **(ब)**

(8) किस शासक ने तीर्थयात्रा कर (1563 ई.) तथा जजिया कर (1564 ई.) समाप्त कर दिया –

(अ) अकबर (ब) जहांगीर (स) औरंगजेब (द) बहादुरशाह **(अ)**

(9) 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल था –

(अ) लार्ड वेलेजली (ब) लार्ड डलहौजी (स) लार्ड कैनिंग (द)लार्ड विलियम बैंटिक **(स)**

(10) मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाने की घोषणा की –

(अ) 16 अगस्त 1940 (ब) 16 अगस्त 1946 (स) 16 मार्च 1939 (द) 26 जनवरी 1930 **(ब)**

(11) संविधान सभा की चर्चाओं के मुद्रित रिकॉर्ड कितने खंडों में प्रकाशित हुए –

(अ) 5 (ब) 16 (स) 2 (द) 11 **(द)**

(12) '' अंग्रेज तो चले गए, लेकिन जाते जाते शरारत का बीज बो गए।'' संविधान सभा में ये ऐतिहासिक कथन किसने कहा –

(अ) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (ब) सरदार पटेल

(स) जवाहरलाल नेहरू (द) जी.बी. पंत **(ब)**

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

(1) सम्राट अशोक ने धम्म के प्रचार के लिए .... नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

उत्तर धम्म महामात्र।

(2) .... मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर शरिया।

(3) एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना ....द्वारा 1784 ई. में कलकता में की गई।

उत्तर सर विलियम जोन्स।

(4) कांग्रेस का 1929 ई. का वार्षिक अधिवेशन लाहौर शहर में पं. जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें .... का प्रस्ताव पारित किया गया।

उत्तर पूर्ण स्वाधीनता ।

(5) ....को सीमान्त गांधी / फ्रंटियर गांधी के नाम से जाना जाता है।

उत्तर खान अब्दुल गफ्फार खान।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए –

(1) सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' है ?

उत्तर मोहनजोदड़ो।

(2) महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की कब और किसके नेतृत्व में शुरूआत हुई ?

उत्तर 1919 , बी. एस. सुकथांकर।

(3) सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार किस शक शासक ने करवाया ?

उत्तर शक शासक रूद्रदामन।

(4) बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया गया है ?

उत्तर शिविर नगर ।

(5) चोल शासकों द्वारा निर्मित दो मंदिरों के नाम बताइए।

उत्तर गंगेकौण्डचोलपुरम् व चिदम्बरम् ।

(6) राक्षसी –तांगड़ी /तालीकोटा का युद्ध कब और किनके मध्य हुआ ?

उत्तर राक्षसी –तांगड़ी /तालीकोटा का युद्ध 1565 ई. में विजयनगर (शासक– सदाशिव राय, प्रधानमंत्री – रामराय) और बीजापुर, गोलकुण्डा और अहमदनगर की संयुक्त सेनाओं के मध्य हुआ। इस युद्ध में विजयनगर की पराजय के बाद विजेता सेनाओं ने विजयनगर को जमकर लूटा ।

(7) ईरान से मुगल दरबार में आने वाले दो प्रसिद्ध चित्रकारों के नाम बताइए।

उत्तर मीर सैयद अली व अब्दुल समद।

(8) ईस्ट–इण्डिया कम्पनी को बम्बई कब और कैसे प्राप्त हुआ ?

उत्तर ब्रिटेन को बंबई पुर्तगाल से दहेज में मिला जिसे राजपरिवार ने 1661 ई. में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को किराये पर दे दिया।

(9) किस अधिनियम के तहत मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली का प्रावधान किया गया ?

उत्तर भारत सरकार अधिनियम –1909 /मार्ले–मिन्टो सुधार (1909 ई.)

(10) संविधान सभा के समक्ष उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसके द्वारा पेश किया गया ?

उत्तर संविधान सभा के समक्ष उद्देश्य प्रस्ताव 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा पेश किया गया।

(11) संविधान सभा में सहयोग करने वाले दो प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों के नाम बताइए।

उत्तर 1. बी. एन. राव – संवैधानिक सलाहकार 2. एस. एन. मुखर्जी – मुख्य योजनाकार।

(12) किस आदिवासी नेता ने संविधान सभा में आदिवासियों को पृथक् निर्वाचिका का अधिकार दिए जाने की माँग की ?

उत्तर जयपाल सिंह मुण्डा ।

शेखावाटी मिशन–100

खण्ड ब

(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 2)

प्रश्न 4. पितृवंशिकता और मातृवंशिकता को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर पित्वंशिकता सामाजिक परम्परा में वंश परम्परा पिता से पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है और वे ही संपत्ति के उत्तराधिकारी होते हैं। मातृवंशिकता परम्परा में वंश परम्परा माँ से जुड़ी हुई होती है और किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान एवं मान्यता उसके मातृवंश से होती है ।

प्रश्न 5. सांची के स्तूपों को संरक्षण देने में भोपाल के शासकों की भूमिका का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर भोपाल के शासकों, शाहजहाँ बेगम तथा उनकी उत्तराधिकारी सुल्तानजहां बेगम ने इस प्राचीन स्थल के रख–रखाव के लिए धन का अनुदान दिया। सुल्तानजहां बेगम ने वहाँ एक संग्रहालय व अतिथि शाला बनाने के लिए अनुदान दिया।

प्रश्न 6. बौद्ध धर्म से जुड़े निम्नलिखित स्थलों का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(अ) कपिलवस्तु (ब) बोधगया (स) सारनाथ (द) कुशीनारा

उत्तर –

स्थल	**महत्व / घटना**
कपिलवस्तु	गौतम बुद्ध का जन्म (563 ई. पू.)
बोधगया	गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति
सारनाथ	धर्म चक्र प्रवर्तन / प्रथम धर्मोपदेश
कुशीनारा	निर्वाण प्राप्ति / मृत्यु (483 ई. पू.)

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न 7. जैन धर्म की पंच महाव्रत व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर **पंच महाव्रत** – जैन धर्म के पाँच मूलभूत सिद्धान्त जिनको पंच महाव्रत के नाम से जाना जाता है –

1. सत्य (सदैव सत्य बोलना)
2. अहिंसा (जीव मात्र के प्रति हिंसा न करना)
3. अस्तेय (चोरी न करना)
4. अपरिग्रह (धन का संचय न करना)
5. ब्रह्मचर्य (इन्द्रिय निग्रह करना)

प्रश्न 8. इब्नबतूता ने डाक प्रणाली का वर्णन किस प्रकार किया है ?

उत्तर इब्नबतूता ने अपने ग्रन्थ रेहाला में भारतीय डाक व्यवस्था का विस्तृत वर्णन किया है। इब्नबतूता डाक व्यवस्था की द्रुतगामी व्यवस्था से काफी प्रभावित हुआ। इब्नबतूता ने लिखा है कि दो प्रकार की डाक प्रणाली अस्तित्व में थी – अश्व डाक व्यवस्था को उलुक और पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा गया है।

प्रश्न 9. भारतीय वर्ण व्यवस्था के संबंध में अलबिरूनी के विचार बताइए।

उत्तर अलबिरूनी के अनुसार भारतीय समाज चार वर्णों में बंटा हुआ था –ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शुद्र। जाति व्यवस्था के संबंध में ब्राह्मणवादी व्याख्या को मानने के बावजूद अलबिरूनी ने अपवित्रता की मान्यता को अस्वीकार कर दिया। अलबिरूनी के अनुसार जाति व्यवस्था में सम्मिलित अपवित्रता की अवधारणा प्रकृति के नियमों के विरूद्ध थी।

प्रश्न 10. विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन में अमर नायक प्रणाली का महत्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर अमर नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की प्रमुख राजनैतिक खोज थी। अमर नायक सैनिक कमाण्डर थे जिन्हें राय द्वारा प्रशासन के लिए राज्य क्षेत्र दिए जाते थे। अमर नायक अपने क्षेत्र से भू–राजस्व व अन्य कर वसूलते थे और राय को सैनिक सहायता उपलब्ध करवाते थे। महानवमी अनुष्ठान पर नायक एवं अधीनस्थ शासक राय के लिए निश्चित कर व उपहार भेंट करने स्वयं उपस्थित होकर अपनी निष्ठा प्रकट करते थे। राय कभी–कभी नायकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित कर उन पर अपना नियन्त्रण दर्शाते थे

प्र. 11. आइने अकबरी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर मुगल सम्राट अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फजल द्वारा पाँच खण्डों में रचित आइन ए अकबरी नामक ग्रन्थ अकबर के शासनकाल के बारे में जानकारी प्राप्त करने का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत माना जाता है। इस ग्रन्थ में मुगल दरबार, प्रशासन, सेना के संगठन, राजस्व व्यवस्था, अकबरकालीन भारत के धार्मिक व सांस्कृतिक रिवाजों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है। इस ग्रन्थ से सम्राट अकबर के शासनकाल की समस्त प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

प्र. 12. मुगलकालीन मनसबदारी व्यवस्था में जात व सवार का अर्थ बताइए।

उत्तर मनसबदारी व्यवस्था में दो तरह के संख्या विषयक औहदे होते थे – जात व सवार।

1. जात – जात शाही पदानुक्रम में मनसबदार के पद और वेतन का सूचक था।

2. सवार – सवार यह सूचित करता था कि मनसबदार को शाही सेवा में कितने घुड़सवार रखना अपेक्षित था।

प्र. 13. अकबर की सुलह ए कुल की नीति क्या थी ?

उत्तर सुलह ए कुल की नीति सम्राट अकबर द्वारा अपनाया गया राजकीय सिद्धान्त था जिसके अन्तर्गत अकबर ने उदार धार्मिक नीति को अपनाते हुए अपने राज्य में विभिन्न धर्मों एवं सम्प्रदायों में एकता, समन्वय एवं धार्मिक सहिष्णुता को स्थापित किया। अबुल फजल ने सुलह ए कुल के आदर्शों को प्रबुद्ध शासन की आध ारशिला बताया। सुलह ए कुल के आदर्शों को राज्य नीतियों द्वारा लागू कर अकबर ने मुगल साम्राज्य को स्थायित्व व दृढ़ता प्रदान की।

प्र. 14. दामिन–ए–कोह के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर सन् 1832 में अंग्रेजो ने राजमहल के पहाड़ी क्षेत्र में जमीन के एक बहुत बड़े क्षेत्र को संथालों के लिए सीमांकित कर दिया, जिसे संथालों की भूमि घोषित किया। इस क्षेत्र में संथालों को स्थायी कृषि करनी थी।

प्र. 15. इस्तमरारी बंदोबस्त पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

उत्तर इस्तमरारी बन्दोबस्त को स्थायी बंदोबस्त के नाम से भी जाना जाता है। इस व्यवस्था को 1793 ई. में बंगाल प्रान्त में लागू किया गया। इस्तमरारी बंदोबस्त बंगाल के जमींदारों व कम्पनी के बीच कर वसूलने की एक स्थायी व्यवस्था थी जिसमें राजस्व की दर निश्चित होती थी। इस बंदोबस्त में जमींदार गाँव में भूस्वामी नहीं बल्कि राजस्व संग्राहक होता था।

प्र. 16. साम्प्रदायिकता से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर साम्प्रदायिकता उस राजनीति को कहते हैं जो धार्मिक समुदायों के बीच विरोध व झगड़े पैदा करती है। ऐसी राजनीति धार्मिक पहचान को बुनियादी व अटल मानती है। यह धार्मिक समुदाय की एकता पर जोर देती है और उस समुदाय को किसी न किसी अन्य समुदाय से लड़ने के लिए प्रेरित करती है।

शेखावाटी मिशन–100

खण्ड स
(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 3)

प्र. 17. सम्राट अशोक की धम्म नीति को समझाइए।

उत्तर संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 3 व लघुत्तरात्मक प्रश्न 5 का अध्ययन करें।

प्र. 17. संत कबीर और गुरू नानक देव की प्रमुख शिक्षाएं बताइए।

उत्तर संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 8 का अध्ययन करें।

प्र. 19. सहायक संधि प्रथा क्या थी ? इसकी प्रमुख शर्तें बताइए। ।

उत्तर संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 15 का अध्ययन करें।

प्र. 20. कलकता नगर नियोजन में लॉटरी कमेटी के कार्यों की वर्तमान संदर्भ में प्रासांगिकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 11 का अध्ययन करें।

खण्ड द
(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 4)

शेखावाटी मिशन–100

प्र. 21. हड़प्पा संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

मोहनजोदड़ो के नगर नियोजन की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

उत्तर संबंधित–पाठ के निबंधात्मक प्रश्न क्रमांक 5 व 6 का अध्ययन करें।

प्र. 22. महात्मा–गांधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को किस तरह बदल दिया ?

अथवा

भारत छोड़ो आंदोलन के राष्ट्रीय आंदोलन में महत्व पर निबंध लिखिए।

उत्तर संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 4 व 5 का अध्ययन करें।

प्र. 23. मानचित्र कार्य –

भारत के मानचित्र में निम्नलिखित स्थान अंकित कीजिए –

(1) दाण्डी (2) हम्पी (3) कालीबंगा (4) पाटलीपुत्र (5) झांसी

अथवा

(1) बारदोली (2) नौआखली (3) कलकता (4) अमृतसर (5) धौलावीरा

***